बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुख्य संवाददाता : इन्द्रजीत सिंह मो. 9582093548

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 20 ● अंक: 89 ● नई दिल्ली ● वीरवार 18 नवम्बर 2021 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

मो. 08750202102

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

लुधियाना में सड़क हादसों में एक युवक की मौत, किशोरी की टांग टूटी

लुधियाना। लुधियाना में दो जगहों पर हुए सड़क हादसों के बीच एक में युवक की मौत हो गई। जबकि दूसरी जगह युवती की टांग टूट गई। संबंधित थानों की पुलिस ने आरोपित वाहन चालकों पर केस दर्ज करके उनकी तलाश शुरू की है। कोहाड़ा रोड पर बेकाबू हुई तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल सवार युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में घायल हुए युवक की इलाज के दौरान पीजीआई अस्पताल चंडीगढ़ में मौत हो गई। अब थाना कूमकलां पुलिस ने आई 20 कार नंबर पीबी 10 डीएम 1800 के अज्ञात चालक पर केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू कर दी है। एएसआई बलदेव सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान गांव राइयां निवासी 24 वर्षीय मोहम्मद अकबर तोमर के रूप में हुई। पुलिस ने उसके पिता मोहम्मद शकील के बयान पर उक्त केस दर्ज किया। अपने बयान में उसने बताया कि 14 नवंबर को अकबर अपने दोस्त के साथ कोहाड़ा से सामान लेने के लिए जा रहा था।

आतंक पर प्रहार | कुलगाम में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी

टीआरएफ कमांडर समेत पांच आतंकी ढेर

जम्मू । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार शाम सुरक्षा बलों ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो अलग-अलग मुठभेड़ों में पांच आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकियों में लश्कर के सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) का कमांडर असफाक अहमद बताया जा रहा है। अन्य आतंकियों की शिनाख्त की जा रही है। दोनों स्थानों पर अभी मुठभेड़ चल रही है।

कश्मीर के आईजी विजय कुमार ने बताया कि सुरक्षाबलों को बुधवार को सूचना मिली थी कि कुलगाम जिले के पोम्मबई और गोपालपोरा गांवों में कुछ आतंकी मौजूद हैं। इसके बाद दोनों स्थानों पर

सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। इसी दौरान छिपे हुए आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पांच आतंकी मारे गए। इसमें एक आतंकी की शिनाख्त टीआरएफ कमांडर असफाक अहमद के रूप में हुई है। अन्य की शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है। समाचार लिखे जाने तक दोनों स्थानों पर

जम्मू कश्मीर में आतंकियों के खात्मे के लिए सुरक्षाबलों ने बड़े स्तर पर ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं। बुधवार को कुलगाम के पोंबे और गोपालपोरा में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया था, जिसमें पांच आतंकी ढेर कर दिए गए हैं।

ऑपरेशन जारी है। इससे पहले सोमवार को श्रीनगर के हैदरपोरा में सुरक्षाबलों ने एक पाकिस्तानी आतंकी बिलाल उर्फ हैदर को उसके स्थानीय साथी के साथ मार गिराया था।

लोगों को मुठभेड़ स्थल से दूर रहने की सलाह

आम लोगों को घटनास्थल के आसपास न जाने को कहा गया है। वहां विस्फोटक पड़े हो सकते हैं जिससे आम आदमी की जिंदगी को खतरा हो सकता है।

नवंबर में अब तक दस आतंकी मारे गए

11 नवंबर को कुलगाम में टीआरएफ के दो आतंकी मारे गए। श्रीनगर के बेमिना में एक मुजाहिदीन गजवातुल हिंद का कमांडर मारा गया। 15 नवंबर को श्रीनगर के हैदरपोरा में दो आंतकी मुठभेड़ में मारे गए। 17 नवंबर को कुलगाम में एक टीआरएफ कमांडर समेत पांच आतंकी मारे गए।

मानहानि केस: समीर वानखेड़े के खिलाफ और सबूत देना चाहते हैं नवाब मलिक, पहुंचे बॉम्बे हाई कोर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के पिता द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे के संबंध में बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। समीर वानखेड़े के पिता ध्यानदेव कचरूजी वानखेड़े ने नवाब मलिक के खिलाफ कथित तौर पर उनके परिवार को बदनाम करने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था। नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े पर सरकारी नौकरी पाने के लिए उनके जाति प्रमाण पत्र में फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया था। बॉम्बे हाई कोर्ट में जस्टिस माधव जामदार की बेंच के सामने पिछले हफ्ते मानहानि के मुकदमे पर लंबी बहस हुई। 12 नवंबर को सुनवाई के बाद, पीठ ने अंतरिम चरण में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था, जहां वानखेड़े मलिक के खिलाफ निषेधाज्ञा की मांग कर रहे हैं। चूंकि आदेश पहले से ही सुरक्षित है, नवाब मलिक के वकील तकनीकी रूप से न्यायाधीश से विशेष अनुमति के बिना हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल नहीं कर पाएंगे। नवाब मलिक के वकीलों ने बंबई उच्च न्यायालय में यह उम्मीद जतायी है कि गुरुवार को न्यायमूर्ति जामदार उन पर सुनवाई करेंगे। उन्होंने वानखेड़े के वकीलों को भी सूचित किया कि उन्हें गुरुवार दोपहर 2.15 बजे न्यायमूर्ति जामदार के कक्ष में उपस्थित होना है। समीर वानखेड़े के वकील इस स्तर पर किसी भी अतिरिक्त दस्तावेज को दाखिल करने का विरोध कर सकते हैं। आपको बता दें कि मुकदमे में दलीलें तीन घंटे से अधिक समय तक सुनी जा चुकी हैं और आदेश सुरक्षित है। अतिरिक्त हलफनामा समीर वानखेड़े के कुछ दस्तावेजों से संबंधित है जो नवाब मलिक अपने मामले को साबित करने के लिए जोड़ना चाहते हैं।ध्यानदेव ने वानखेड़े परिवार के खिलाफ इस जुबानी हमले को अंजाम देने के लिए नवाब मलिक से 1.25 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग भी की है। समीर वानखेड़े मुंबई क्रूज ड्रग्स बस्ट मामले में बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन के खिलाफ मामले की अगुवाई करने के बाद से सुर्खियों में हैं।

महबूबा मुफ्ती को फिर किया गया नजरबंद, हैदरपुरा एनकाउंटर के खिलाफ किया था प्रदर्शन

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को अगले आदेश तक घर पर नजरबंद कर दिया गया है। महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को सुरक्षा बलों की ओर से कथित तौर नागरिकों की हत्या के खिलाफ जम्मू में एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, जिसके बाद उनके घर पर नजरबंद बंद कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मुफ्ती को उनके घर पर ही नजरंबद रखा गया है। जम्मू में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए महबूबा मुफ्ती ने मृतकों के शव उनके परिजनों को सौंपने की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम (अफस्पा) लागू हुआ है, निर्दोषों की हत्याओं के लिए कोई जवाबदेही नहीं है। बता दें कि घाटी में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सोमवार शाम सुरक्षा बलों की मुठभेड़ में दो नागरिकों सहित चार लोग मारे गए। महबूबा ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ पार्टी के गांधीनगर स्थित मुख्यालय में प्रदर्शन किया।

उनके हाथ में पोस्टर था जिस पर लिखा था, हमें मारना बंद करो, हैदरपुरा मामले की जांच करो और शव परिवारों को सौंपे जाएं। हालांकि, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को मुख्य मार्ग की ओर बढ़ने से रोक लिया। विरोध प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा था कि मारे गए नागरिकों के परिवार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं उनके शवों को सौंपने की मांग कर रहे हैं। मुफ्ती ने आगे कहा यह क्रूर सरकार लोगों को मार कर शव भी नहीं सौंप रही है। वे (भाजपा) गांधी, नेहरू और अंबेडकर के इस देश को गोडसे के देश में बदलना चाहते हैं। इसके अलावा मैं क्या कह सकता हूं?

सीएम ने की घोषणा : सूई में वन प्रोडक्ट, वन ब्लॉक के तहत 50 एकड़ में बनाएंगे औद्योगिक कलस्टर

भिवानी (हरियाणा) । मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सूई गांव में वन प्रोडक्ट-वन ब्लॉक के तहत 50 एकड़ में छोटे उद्योगों का एक कलस्टर बनाया जाएगा। अगर एक गांव में जमीन उपलब्ध नहीं हुई तो दो गांवों को मिलाकर यह प्रोजेक्ट पूरा किया जाएगा। गांव में बॉक्सिंग और एथलेटिक्स एकेडमी बनाई जाएंगी। सूई से दांग गांव तक 5 करम के रास्ते पर मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से सड़क बनाई जाएगी। गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए प्रोजेक्ट बनाया जाएगा। भिवानी से सूई की ओर आने वाले गंदे पानी को रोका जाएगा। सीवर के पानी को शोधित करने के लिए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल बुधवार को हरियाणा के भिवानी जिले में गांव सूई में स्वप्रेरित आदर्श ग्राम योजना के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति के आगमन से पहले ग्रामीणों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वप्रेरित आदर्श ग्राम योजना के तहत गांव सुई

में झील, पार्क, ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, सड़कें, गलियां व राजकीय स्कूल को नया स्वरूप मिला है।

ग्रामीणों की ओर से रखी जा रही सभी मांगों को पूरा करवाएंगे। वन प्रोडक्ट-वन ब्लॉक के तहत 50 एकड़ में छोटे-छोटे उद्योगों का एक कलस्टर बनाया जाएगा। जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। गांव में स्पोर्ट्स के प्रति युवाओं की रुचि को देखते हुए स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट के लिए संभावनाएं तलाशी जाएंगी। सूई से दांग गांव तक 5 करम के रास्ते पर मार्केटिंग बोर्ड के माध्यम से सड़क बनाई जाएगी। गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए प्रोजेक्ट बनाया जाएगा। भिवानी शहर के गंदे पानी को गांव में आने से रोकने के लिए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाया जाएगा, ताकि गांव में स्वच्छ पानी आ सके। सीएम ने कहा कि सांसद धर्मबीर सिंह की ओर से रखी गई मांग के तहत निगाना व दांग फीडर पर जरूरत अनुसार कार्य करवाया जाएगा।

140 खंडों में लघु उद्योग स्थापित होंगे : दुष्यंत

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 140 खंडों में वन ब्लॉक वन प्रोडक्ट योजना के तहत लघु उद्योग स्थापित किए जाएंगे। सूई गांव में भी इस योजना के तहत एक लघु उद्योग स्थापित कराया जाए। वन स्टॉप, वन सेंटर इस गांव में बनाया जाए तो प्रदेश सरकार की ओर से 85 प्रतिशत आर्थिक सहयोग देंगे। जिससे इस गांव में बनने वाले उत्पाद अमेजन, फ्लिपकार्ट विदेशों में भी बेच सकें। आदर्श गांव को और आगे ले जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गांव में बॉक्सिंग, एथलेटिक्स एकेडमी बनाई जाएंगी, सूई से दांग तक 5 करम का रास्ता पक्का किया जाएगा। गांव में पेयजल के लिए प्रोजेक्ट बनाया जाएगा, भिवानी से आने वाले गंदे पानी के लिए एसटीपी बनेगा।

मथुरा में मंदिर से सटे मस्जिद में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करने का ऐलान, हिंदू महासभा ने तारीख भी बताई

नई दिल्ली । अखिल भारत हिंदू महासभा ने ऐलान किया है कि वो मथुरा के मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति उन्हें जन्म के असली जगह पर लगाएगी। महासभा की तरफ से कहा गया है कि भगवान कृष्ण का असली जन्मस्थान मशहूर मंदिर से सटा मस्जिद है। हिंदू महासभा की नेता राज्यश्री चौधरी ने कहा कि मूर्ति महा जलाभिषेक के बाद मूर्ति स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि 6 दिसंबर को शुद्धता के बाद इस स्थान पर मूर्ति स्थापित की जाएगी। हिंदू महासभा ने मूर्ति स्थापित करने की जो तारीख चुनी है उसी दिन साल 1992 में अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया था। महासभा ने शाही ईदगाह के अंदर अनुष्ठान करने की धमकी दी है।राज्यश्री चौधरी ने हालांकि साल 1992 में अयोध्या में हुए बाबरी विध्वंस और मथुरा में मूर्ति स्थापित करने की तारीख को सोच-समझ कर रखने की बात से इनकार किया है। राज्यश्री चौधरी ने कहा कि महा-जलाभिषेक के लिए पवित्र नदियों से जल लाया जाएगा। चौधरी ने कहा कि हमें अब तक राजनीतिक आजादी मिली है। लेकिन धार्मिक, आर्थिक और सांस्कृतिक आजादी अभी तक नहीं मिली है।

किसान संकट का हल निकालना होगा नहीं तो चुनाव के दौरान गांव में एंट्री नहीं देंगे लोग : अमरिंदर सिंह

चढीगड। पंजाब में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। ऐसे में राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर से इसकी तैयारी भी शुरू कर चुके हैं। वर्तमान में देखें तो पंजाब में सबसे बड़ा मुद्दा केंद्र सरकार द्वारा लाए गए तीन कृषि कानूनों का है। इन तीन कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब में किसान लगातार विरोध कर रहे हैं। इसी को लेकर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने बड़ा बयान दिया है। अमरिंदर सिंह ने साफ तौर पर कहा कि केंद्र सरकार को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेना

होगा। उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों के विरोध में 1 साल से ज्यादा वक्त हो चुका है इस समस्या का समाधान किया जाना चाहिए। अमरिंदर ने कहा कि अगर इस समस्या का समाधान नहीं निकाला गया तो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए गांव वाले राजनीतिक दलों को प्रचार करने की अनुमति नहीं देंगे। प्रतिष्ठित अखबार इंडियन एक्सप्रेस के एक कार्यक्रम में बोलते हुए दिग्गज नेता ने कहा कि किसान संकट का हल भारत की सरकार को निकालना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अगर इसका हल निकाला नहीं गया तो पंजाब में अशांति बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि उन्हें संदेह है कि कृषि आंदोलन राष्ट्र विरोधी तत्वों को एक मंच प्रदान कर सकता है। अमरिंदर ने कहा कि पंजाब शांत प्रदेश है। यहां कोई आतंकी रिक्रूट नहीं है। यह रिक्रूट कहां से आएंगे, आंदोलन से आएंगे। इसलिए इस मुद्दे को समाप्त करना होगा और पाकिस्तान से आ रहे ड्रोनों पर भी ध्यान रखना होगा। पंजाब में बीएसएफ के क्षेत्राधिकार को बढ़ाने को लेकर भले ही वहां के सरकार केंद्र सरकार पर सवाल उठा रही है। लेकिन अमरिंदर ने क्षेत्राधिकार को बढ़ाने की जरूरत बताई।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में एक ड्रोन पंजाब की सीमा क्षेत्र के 31 किलोमीटर अंदर तक घुस आया था जो कि बीएसएफ के वी क्षेत्राधिकार से बाहर था।

वीर दास को सिब्बल और थरूर ने बताया सही तो भड़के सिंघवी

नई दिल्ली । अपनी एक कविता के चलते भारत के अपमान का आरोप झेल रहे कॉमेडियन वीर दास पर भी कांग्रेस बंटी हुई नजर आ रही है। एक तरफ कांग्रेस नेता शशि थरूर और कपिल सिब्बल ने वीर दास का बचाव किया है तो वहीं सीनियर नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने उनकी हरकत को भारत का अपमान करने वाला बताया है। वीर दास ने अपनी एक कविता में कहा था कि भारत का दोहरा चत्रित्र है। मैं एक ऐसे देश से आता हूं, जहां दिन में औरतों की पूजा की जा ती है और रात में उनसे गैंगरेप किया जाता है। वीर दास की इस टिप्पणी को लेकर उठे बवाल के बीच कपिल सिब्बल ने ट्वीट किया, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि यहां दो भारत हैं। लेकिन हम यह नहीं चाहते कि भारतीय के तौर पर इसे दुनिया को बताएं। हम असहिष्णु और पाखंडी हैं। इससे पहले मंगलवार की रात को ही

शशि थरूर ने वीर दास का समर्थन किया था। उन्होंने लिखा था कि वीर दास सही मायनों में स्टैंडअप कॉमेडियन हैं। शशि थरूर ने लिखा था कि वीर दास जानते हैं कि स्टैंडअप का अर्थ सिर्फ फिजिकल तौर पर खड़ा होना नहीं है बल्कि मोरल तौर पर भी खड़े होने से है। थरूर ने कहा कि वीर दास ने 6 मिनट की अपनी कविता में लाखों लोगों की बात कही है। थरूर ने उस शख्स को टैग करते हुए यह बात लिखी थी, जिसने कहा था कि उसने वीर दास के खिलाफ मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शशि थरूर ने लिखा कि हम जानते हैं कि यह भारत कहां से आता है। हालांकि सिब्बल और थरूर के उलट अभिषेक मनु सिंघवी ने वीर दास का तीखा विरोध किया है। उन्होंने लिखा कि कुछ लोगों की बुराई को सबके के साथ जोड़ना और दुनिया के आगे भारत को बदनाम करना अच्छी बात नहीं है। राज्य सभा सांसद ने कहा कि पश्चिमी दुनिया के सामने भारत को सपेरों और लुटेरों का देश घोषित करने वाले लोगों की आज भी कमी नहीं है। फिलहाल अमेरिका में मौजूद वीर दास ने सोमवार को एक वीडियो यूट्यूब पर अपलोड किया था। 6 मिनट के इस वीडियो में वीर दास ने टू इंडियाज शीर्षक से एक कविता पढ़ी थी। यह कविता वीर दास ने अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित जॉन एफ. केनेडी सेंटर में पढ़ी थी।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस को झटका, गुलाम नबी आजाद कैंप के 10 से ज्यादा नेताओं का इस्तीफा

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों की अटकलों के बीच गुलाम नबी आजाद के खास कांग्रेस नेताओं ने पार्टी के कई अहम पदों से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने मौजूदा पीसीसी अध्यक्ष के खिलाफ

विद्रोह का झंडा उठाया है. जबकि कांग्रेस नेताओं ने इसे आंतरिक पार्टी की राजनीति के रूप में खारिज कर दिया है. अटकलें हैं कि पार्टी के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद और तारा चंद भी पार्टी का दामन छोड़ सकते हैं और एक नई क्षेत्रीय पार्टी बना सकते हैं. नेताओं ने वर्तमान यूटी पार्टी के अध्यक्ष गुलाम अहमद मीर के खिलाफ गंभीर सवाल उठाए, उनकी प्रतिष्ठा को दागी बताया. कश्मीर में कुख्यात सेक्स स्कैंडल में शामिल होने के आरोप में मीर 2005 में 12 महीने जेल में काट चुका है. जम्मू के साथ-साथ कश्मीर घाटी के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के अनुसार, पूर्व मंत्रियों और विधायकों ने जम्मू-कश्मीर में पार्टी के मामलों के बारे में सुनने का अवसर नहीं देने के विरोध में सभी पदों से अपना संयुक्त इस्तीफा सौंप दिया. इस्तीफे को एआईसीसी अध्यक्ष सोनिया गांधी को

संबोधित किया गया है और उसी की कॉपी राहुल गांधी के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के एआईसीसी प्रभारी सचिव रजनी पाटिल को भी भेजी गई है. जिन प्रमुख लोगों ने इस्तीफा सौंपा है, उनमें जीएम सरूरी, जुगल किशोर शर्मा, विकार रसूल, डॉ मनोहर लाल शर्मा, गुलाम नबी मोंगा, नरेश गुप्ता, सुभाष गुप्ता, अमीन भट, अनवर भट, इनायत अली और अन्य शामिल हैं. पूर्व उपमुख्यमंत्री तारा चंद को छोड़कर, जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस में लगभग सभी आज़ाद वफादारों ने पार्टी के पदों से अपना इस्तीफा सौंप दिया है. सूत्रों ने बताया कि त्याग पत्र में इन नेताओं ने आरोप लगाया है कि गुलाम अहमद मीर की अध्यक्षता में कांग्रेस विनाशकारी स्थिति की ओर बढ़ रही है और आज तक पूर्व मंत्री, विधायक, एमएलसी, पीसीसी पदाधिकारियों सहित कांग्रेस के लगभग 200 से अधिक शीर्ष नेता, जिलाध्यक्षों और एआईसीसी सदस्यों ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है और अन्य दलों में शामिल हो गए हैं, जबकि उनमें से कुछ ने मौन मोड में रहने का विकल्प चुना है. आज़ाद के इन वफादारों ने आगे आरोप लगाया कि कुछ बेईमान चापलूसों ने पीसीसी के कामकाज पर कब्जा कर लिया है और हाईजैक कर लिया है. वरिष्ठ नेताओं और जिलों के मौजूदा विधायकों / एमएलसी के परामर्श के बिना पार्टी पदों को बांटा गया था. यह बताते हुए कि एक के बाद एक सभी चुनाव, लोकसभा, डीडीसी, बीडीसी, पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव हुए. कांग्रेस हार गई और जम्मू-कश्मीर में एक भी परिषद नहीं बना सकी. इन नेताओं ने पार्टी आलाकमान को याद दिलाया है कि जीए मीर भी लोकसभा चुनाव में हार गए थे. उनके बेटे को भी मात मिली थी. विद्रोही नेताओं ने दावा किया है कि उन्होंने बार-बार पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को इस सब से अवगत कराने और प्रदेश कांग्रेस के कामकाज में पूर्वव्यापीकरण के लिए प्रयास किया, लेकिन उन्हें कोई समय नहीं दिया गया. विद्रोहियों ने समझाया कि पार्टी बिल्कुल कम हो गई है और प्रत्येक बीतते दिन राजनीतिक स्थान सिकुड़ रहा है. दूसरी ओर, उन्होंने कहा, चुनावों की घोषणा किसी भी समय की जा सकती है और जीए मीर द्वारा प्रबंधित डिजिटल तंत्र के माध्यम से प्रदर्शित इस तरह के ढह गए और किराए के ढांचे में, अन्य लोग उस खाली जगह पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं .

तरनतारन के पट्टी में दो गुट भिड़े

गोलियों से थर्राया पूरा इलाका, दो युवक की मौत, एक अस्पताल में भर्ती

तरनतारन (पंजाब) । तरनतारन के कस्बा पट्टी में दो गुटों में गोली चलने से दो युवकों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर है। घायल को अमृतसर के निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया। थाना सिटी पट्टी की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्जकर जांच शुरू कर दी है। कस्बा पट्टी के बाहर सरहाली चुंगी के पास देर शाम दो गुटों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। कुछ ही देर में विवाद इतना बढ़ गया कि वहां मौजूद युवकों ने पिस्तौलें निकाल लीं और गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान तीन लोगों को गोली लगी। घायलों को संधू अस्पताल पहुंचाया गया।

चेहरे और पेट में लगीं दो-दो गोलियां

वारदात के बाद तीन लोगों को पट्टी के संधू अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया और तीसरे को अमृतसर रेफर कर दिया। मृतकों की पहचान जगदीप सिंह मन्ना (28) निवासी पट्टी और अनमोल सिंह (26) निवासी बुर्ज रायके के तौर पर हुई।

NHM कर्मियों को दोबारा नौकरी देने से चंडीगढ़ प्रशासन का इन्कार, 20 दिन से कर्मचारियों का प्रदर्शन जारी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्वास्थ्य विभाग ने 178 नेशनल हेल्थ मिशन कर्मचारियों को बीते 28 अक्टूबर को नौकरी से निकाल दिया था। तब से यह एनएचएम कर्मचारी उन्हें दोबारा नौकरी पर रखे जाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। सेक्टर-16 स्थित जीएमएसएच के बाहर कर्मचारी अपना विरोध प्रदर्शन करने के लिए रोजाना सुबह से शाम तक बैठे रहते हैं। लगभग 20 दिन से प्रदर्शन के बावजूद प्रशासन ने अब तक उनकी मांगे नहीं सुनी है। वहीं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि एनएचएम कर्मचारियों को दोबारा नौकरी पर नहीं रखा जाएगा। क्योंकि नौकरी पर रखते समय निकाले गए एनएचएम कर्मचारियों को यह बता दिया गया था कि यह रेगुलर पोस्ट नहीं है और कोरोना महामारी के चलते इन कर्मचारियों को भर्ती किया गया था। वही कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने महामारी के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर संक्रमित मरीजों का इलाज किया। यहां तक की संक्रमण की चपेट में आने के बावजूद उन्होंने दोबारा कोविड-19 ड्यूटी की। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बीते 26 जनवरी और 15 अगस्त को एनएचएम कर्मचारियों को महामारी के दौरान उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। बावजूद प्रशासन ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया। इस संदर्भ में एनएचएम कर्मचारी संघ की प्रधान ने प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित, एडवाइजर धर्मपाल, स्वास्थ्य सचिव यशपाल गर्ग के अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को भी चिट्ठी लिख उन्हें नौकरी पर दोबारा रखे जाने की मांग की है। एनएचएम कर्मचारियों को नौकरी से निकालने पर अस्पतालों का बुरा हाल 178 एनएचएम कर्मचारियों को नौकरी से निकालने पर शहर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों के इलाज को लेकर व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। इन दिनों शहर के अस्पतालों में डेंगू के मरीज सबसे ज्यादा भर्ती हैं। रोजाना 20 से ज्यादा डेंगू के नए मरीज मिल रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मचारियों की कमी के कारण अस्पतालों में व्यवस्था ठप हो गई है। मरीजों के सही से देखभाल और समय पर इलाज मुहैया नहीं हो रहा है। यहां तक की मरीजों को इंजेक्शन या ग्लूकोज तक चढ़ाने वाले एनएचएम कर्मचारियों की शॉर्टेज चल रही है।

तीन लेयर का सुरक्षा कवच देगा राम नाथ कोविंद का पहरा, जानें क्या है व्यवस्था

भिवानी। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के आगमन पर भिवानी के गांव सूई में प्रशासन व ग्रामीणों ने पलखपखवाड़े पिछाएं हुए हैं तो सुरक्षा के लिए वीवीआइपी प्रबंध कर दिए गए हैं। राष्ट्रपति की तीन लेयर सुरक्षा का कवच रहेगा। चार लाइन आर्डर नाके रहेंगे। जिला पुलिस के 1400 पुलिस कर्मी तो रोहतक व हिसार रेंज से पांच सौ अतिरिक्त पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए आसमान से लेकर जमीन तक परिंदा भी पर ना मार पाए इसके पूरे प्रबंध का मैप तैयार कर सुरक्षा एजेंसी तैनात कर दी गई हैं। हरियाणा के डीजीपी, पांच आइजी, पांच एसपी 18 डीएसपी खुद सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी करेंगे। सूई गांव में प्रवेश से लेकर कार्यक्रम स्थल तक वीआइपी सुरक्षा रहेगी। गांव सूई में 17 नवंबर को राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के आगमन पर तीन लेयर सुरक्षा कवच हरियाणा पुलिस ने तैयार किया है। इसके लिए गांव के चारों तरफ लाइन आर्डर के चार विशेष नाके रहेंगे। जहां से प्रत्येक व्यक्ति यहां तक मेहमान तक को गांव में प्रवेश के लिए विशेष जांच से गुजरना पड़ेगा। राष्ट्रपति की सुरक्षा में प्रथम लेयर में लाइन आर्डर नाके, दूसरी लेयर में एसीपीटी सुरक्षा व तीसरी ब्लैक कमांडों सुरक्षा व अन्य विशेष सुरक्षा प्रबंध रहेंगे। पांच बम निरोधक दस्तों के 50 सदस्यों की टीम तैनात सुरक्षा के लिए गांव में 48 घंटे पहले ही हिसार, रोहतक रेंज के पांच स्पेशल बम निरोधक दस्तों के 50 सदस्यों की टीम तैनात कर दी गई हैं। ये टीम हेली पेड, कार्यक्रम स्थल का मुख्य रूप से निरीक्षण करने में जुटी हुई हैं। - वीआइपी सुरक्षा के लिए विशेष रूप से सुरक्षा करने वाले केयूआर दस्ते को भी लगाया गया हैं। ये दस्ता पूरी तरह से मुस्तैदी से तैनात कर दिया गया हैं। डाग स्क्वायड के दो दस्ते तैनात गांव सूई में हिसार व रोहतक रेंज के डाग स्क्वायड टीम के दो दस्ते मोर्चा संभाल रहें हैं। इनमें प्रथम दस्ते में शामिल डाग विस्फोटक सामग्री की खोजने में लगे हैं। जबकि दूसरा दस्ता अन्य हथियारों की खोजबीन करने में एक्सपर्ट बताया जा रहा हैं।

जींद यूनिवर्सिटी में बीएड दाखिले के लिए अंतिम तिथि 30 नवंबर, जानिए पूरा शेड्यूल

जींद। जींद के चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अधीन आने वाले बीएड कालेजों में दाखिले के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया चल रही है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर है। अब तक बीएड प्रथम वर्ष की 16650 सीटों पर दाखिले के लिए 583 विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। आवेदन प्रक्रिया 11 नवंबर को शुरू हुई थी, ऐसे में कहा जा सकता है कि आवेदन प्रक्रिया धीमी चल रही है। विश्वविद्यालय प्रबंधन का कहना है कि जैसे-जैसे आवेदन की अंतिम तिथि नजदीक आएगी, आवेदन प्रक्रिया में तेजी आएगी। आवेदन करने के इच्छुक विद्यार्थियों को हिदायत दी गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बगैर आनलाइन आवेदन कर दें। ताकि बाद में आवेदन संबंधी किसी तरह की दिक्कत ना आए। चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अधीन जींद, हिसार, पानीपत, सोनीपत, फरीदाबाद, पलवल, महेंद्रगढ़, चरखी दादरी के कुल 132 कालेज आते हैं। 30 नवंबर तक आनलाइन आवेदन होंगे। उसके बाद आवेदक एक से तीन दिसंबर तक अपने आवेदन में कोई खामी है, तो उसमें सुधार कर सकेंगे। 11 दिसंबर को पहली मेरिट लिस्ट जारी होगी। इन कोर्स में भी चल रही आवेदन प्रक्रिया बीएड के साथ-साथ बीपीएड (बैचलर आफ फिजिकल एजुकेशन), बीपीईएस (बैचलर आफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंस), डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशन में भी दाखिले के लिए 30 नवंबर तक विद्यार्थी आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशन में 250 सीटों पर दाखिले के लिए 32 विद्यार्थी आवेदन कर चुके हैं। बीपीएड की 200 सीट हैं, मंगलवार देर शाम तक चार विद्यार्थी आवेदन कर चुके थे। बैचलर आफ एलिमेंट्री एजुकेशन में आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 नवंबर थी। इसमें 100 सीट पर दाखिले के लिए 19 आवेदन ही आए हैं। इसी तरह बीएससी बीएड, बीए बीएड में भी आवेदन की अंतिम तिथि 16 नवंबर है। इनमें भी निर्धारित सीट से काफी कम आवेदन आए हैं।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें, कहीं छोटी से गलती से छूट न जाए ट्रेन, रेलवे ने किया बड़ा बदलाव

जालंधर। अगर अब ट्रेन में सफर करने जा रहे हैं तो रेलवे की ओर से किए गए बड़े बदलाव को ध्यान में रखें। अन्यथा जरा सी असावधानी में आपकी ट्रेन छूट सकती है। इसलिए, ये खबर आपके लिए खास है। खबर ये है कि अब रेलवे की तरफ से चलाई जाने वाली सभी ट्रेनों के नंबरों से शुरुआती शून्य गायब हो जाएगा। जी हां, रेलवे की तरफ से कोविड-19 काल से ट्रेन नंबरों के आगे शून्य लगा दिया गया था। जिसका मतलब होता है कि स्पेशल ट्रेन। अब उसी शून्य अंक को ट्रेन नंबर के आगे से हटाकर उन्हें रूटीन के यानी कि पहले वाले नंबरों के हिसाब से चलाया जाएगा। इसे लेकर रेलवे की तरफ से तैयारी की जा रही है और ट्रेनों के नंबरों को भी बदला जा रहा है। ऐसे में यात्रियों को सचेत करने के लिए भी निरंतर रेलवे स्टेशनों पर अनाउंसमेंट करने के भी आदेश जारी हो गए हैं ताकि यात्रियों को इस संबंधी जानकारी मिलती रहे और इस वजह से उन्हें किसी प्रकार की दिक्कत न आए। कोविड काल में चलाई थी स्पेशल ट्रेनें बता दें कि रेलवे की तरफ से कोविड-19 काल में रूटीन की ट्रेनों को स्पेशल बनाकर चलाया गया था, जिनमें से जनरल कोच को भी हटा दिया गया था। यात्री केवक रिजर्वेशन से ही सफर कर सकते हैं, मगर अब सभी ट्रेनों से शून्य को हटाकर उनके वापिस नंबर दिए जा रहे हैं, बता दें कि एक महीना पहले 765 ट्रेनों से शून्य को हटा दिया गया था और अब सभी ट्रेनों से इनको हटाने के आदेश आ गए हैं। जिस वजह से अब इन ट्रेनों के साथ जनरल डिब्बों के भी जोड़ दिया जाएगा और करंट बुकिंग भी शुरू हो जाएगी।

दिल्ली मेट्रो में सफर करने वालों को मिलने जा रही बड़ी राहत! सरकार ने डीडीएमए को भेजा ये प्रस्ताव

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए मेट्रो और बसों में खड़े होकर यात्रा करने की दिल्ली सरकार ने अनुमति मांगी है। इस बाबत दिल्ली सरकार ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के पास मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा है। परिवहन व राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा है कि प्रदूषण की समस्या को देखते हुए इस बारे में विचार किया गया है। उन्होंने कहा कि अभी मेट्रो और बसों में जितनी सीटें उतनी ही सवारियों को बिठाने की इजाजत है। ऐसे में अगर खड़े होकर सफर की मंजूरी मिलती है तो ज्यादा लोगों को बसों व मेट्रो से यात्रा करने का विकल्प मिलेगा। इस बारे में सरकार के स्तर पर बैठक हो चुकी है। बैठक में मेट्रो और बसों में खड़े होकर सफर करने की इजाजत मांगने का प्रस्ताव डीडीएमए को भेजने पर सहमति बनी है। बता दें कि अभी मेट्रो- बसों में खड़े होकर सफर करने की इजाजत नहीं है। डीडीएमए ने सोमवार यानी 15 नवंबर को जारी अपने आदेश में मेट्रो और बसों में खड़े होकर सफर करने की इजाजत नहीं दी थी। अभी मेट्रो व बसों में जितनी सीटें, उतनी सवारी के सफर करने का नियम लागू रहेगा। डीडीएमए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मेट्रो और बसों में खड़े होकर सफर करने की इजाजत मांगने के

प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है। सोमवार के आदेश के अनुसार कोरोना के दौरान राजधानी में डीडीएमए द्वारा लागू छूट व प्रतिबंध पहले की तरह जारी रहेंगे। डीडीएमए के जारी आदेश के तहत छूट व प्रतिबंधित गतिविधियों की समय सीमा को बढ़ाते हुए अब 30 नवंबर तक के लिए कर दिया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि प्रतिबंधित गतिविधियों के संबंध में कोई नया आदेश 30 नवंबर से पहले आता है तो अंतत- वही लागू माना जाएगा। कोरोना के तहत शादी-विवाह, अन्य कार्यक्रमों व कुछ गतिविधियों को लेकर समय-समय पर डीडीएमए ने गत दिनों कुछ निर्देश जारी किए हैं। जारी किए गए आदेशों के तहत अब उन निर्देशों की अवधि बढ़ाई गई है।

दिल्ली में नहीं मिलेगी बाहरी वाहनों को एंट्री, पढ़िये आप सरकार के 5 बड़े फैसले

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण गंभीर श्रेणी में बना हुआ है। इस बीच दिल्ली पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने जानकारी दी है कि हमने आवश्यक सेवाओं में शामिल वाहनों को छोड़कर दिल्ली में सभी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के भी निर्देश दिए हैं। गोपाल राय ने यह भी बताया है कि सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाने के लिए बुधवार से 1,000 निजी डीटीसी बसों को खरीदने की प्रक्रिया शुरू होगी। मेट्रो और डीटीसी की तरफ़ से डीडीएमए को यात्रियों को खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति के संबंध में पत्र लिखा गया है। पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों पर होगी कार्रवाई-उन्होंने यह भी बताया कि दिल्ली के अंदर 10 साल पुरानी डीज़ल और 15 साल पुरानी पेट्रोल की गाड़ियों की सूची यातायत विभाग की तरफ से पुलिस को दी गई है, जिसको लेकर वह कार्रवाई शुरू करेंगे। पीयूसी को लेकर अभियान होगा सख्त-दिल्ली में पेट्रोल पंपों पर जो क्ष्ट अभियान चल रहा है उसको और सख्त किया जाएगा। इसके तहत अगर कोई वाहन चालक बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के पाया जाता है तो उस पर 10,000 रुपये के चालान का प्रावधान है। 21 नवंबर तक लगी निर्माण कार्यों पर रोक-दिल्ली में 21 नवंबर तक निर्माण कार्य पर रोक रहेगी। बताया जा रहा है कि निर्माण कार्यों के चलते दिल्ली-एनसीआर में धूप के कण वायु प्रदूषण में इजाफा करते हैं। ऐसे में निर्माण गतिविधियों पर रोक को आगामी 21 नवंबर तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। 10 फीसद होगा वर्क फ्राम होम-सरकारी विभागों के लिए 21 नवंबर तक शत-प्रतिशत वर्क फ्राम होम जारी रहेगा। स्कूल-कालेज अगले आदेश तक बंद रहेगा। 13 हाट स्पाट पर लगेंगीं फायर ब्रिगेड की वाटर मशीनें-गोपाल राय ने जानकारी दी है कि दिल्ली में अभी 372 वाटर स्प्रिंकलिंग टैंक चल रहे हैं। पानी का अधिक छिड़काव सुनिश्चित करने के लिए 13 हाट स्पाट पर फायर ब्रिगेड की वाटर मशीनें लगाई जाएंगी। उद्योगों में केवल गैस के उपयोग की अनुमति होगी, प्रदूषित ईंधन का उपयोग करते पाए जाने पर होगी कार्रवाई। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में पर्यावरण विभाग, लोक निर्माण विभाग, पुलिस, यातायात पुलिस, एमसीडी के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं, इससे पहले पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की बैठक में एनसीआर में भी वर्क फ्राम होम नीति लागू करने और उद्योगों को बंद करने

महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने एनसीडब्ल्यूईबी को सराहा, कहा- शिक्षा ने दिए लड़कियों के सशक्तीकरण को पंख

नई दिल्ली। नान कालेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड के प्रति छात्राओं का रुझान बढ़ा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, एनसीडब्ल्यूईबी के तहत तकरीबन 9000 छात्राओं ने पीडीपी कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। इसकी कक्षाएं आनलाइन मोड के तहत आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने गैर-कालेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड की छात्राओं के लिए क्षमता निर्माण और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि महिलाएं देश की लगभग आधी आबादी हैं। ऐसे में उनका शिक्षा के जरिये सशक्तीकरण देश को विकास के पथ पर ले जाने के लिए बहुत जरूरी है। रेखा शर्मा ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग का ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समर्थन

देने का मकसद छात्राओं को एक मंच प्रदान करना भी है। इस मंच के जरिये छात्राएं बोलने के साथ कार्य करने का कौशल और डिजिटल उपकरण भी सीख सकती हैं। उधर, स्थायी समिति के अध्यक्ष, एनसीडब्ल्यूईबी और दिल्ली विश्वविद्यालय के कालेजों के डीन प्रो. बलराम पाणि ने कहा कि इस तरह के व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम विशेष रूप से एनसीडब्ल्यूईबी की छात्रओं के लिए नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाने चाहिए। डीयू में पढ़ रही एनसीडब्ल्यूईबी से जुड़ी 30,000 से अधिक छात्राएं-वहीं, एनसीडब्ल्यूईबी की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने कहा कि बड़ी संख्या में एनसीडब्ल्यूईबी की छात्राएं पिछड़े सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आती हैं। ऐसे में इस तरह के व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम उनके लिए बहुत फायदेमंद साबित होते हैं। गीता भट्ट के मुताबिक, फिलहाल 31,000 से अधिक छात्राएं एनसीडब्ल्यूईबी के जरिये दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ रही हैं। पेशेवर करियर कौशल को शामिल करने पर जोर-आनलाइन कार्यक्रम को लेकर उन्होंने कहा कि एनसीडब्ल्यूईबी व्यक्तिगत क्षमता निर्माण के साथ पेशेवर करियर कौशल को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके तहत विशेष रोजगार के लिए अपना बायो डेटा तैयार करने के अलावा, समूह चर्चा में भाग लेना भी शामिल होगा। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ इंटरनेट मीडिया के प्रभावी इस्तेमाल पर भी एक सत्र भी शामिल है। इस दौरान इसमें शामिल छात्राओं को विभिन्न भुगतान गेटवे के बारे में भी सिखाया जाएगा। कार्यक्रम में एनसीडब्ल्यूईबी के केंद्र प्रभारी और अतिथि अध्यापक भी उपस्थित थे, जबकि कार्यक्रम का संचालन डा. उमाशंकर (उप- निदेशक, एनसीडब्ल्यूईबी) ने किया। वहीं, कार्यक्रम के अंत में डा. सुनील कुमार (केंद्र प्रभारी, दीन दयाल उपाध्याय) ने इस आयोजन में शामिल होने के लिए सबका धन्यवाद दिया।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के सदन की बैठक में जोरदार हंगामा,आप पार्षद 15 दिन के लिए निलंबित

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम के सदन में बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। बताया जा रहा है कि निगम में सत्ताधारी भाजपा के सदस्य प्रदूषण पर चर्चा कराना चाह रहे थे। विपक्ष पहले डेंगू पर चर्चा करवाना चाह रहा था। जब सत्ता पक्ष प्रदूषण पर चर्चा कराने पर अड़ गया तो आम आदमी पार्टी के सदस्य इसका विरोध करने लगे। इस दौरान भाजपा और आप सदस्य हंगामा करने लगे। मिली जानकारी के अनुसार, सदन में दोनों पक्षों की तरफ से नारेबाजी शुरू हुई। हंगामा को देखते हुए महापौर ने बैठक को 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। जब दोबारा बैठक शुरू हुई तो फिर विपक्ष हंगामा करने लगा। इससे नाराज महापौर ने आप के पार्षदों को 15 दिन के लिए निलंबित कर दिया।

योजना बनने के तीन दशक बाद भी नही स्वच्छ हो पायी यमुना, हैरान कर देने वाली है वजह

नई दिल्ली। स्वच्छ यमुना को लेकर योजना बने लगभग तीन दशक होने को हैं। लेकिन आज तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आ पाया है। योजना में खामी के साथ अमल में कमी की वजह से यमुना अस्तित्व के संकट से बाहर नहीं निकल पा रही है। असल में साल के नौ महीने इसमें एक बूंद पानी नदी का नहीं होता है। मानसून के तीन महीनों को छोड़कर बाकी समय इसमें औद्योगिक क्षेत्रों से निकला प्रदूषित जल और घरों का सीवेज का पानी ही रहता है। इसकी वजह से यह प्रदूषित नजर आती है। पिछले साल लाकडाउन के समय यमुना में आकाशीय नीलिमा समाई थी। उस समय बारिश का पानी यमुना में पहुंचा। इसके साथ औद्योगिक क्षेत्र बंद रहे तो उनका प्रदूषित जल भी इसमें नहीं मिला। प्रवाह में सीवेज का गंदा पानी भी बह गया था। मूल कारणों पर ध्यान ही नहीं दिया-किसी भी योजना को बनाने से पहले समस्या को गहराई से समझना जरूरी है। मुझे लगता है कि 1994 में जब यमुना के लिए योजना बनाई गई उस समय इसके मूल कारणों पर ध्यान नहीं दिया गया। योजना में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) पर जोर दिया गया। यमुना में पानी कहां से पहुंचे, इस पर कोई कार्य योजना नहीं बनी। आज 27 सालों में राजधानी में 44 एसटीपी बन गए। लेकिन संचालित सात-आठ ही हो रहे हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में ईफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) भी लगाए गए लेकिन ये पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे हैं। दरअसल हमारे पास शोधित जल को ठिकाने लगाने के लिए भी कोई योजना ही नहीं है। जबकि पार्क, दमकल केंद्रों के साथ तमाम अन्य जगहों पर शोधित जल का बड़े स्तर पर इस्तेमाल हो सकता है। यहां साफ पानी की जरूरत नहीं है।

आत्मविश्वास बढ़ाकर करें बेहतर प्रदर्शन, करियर काउंसलर ने दिए सफलता के मंत्र

नई दिल्ल ।अरुण श्रीवास्तव स्टूडेंट अपनी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और पढ़ाई को लेकर अक्सर इस संशय में होते हैं कि वे अब आगे क्या करें, कौन सी राह चुनें। आज के इस कालम में पाठकों के इसी तरह के सवालों के उत्तर दे रहे हैं वरिष्ठ करियर काउंसलर अरुण श्रीवास्तव... यह चिकित्सकीय परेशानी है। इसे लेकर परेशान होने के बजाय आप अपने ज्ञान के स्तर को ऊंचा उठाने पर अधिक ध्यान दें, ताकि आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा हो सके। यदि आप लगन से सही दिशा में तैयारी करेंगे, तो जरूर आइएएस बन सकते हैं। जहां तक इंटरव्यू की बात है, तो इंटरव्यू बोर्ड के सदस्य आपकी इस परेशानी से परिचित होंगे, ऐसे में वे आपसे सहयोग ही करेंगे ताकि आप खुद को सरल-सहज रखते हुए बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मैं बीए प्रथम वर्ष का छात्र हूं। आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण यूपीएससी की तैयारी के लिए कोई कोचिंग नहीं ज्वाइन कर सकता। क्या सेल्फ स्टडी और इंटरनेट से यूपीएससी का एग्जाम क्लियर किया जा सकता है मैं पहले भी कई बार यह सुझाव दे चुका हूं कि यूपीएससी या किसी भी परीक्षा के लिए कोचिंग किसी भी तरह से अनिवार्य नहीं है।

आप अपने टीचर, वरिष्ठों और इंटरनेट के माध्यम से सहयोग लेते हुए अपनी तैयारी को सही दिशा दे सकते हैं और कामयाबी हासिल कर सकते हैं। आज के समय में इंटरनेट पर सबकुछ उपलब्ध है। बस, आप प्रामाणिक सामग्री तलाश कर उसके माध्यम से पढ़ाई करें। अपने आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने के लिए सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार और प्रेरक वक्ताओं के विचार नियमित रूप से पढ़ते रहें। मैं बारहवीं कर चुकी हूं। इस साल ग्रेजुएशन फर्स्ट ईयर में हूं। मैं आइएएस की तैयारी शुरू करना चाहती हूं, पर मेरे पैरेंट्स इसकी अनुमति नहीं दे रहे हैं। मैं क्या करूं कृपया मार्गदर्शन करें। - यदि आप आइएएस की तैयारी को लेकर खुद को गंभीर समझती हैं, तो इस बारे में पैरेंट्स को प्यार से समझाएं और उन्हें अपने भरोसे में लें। इसके लिए अपनी पढ़ाई की गहराई और ज्ञान के स्तर से भी उन्हें आश्वस्त करने का प्रयास करें। हो सकता है कि वे इस परीक्षा की चुनौतियां देखते हुए मना कर रहे हों और यह चाहते हों कि आप पहले किसी छोटी-मोटी परीक्षा को क्वालिफाई करके अपने पैर जमा लें। ऐसे में उनसे खुलकर बात करना और उनकी अपेक्षाएं जानना भी जरूरी है। उसके बाद ही आप उनसे अपने मन की बात भी कर सकती हैं।

क्या दिल्ली में फिर से लागू होगा आड-इवेन, तैयारी में जुटी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दीवाली के बाद से राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर हालात गंभीर बने हुए हैं। लगातार 12 दिनों से दिल्ली में वायु प्रदूषण गंभीर श्रेणी में है और इससे जल्द छुटकारा मिलने के आसार भी नहीं नजर आ रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की लगातार फटकार के बाद दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार आड-इवेन जैसे विकल्पों पर भी विचार कर सकती है। इसके साथ ही आने वाले कुछ दिनों के लिए वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए आड-इवेन का विकल्प अपनाया जा सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक, वायु प्रदूषण की समस्या को देखते हुए दिल्ली में आड- इवन लागू हो सकता है। इसे लेकर परिवहन विभाग ने मंगलवार को बस आपरेटरों के साथ बैठक कर बसों की स्थिति की जानकारी ली। वहीं, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने

वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए दिल्लीवासियों से निजी वाहनों की जगह सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने का अनुरोध किया है। उन्होंने बताया है कि सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार एक महीने की अवधि के लिए लगभग एक हजार निजी बसें किराये पर लेगी। जानिये-कैसे काम करता है आड इवेन फार्मूला-राजधानी दिल्ली में आड इवेन फार्मूला लागू होने की स्थिति में वाहन चालकों को बेहद सतर्कता बरतनी पड़ती है, वरना 5000 रुपये तक चालान भरना पड़ता है। इसे इस तरह समझें कि अगर किसी के वाहन के नंबर प्लेट का अंतिम नंबर आड (1,3,5,7,9) है तो वाहन को 3, 5, 7, 9, 11,13 और 15 तारीख को ही चला पाएंगे। वहीं, अगर गाड़ी का आखिरी नंबर इवेन (2,4,6,8,0) है तो आप महीने की 4, 6, 8, 10, 12 और 14 तारीख को ही गाड़ी निकाल पाएंगे, क्योंकि इन तारीखों में ईवन नंबर की गाड़ियां चलेंगी। लाकडाउन हो सकता है प्रभावी कदम-बता दें कि पिछले साल कोरोना वायरस के चलते लगा गए लाकडाउन की वजह से दिल्ली-एनसीआर समेत समूचे देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर में गिरावट देखने को मिली थी। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर दिल्ली के साथ एनसीआर के शहरों में लाकडाउन लगाया जाता है तो इससे वायु प्रदूषण से कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

20 माह बाद खुला करतारपुर कारिडोर, यात्रियों का पहला जत्था रवाना, कल पंजाब की पूरी कैबिनेट जाएगी करतारपुर साहिब

चंडीगढ़। पाकिस्तान स्थित श्री गुरुद्वारा करतारपुर साहिब में दर्शन के लिए करतारपुर कारिडोर को आज फिर खोल दिया गया। छह यात्रियों का पहला जत्था डेरा नानक से कारिडोर होकर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के लिए रवाना हुआ। आज 70 श्रद्धालु माथा टेकने श्री करतारपुर साहिब जाएंगे। कोरोना के कारण यह कारिडोर पिछले करीब 20 माह से बंद था। केंद्र सरकार ने मंगलवार को इसे 17 नवंबर से खोलने की घोषणा की थी। कोरोना के कारण पैदा हालात के कारण इस कारिडोर को 16 मार्च, 2020 को बंद किया गया था। गुरु श्री नानकदेव के प्रकाश पर्व के मौके पर इस कारिडोर को खोलना सिख श्रद्धालुओं के लिए बड़ा तोहफा है। श्री गुरु नानकदेव का प्रकाश पर्व 19 नवंबर को है। काडिरोड के खुलने पर सीएम चरणजीत सिंह चन्नी और पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू सहित पंजाब की पूरी कैबिनेट गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब में माथा टेकने जाएगी। श्री गुरु नानक देव जी के 552वें प्रकाश पर्व के केंद्र सरकार की ओर से 20 महीने बाद खोले गए श्री करतारपुर कॉरिडोर के दौरान बुधवार को डेरा बाबा नानक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बने पैसेंजर टर्मिनल से 70 के करीब श्रद्धालु पहले जत्थे में पाकिस्तान से गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब में दर्शन करेंगे। फिलहाल सुबह 10 बजे तक छह श्रद्धालु पैसेंजर टर्मिनल से सेहत विभाग की टीम से पल्स पोलियो की बूंदे पीने के बाद पाकिस्तान

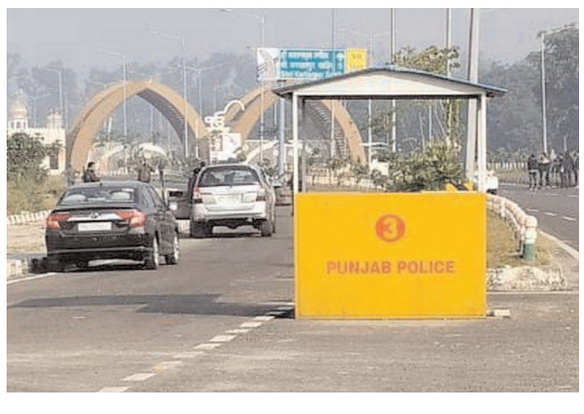

स्थित गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब को रवाना हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के जिला टीकाकरण अधिकारी डा. अरविंद मनचंदा ने बताया कि पाकिस्तान पोलियो मुक्त न होने के कारण गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब जी को जाने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को पल्स पोलियो की बूंदे पिलाई जा रही हैं । पैसेंजर टर्मिनल के माध्यम से गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए तीन हजार पोलियो की बूंदे उपलब्ध करवाई गई है। करतारपुर कारिडोर को खोलने को लेकर गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक में बुधवार सुबह से गतिविधियां शुरू हो गई है। कारिडोर को दोबारा खोलने की केंद्र सरकार की घोषणा का पंजाब में सभी वर्गों ने स्वागत किया है। श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व (19 नवंबर) से एक दिन पहले 18 नवंबर को पाकिस्तान स्थित श्री करतारपुर साहिब जाने वाले जत्थे में पंजाब की पूरी कैबिनेट समेत 50 लोग शामिल होंगे।

पंजाब का जत्था मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की अगुआई में जाएगा। उनके साथ मुख्य सचिव सहित कुछ अधिकारी, कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू भी होंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने करतारपुर कारिडोर खोलने के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की घोषणा का हार्दिक स्वागत किया था। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू सहित अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी इसका स्वागत किया था। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल, पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भी करतारपुर कॉरिडोर को खोलने का स्वागत किया है। गौरतलब है कि करतारपुर कारिडोर को खोलने की मांग को लेकर पिछले दिनों भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पास मुद्दा उठाया था। अश्वनी शर्मा ने भी प्रधानमंत्री का आभार जताया और कहा इस फैसले से लाखों लोगों की इच्छा पूरी हुई है।

दिल्ली में 21 नवंबर तक निर्माण कार्यों पर लगी रोक, प्रदूषण को देखते हुए सरकार ने लिया फैसला

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए दिल्ली में 21 नवंबर तक निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है। इसकी जानकारी पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिए सरकार ने यह फैसला किया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाने के लिए कल से 1,000 निजी सीएनजी बसों को हायर करने की प्रक्रिया शुरू होगी। मेट्रो और डीटीसी की तरफ़ से डीडीएमए को यात्रियों को खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति के संबंध में पत्र लिखा गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के अंदर 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल की गाड़ियों की सूची यातायत विभाग की तरफ से पुलिस को दी गई है, जिसको लेकर वह कार्रवाई शुरू करेंगे। पेट्रोल पंप पर जो पीयूसी अभियान चल रहा है उसको और सख्त किया जाएगा। इससे पहले पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की बैठक में एनसीआर में भी वर्क फ्राम होम नीति लागू करने और उद्योगों को बंद करने का सुझाव दिया था। मंगलवार को हुई बैठक में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में लगाए गए तमाम प्रतिबंधों को एनसीआर में भी लागू किया जाना चाहिए, ताकि प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने बताया कि बैठक में अन्य राज्यों ने भी विचार रखे। अब हम आयोग से इस बैठक के मिनट्स जारी होने का इंतजार कर रहे हैं। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के प्रदूषण संकट से निपटने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को स्कूलों को एक सप्ताह के लिए बंद करने, निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध और सरकारी कर्मचारियों के लिए वर्क फ्राम होम सहित कई आपात उपायों की घोषणा की थी। राय ने पत्रकारों से कहा कि सोमवार को डीपीसीसी (दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति) की टीमें यह देखने गईं कि क्या उपाय लागू किए जा रहे हैं और उन्होंने पाया कि निर्माण कार्य रोक दिया गया है।

दिल्ली में पानी का कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी, जल बोर्ड ने जारी किया ये आदेश

नई दिल्ली । जल बोर्ड उपभोक्ताओं के घर पानी का कनेक्शन जोड़ने का काम अब खुद करेगा। इस बाबत जल बोर्ड ने 15 नवंबर को अपने सभी क्षेत्रीय राजस्व कार्यालयों को आदेश जारी कर दिया है। लिहाजा, उपभोक्ताओं को घर तक पानी की पाइप लाइन बिछाने व वाटर मीटर लगाने के लिए प्लंबर या किसी निजी ठेकेदार की मदद नहीं लेनी पड़ेगी। जल बोर्ड ने लोगों के लिए भी यह सूचना जारी कर दी है कि प्लंबर या कोई बाहरी व्यक्ति जल बोर्ड के पाइप लाइन को छू नहीं सकता। 26 अक्टूबर को जल बोर्ड की बैठक में इस बाबत फैसला लिया गया था। अब जल बोर्ड ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को इस पर अमल करने का निर्देश जारी किया है। इसके तहत जल बोर्ड कालोनी की मुख्य पाइप लाइन से उपभोक्ता के घर तक 15 मिलीमीटर की पाइप लाइन खुद बिछाएगा और उसे घर की पाइप लाइन से जोड़वाएगा। मीटर भी जल बोर्ड ही लगाएगा। इसके लिए आवासीय उपभोक्ताओं को कालोनियों की श्रेणी के अनुसार एक हजार से चार हजार रुपये तक शुल्क भुगतान करना होगा। वहीं, व्यवसायिक श्रेणी के उपभोक्ताओं से दो हजार से आठ हजार रुपये शुल्क लिया जाएगा। जोनल राजस्व अधिकारी (जेडआरओ) पानी का कनेक्शन देने का काम सुनिश्चित करेंगे। उन्हें प्रतिदिन की रिपोर्ट जल बोर्ड मुख्यालय भेजनी होगी। पानी का कनेक्शन लेने पर जल बोर्ड सीवरेज का कनेक्शन स्वत- स्वीकृत कर देगा। इसके लिए अलग से कनेक्शन शुल्क नहीं लगेगा। हालांकि, जिन कालोनियों में ढांचागत शुल्क का प्रविधान है वहां ढांचागत शुल्क लिया जा सकता है। अवैध कनेक्शन को किया जाएगा वैध-जिन उपभोक्ताओं के वाटर मीटर खराब पड़े हैं, उसे भी नई योजना के तहत अब जल बोर्ड ही बदलेगा। इसके अलावा अनधिकृत कालोनियों में काफी लोगों ने अवैध तरीके से पानी का कनेक्शन ले रखा है। इस वजह से जल बोर्ड को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है।

नई दिल्ली. (इंडजीत सिंह) सुल्तानपुर माजरा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत के पोल खोल यात्रा और अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग चलें कांग्रेस की और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्षा,श्रीमती सोनिया गांधी के दिशानिर्देश अनुसार दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष श्री अनिल चौधरी, उपाध्यक्ष श्री जय किशन किरारी जिला अध्यक्ष श्री सुरेंद्र कुमार वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ नरेश कुमार , सहित विजय कुमार भारती ,सोनू प्रधान, सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता,ने भाजपा और आम आदमी पार्टी की निकम्मी और भ्रष्ट सरकारों के खिलाफ जन जागरण पोल खोल अभियान के तहत सुल्तानपुरी विधानसभा मे, ए 2/ब्लॉक, सोनू प्रधान के निवास पर चाय पानी और पगड़ी सम्मान किया, और क्र2/,ब्लॉक मैं कांग्रेस कार्यालय, विजय कुमार भारती व अशोक सम्राट बुद्ध विहार Bw ब्लॉक ने चाय पानी की व्यवस्था की गई गया रात्रि विष्णु रात्रि विश्राम नारायण सिंह बेरवा और नफीसा नसीम के घर किया जन कार्यक्रम की शुरुआत की जिसके अंतर्गत विधानसभा की अलग अलग जगहों पर जनता से संवाद किया, रैली निकाली, धार्मिक स्थलों पर गये, एक कार्यकर्ताओ के घर खाना खाया व रात को वहीं एक कार्यकर्ता के घर पर ही रूके । कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल चौधरी जी, कांग्रेस के उपाध्यक्ष श्री जय किशन जी, वरिष्ठ प्रवक्ता नरेश कुमार राजेश कौशिक व किराड़ी जिला के अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे ।छाया -साहिल भारती

राष्ट्रपति भवन में घुसने की कोशिश करने के आरोप में दंपती गिरफ्तार

नई दिल्ली। देश की राजधानी में नई दिल्ली के वीवीआइपी इलाकों में शुमार राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश का मामला सामने आया है। वहीं, सतर्क सुरक्षा कर्मियों ने दंपती को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना दो दिन पुरानी बताई जा रही है। जागरण संवाददाता से मिली जानकारी के अनुसार, एक वाहन में सवार लड़का और लड़की ने राष्ट्रपति भवन के एक प्रवेश द्वार में घुसने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क सुरक्षा कर्मियों ने दोनों को धर दबोचा। बताया जा रहा है कि संतोषजनकर जवाब नहीं देने पर सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। काफी देर पूछताछ करने के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, दो दिन पहले रात के दौरान एक गाड़ी ने राष्ट्रपति भवन में घुसने की कोशिश की। गाड़ी में एक लड़का और एक लड़की सवार थे। पूछताछ के दौरान सवालों के उचित जवाब नहीं देने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। दंपती के राष्ट्रपति भवन के भीतर प्रवेश करने की वजह का पता नहीं चल पाया है। फिलहाल दोनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। बता दें किसान आंदोलन के चलते भी दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। राष्ट्रपति भवन, शास्त्री भवन और पीएमओ में प्रवेश के दौरान गहन जांच की जाती है। गौरतलह है देश के प्रथम नागरिक कहे जाने वाले राष्ट्रपति का आवास राष्ट्रपति भवन है। यहां पर सुरक्षा कई लेयर में होती है। ऐसे में इस भवन में प्रवेश करना आसान नहीं होता है। 1930 में बने राष्ट्रपति भवन का डिज़ाइन लूटियंस ने तैयार किया था। राष्ट्रपति भवन 340 एकड़ में फैला हुआ है और दो भागों में बंटा हुआ है। एक तरफ नार्थ ब्लॉक है तो दूसरी तरफ साउथ ब्लाक है। राष्ट्रपति भवन का वह हिस्सा जहां से राष्ट्रपति अपना कामकाज करते हैं, वह 5 एकड़ में बना हुआ है।

दिल्ली में दरिंदगी : देवर पर लगा रिश्तेदारों संग अपनी भाभी से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के रोहिणी इलाके में महिला का अश्लील वीडियो बनाकर उससे सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके देवर व रिश्तेदारों ने मिलकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। रोहिणी साउथ थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता की शादी दो वर्ष पहले रोहिणी के एक सेक्टर में हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही उसका देवर उससे छेड़छाड़ करने लगा था। एक दिन घर में कोई भी सदस्य नहीं था तो उसने दुष्कर्म किया। पीड़िता के पति व सास जब घर लौटे तो उसने उनको आपबीती सुनाई तो परिवार की इज्जत का हवाला देकर चुप करा दिया गया। इससे उसके हौसले बढ़ गए और कुछ दिन बाद रात के समय उसने फूफा और मौसेरे भाई के साथ घर में ही शराब पी। इसके बाद देवर ने दुष्कर्म किया और उसका वीडियो बनाया। वीडियो बनाने के बाद आरोपित के फूफा और मौसेरे भाई ने सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोप है कि सामूहिक दुष्कर्म के बाद आरोपित ने पीड़िता का वीडियो व फोटो सोशल मीडिया और उसके मायके में भेजने की धमकी दी। इसके बाद भी देवर ने दो बार महिला से दुष्कर्म किया, लेकिन पति व उसकी सास ने पीड़िता की मदद नहीं की। परेशान होकर पीड़िता ने आत्महत्या करने की ठानी, लेकिन उससे पहले अपने भाई को फोन कर उसकी जानकारी दी। इस वह बहन को समझाकर घर ले आया और रोहिणी साउथ थाने में शिकायत दर्ज करा दी। त्रिनगर निवासी पीड़िता का आरोप है कि आरोपित केस वापस लेने के लिए लगातार उसे धमकी दे रहे हैं।

रियल एस्टेट के बड़े कारोबारी जेपी ग्रुप के मालिक की बेटी और दामाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने रियल एस्टेट के बड़े कारोबारी जय प्रकाश गौड़ की बेटी रीता दीक्षित और दामाद डा. विजय कांत दीक्षित को फर्जीवाड़े के आरोप में गिरफ्तार किया है। दोनों जेसी वर्ल्ड हास्पिटेलिटी प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। दोनों पर 12 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप लगा है। नोएडा में दुकानें बेचने के नाम पर 12 करोड़ ठगने का आरोप-मिली जानकारी के मुताबिक, 2014 में दंपती ने जेपी ग्रीन्स विश टाउन, सेक्टर-128, नोएडा में जेसी वर्ल्ड माल के नाम से परियोजना लांच की थी। माल में दुकानें बनाने की बात कही थी, जिस पर कई लोगों ने करोड़ों रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने 30 माह के अंदर निवेशकों को दुकानें देने का करार किया था, लेकिन निर्धारित समय तक माल बनाने का काम भी शुरू नहीं किया। इसके बाद 30 निवेशकों ने आर्थिक अपराध शाखा में कंपनी के निदेशकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। उनसे करीब 12 करोड़ की ठगी का आरोप है। दोनों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश कर दो दिन के लिए रिमांड पर लिया गया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर आरके सिंह के मुताबिक, आरोपित ग्रेटर नोएडा स्थित जेपी ग्रीन्स में रहते हैं। धीरेंद्र नाथ समेत 30 निवेशकों ने 2020 में जेसी वर्ल्ड हास्पिटेलिटी कंपनी के निदेशकों के खिलाफ शिकायत दी थी। इसमें कंपनी द्वारा इस परियोजना का फंड अन्य परियोजना में लगाने का आरोप है। अस्वीकार हो चुकी थी परियोजना-एक अधिकारी के अधिकारी के मुताबिक, जब नोएडा प्राधिकरण से जानकारी मांगी गई तो पता चला कि उक्त परियोजना संबंधी आवेदन को कुछ आपत्तियों के साथ वर्ष 2015 में वापस कर दिया गया था। कंपनी से तय समय में जवाब नहीं मिलने पर परियोजना के आवेदन को अस्वीकार कर दिया गया। बताया जाता है कि रीता दीक्षित का पिता से मनमुटाव है। इसलिए पति के साथ भवन निर्माण का काम करती हैं।

डेंगू मरीजों के लिए खतरनाक साबित हो रहा घरेलू उपचार

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में डेंगू से मौत के भले ही नौ मामले ही रिपोर्ट हुए हैं लेकिन एम्स के डाक्टर कहते हैं कि प्रभावितों की संख्या इससे ज्यादा है। घरेलू उपचार, डाक्टर की सलाह के बगैर स्वयं इलाज व अस्पताल में देर से बेहद गंभीर अवस्था में पहुंचा खतरनाक साबित हो रहा है। कई मरीजों में किडनी व लिवर खराब होने की परेशानी भी देखी जा रही है। इससे मरीजों की हालत बिगड़ रही है। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डा. आशुतोष विश्वास ने कहा कि यदि मरीज समय पर अस्पताल पहुंचे तो आसानी से इलाज किया जा सकता है। ऐसे में घर में रहकर इलाज कराने वाले लोगों को कुछ लक्षणों पर ध्यान देना बेहद जरूरी है और दिन में तीन बार ब्लड प्रेशर (बीपी) जांच करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि डेंगू में ब्लड प्रेशर कम होने खतरे की घंटी है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह देखा जा रहा है कि डेंगू के कई मरीज इलाज के लिए देर से अस्पताल में पहुंच रहे हैं। शुरुआती स्टेज में वे घर में रहकर घरेलू उपचार या खुद दवाएं ले रहे होते हैं। जब हालत ज्यादा खराब हो जाती है तब डाक्टर के पास पहुंचते हैं। कई मरीजों में चार से सात दिन में बीमारी गंभीर हो रही है। हाइपरटेंशन, मधुमेह, मोटापा व कोई अन्य संक्रमण हो तो डेंगू होने पर बीमारी जल्दी गंभीर हो जाती है। तीन दिन में बुखार उतरने के बाद भी सतर्क रहने की दरकार-उन्होंने कहा कि ज्यादातर मरीजों में तीन से चार दिन में बुखार ठीक हो जाता है। तब मरीज को यह लगने लगता है कि बीमारी खत्म हो गई। लेकिन बुखार खत्म होने के बाद कई मरीज अचानक शॉक में चले जाते हैं। इसका कारण शरीर में पानी की मात्रा कम होने से ब्लड प्रेशर कम होना है। लिहाजा, तीन से चार दिन में बुखार ठीक होने के बाद भी यदि पेट दर्द, उल्टी, भूख न लगने की परेशान, नींद न लगे, ब्लड प्रेशर कम हो व शरीर के किसी हिस्से से हल्का रक्तस्त्राव हो तो यह खतरे की घंटी हो सकती है। ऐसी स्थिति में सतर्क होना जरूरी है। लिहाजा दिन में सुबह, दोपहर व रात के वक्त ब्लड प्रेशर जांच करते रहना चाहिए। ब्लड प्रेशर कम होने से मरीज शॉक में चले जाते हैं। यदि जल्दी इसका इलाज नहीं हुआ तो इससे किडनी व लिवर खराब होने की आशंका रहती है। इसलिए बुखार होने पर शुरुआत से ही डाक्टर के संपर्क में रहना आवश्यक है।

सम्पादकीय

अफगानिस्तान पर भारत की पहल

मध्य एशिया में चीन का मुकाबला करने की अपनी दीर्घकालीन महत्वाकांक्षा के अलावा अफगानिस्तान में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए भारत को धैर्यपूर्ण कूटनीतिक नीति को अपनाने की सख्त आवश्यकता है, जो अफगानिस्तान पर क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता की सफलता के बाद व्यावहारिक रूप ले सकती है, जिसमें भारत समेत आठ देशों ने हिस्सा लिया था। दिल्ली घोषणा भारत की भावी नीति के लिए बहुत महत्व रखती है, क्योंकि यह दोहा वार्ता के विपरीत भारत को हमेशा अफगानिस्तान पर प्रासंगिक वार्ता के दायरे में रखेगी, जब अफगानी उथल-पुथल और हिंसा के युद्धरत गुटों ने पहली बार 23 सितंबर, 2020 को औपचारिक रूप से आमने-सामने बैठकर उस संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत शुरू की, जिसे अब दुनिया के सबसे घातक संघर्ष के रूप में माना जाता है। लेकिन इसकी मुख्य पहचान अमेरिका पर दबाव बनाकर भारत को अलग-थलग करने में पाकिस्तान की सफलता थी, जिसका उतना लाभ नहीं मिला, जितनी अपेक्षा थी, क्योंकि तालिबान ने दोहा समझौते का उल्लंघन करके अमेरिका को धोखा दिया। विश्लेषकों का मानना है कि आठों देश काबुल में समावेशी सरकार की आवश्यकता पर जोर देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जो सितंबर में दुशांबे में हुई शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक से एक कदम आगे होगा, जिसमें आतंकवाद, आतंकवाद के वित्त पोषण और कट्टरपंथ के खिलाफ तल्ख भाषा का इस्तेमाल किया गया था, जिससे राष्ट्रीय सुलह को बढ़ावा मिला। विश्लेषकों का यह भी मानना है कि भारत सरकार द्वारा तीसरी क्षेत्रीय सुरक्षा वार्ता के सफल आयोजन से, जिसमें रूस, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान के सुरक्षा प्रमुखों ने भाग लिया, पाकिस्तान परेशान हुआ होगा। उसने पड़ोसी देशों के सुरक्षा प्रमुखों की इस महत्वपूर्ण बैठक का हिस्सा बनने के निमंत्रण को ठुकरा दिया था, इसलिए उसने तुरंत पाकिस्तान, चीन, रूस और अमेरिका को शामिल करते हुए द ट्रोइका प्लस की बैठक बुलाई थी, जिसने तालिबान से अफगानिस्तान में एक समावेशी और प्रतिनिधि सरकार बनाने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया है, जो नए शासन के करीब रहने की जिज्ञासा को दर्शाता है। यह आह्वान तालिबान के रुख के विपरीत किया गया है। इसने अफगानी समाज के सभी क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों को भाग लेने के लिए समान अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जो उनके साथ तालिबान के क्रूर व्यवहार की मौजूदा सच्चाई की तुलना में वास्तविकता से बहुत दूर है। चीन ने भी नई दिल्ली में आयोजित सुरक्षा वार्ता में शामिल नहीं होने का एक लचर बहाना दिया था। चीन का यह बहाना ऐसे समय में आया, जब पूर्वी लद्दाख में चल रहे सैन्य गतिरोध को लेकर चीन-भारत द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण हैं। चीन हमेशा पाकिस्तान को आगे रखना चाहता है, हालांकि वह अपनी आर्थिक तंगी के कारण अफगानिस्तान की मदद करने की स्थिति में नहीं है और लगातार अपने हितैषी चीन पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की नकारात्मकता को अमेरिका द्वारा कूटनीति के बुरे उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि भारत द्वारा की गई पहल की सराहना की जानी चाहिए और बाधाएं खड़ी करना अफगानिस्तान के लोगों के कल्याण के लिए प्रतिकूल साबित हो सकता है, जो महामारी का भी सामना कर रहे हैं। वार्ता के बाद सात देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषदों के प्रमुखों ने सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने उन प्रतिभागियों की प्रशंसा की, जिन्होंने महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद इसे संभव बनाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान के संदर्भ में चार पहलुओं पर जोर दिया, जिन पर इस क्षेत्र के देशों को ध्यान देने की आवश्यकता होगी, जिनमें एक समावेशी सरकार की आवश्यकता, अफगान क्षेत्र का आतंकी समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने के प्रति शून्य-सहिष्णुता का रुख, अफगानिस्तान से मादक पदार्थों एवं हथियारों की तस्करी रोकने की रणनीति और अफगानिस्तान में तेजी से मानवीय संकट को संबोधित करना शामिल था। मोदी का बयान उन लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है, जो अफगानिस्तान के लोगों का समर्थन करने और उनके साथ खड़े होने के भारत के प्रयासों को विफल करना चाहते हैं। भारत ने पिछले 20 वर्षों के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसे विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में पहले ही 2,300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, और इस देश के लोगों की सद्भावना अर्जित की है, जो सबसे भीषण भूख के संकट का सामना कर रहे हैं। भारत ने एक महीने पहले ही पाकिस्तान से भूमि मार्ग से खाद्यान्न के परिवहन की सुविधा देने का अनुरोध किया था, लेकिन उसने मना कर दिया था। लेकिन अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने तालिबान से कहा है कि पाकिस्तान अफगान लोगों के अनुरोध पर सहानुभूति पूर्वक विचार करेगा, जिससे वहां के लोग भारत से गेहूं प्राप्त कर सकेंगे। इससे कूटनीतिक रूप से भारत को मदद मिलेगी और पाकिस्तान के बुरे इरादे उजागर होंगे। चीन, तुर्की जैसे कुछ देशों ने पहले ही अफगानिस्तान के भूखे लोगों को भोजन वितरित करना शुरू कर दिया है और पाकिस्तान अब काबुल तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग से ट्रकों की आवाजाही पर काम कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान और चीन द्वारा वार्ता में भाग लेने से इन्कार करना भारत के प्रति उनकी शत्रुता को दर्शाता है, जिसने दुनिया को दिखाया है कि मध्य एशिया में कुछ देशों की दुश्मनी के बावजूद भारत अब भी अफगानिस्तान के मामलों में धैर्य के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शीर्ष अधिकारी स्वीकार करते हैं कि एनएसए अजित डोभाल के कुशल प्रबंधन ने भी सुरक्षा बैठक की सफलता में योगदान दिया, जिसे कूटनीति में एक मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि भारत की भूमिका अफगानिस्तान में बहुत महत्वपूर्ण है, जिसे पाकिस्तान और चीन द्वारा कमजोर किया जा रहा है। अंत में, यही कहा जा सकता है कि भारत को तालिबान शासन के प्रति तीखे मतभेदों के बावजूद अफगानिस्तान में अपनी स्पष्ट भूमिका को परिभाषित करने की आवश्यकता है, जो अब भी अंतरराष्ट्रीय मान्यता पाने के लिए जूझ रहा है।

यहां इतिहास लौटता है बार-बार

भारतीय चुनावी विमर्श में 'इतिहास' इतना महत्वपूर्ण क्यों हो जाता है? यूं तो पाठ्य पुस्तकों में और हमारी आम समझदारी में इतिहास को अतीत माना जाता है, किंतु भारतीय जीवन में, विशेषकर चुनाव के वक्त ये अतीत पुनर्जीवित हो उठते हैं। न केवल भारत में, बल्कि इंडोनेशिया, म्यांमार, अफगानिस्तान, नेपाल जैसे कई एशियाई देशों के चुनाव व अन्य कई मौकों पर भी इतिहास जीवंत हो उठता है। हालांकि, भारत में यह वर्तमान जैसा जीवंत हो जाता है। पूरी दुनिया पर नजर डालें, तो अफ्रीका, एशिया, लातीन अमेरिका के कुछ मुल्कों के चुनावी विमर्शों में इतिहास का दखल कभी-कभी देखा और सुना जाता रहा है, किंतु भारत में चुनाव चाहे उत्तर में हों या दक्षिण में, इतिहास प्राय- हमारे चुनावी विमर्शों में नवजीवन प्राप्त कर लोकतांत्रिक विमर्शों को रच रहा होता है। अमेरिका, इंग्लैंड, नीदरलैंड जैसे पश्चिमी मुल्कों में, जहां आधुनिकता का विकास व विस्तार अपने चरम पर है, चुनावी विमर्शों में दूरस्थ इतिहास की कोई जगह नहीं होती। चुनावी विमर्श मूलत- वर्तमान की नीतियों की सफलता, विफलता एवं भविष्य की योजनाओं के मूल्यांकन पर टिका होता है। कभी-कभी क्षेत्रीय एवं स्थानीय अस्मिताएं, रंगभेद के प्रश्न उठते तो हैं, पर वे अतीत के विमर्श को उत्प्रेरित न करके अपने वर्तमान के प्रश्नों एवं भविष्य के रास्तों पर केंद्रित होते हैं। भारतीय चुनावों में अतीत के राजा, रानी, संत, ऋषि, नायक, खलनायक, सभी विमर्श में अवतरित हो जाते हैं। भारतीय जनतंत्र के महापर्व में इतिहास एक अर्थ में पुनर्नवा हो उठता है। यह नया भी अपने-अपने तरह से होता है। सबके अपने-अपने रंग होते हैं और अपने-अपने रूप। सबके अपने अर्थ एवं व्याख्याएं भी होती हैं। उत्तर प्रदेश में, जो भारत का सबसे बड़ा राज्य है और माना जाता है कि जहां से होकर दिल्ली की सत्ता का रास्ता गुजरता है, शीघ्र ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। अगर यहां चल रहे चुनावी विमर्शों पर गौर करें, तो पिछले दिनों इसमें जिन्ना, मुगल, मारीच, सुहेलदेव, निषाद राज गुह्य उभर आए हैं। इन पर चल रहे वाद-विवाद को देखकर लगता है कि हमारे बीच कई इतिहासों-आख्यानों का विमर्श युद्ध चल रहा हो। इनमें नायकों को अपने-अपने पाले में करने के लिए अपनी-अपनी व्याख्याएं जनसभाओं में दी जाने लगी हैं। ऐसा क्यों होता है? कुछ विद्वानों का मानना है कि ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि भारत स्मृतियों का देश है। इतिहास से स्मृतियां रची भी जाती हैं और स्मृतियां इतिहास की उंगली पकड़कर टहलती और फैलती भी रहती हैं। स्मृतियां प्राय- हमें गोलबंद करती हैं। इसीलिए भारत की राजनीतिक शक्तियां कई बार स्मृति के राजनीतिक पाठ करती दिखती हैं। वे एक ही इतिहास के अपने-अपने संस्करण रचकर उनका इस्तेमाल अपने जनाधार को गोलबंद करने के लिए, तो दूसरी तरफ, अपने से टकराती शक्तियों के जनाधार को क्षीण करने के लिए करती हैं।

पश्चिमी देशों के चुनावी विमर्श में अतीत आता भी है, तो एकदम ताजा, और वह भी शासन-प्रशासन का इतिहास। जबकि भारत, इंडोनेशिया, म्यांमार, नेपाल, अफगानिस्तान जैसे देशों में सुदूर इतिहास आता है। वह कई बार सांस्कृतिक इतिहास भी होता है। अफगानिस्तान को छोड़ दें, तो इंडोनेशिया, म्यांमार जैसे देशों के चुनावी विमर्श में इतिहास कहीं-कहीं फुसफुसाता है, किंतु भारतीय चुनावी विमर्शों में वह चिंघाड़ता भी है। चुनावी विमर्श में इतिहास को लाने की एक कला होती है, और दक्षता भी। इन दोनों में ही भाजपा काफी सफल रही है। बसपा के संस्थापक कांशीराम ने कभी दलित इतिहास एवं दलित नायकों की एक कतार खड़ी कर दी थी। यही नहीं, उन्होंने गांव-कस्बे एवं चुनावी गोलबंदी में दलित अस्मिता के निर्माण में दलित इतिहास को ही आधार बनाया था। हालांकि, उनके जाने के बाद बसपा ने अपने विमर्शों में उनको जगह देनी कम कर दी। मगर, भाजपा ने उनमें से अधिकांश से अब नाता जोड़ लिया है। पिछले दिनों समाजवादी पार्टी ने भी दलितों व पिछड़ों की ऐतिहासिक अस्मिता के नायकों को अपने विमर्श में महत्व देना शुरू किया। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने भी निषाद जाति की गोलबंदी के लिए निषाद इतिहास और उनके नायकों को जगाया है। राजनीतिक विमर्श में इतिहास के प्रयोग कई बार समस्याएं भी खड़ी कर देते हैं। सपा नेता अखिलेश यादव ने अभी नए-नए इस राजनीतिक क्राफ्ट का इस्तेमाल करना शुरू किया है। फलत- उन्होंने 'जिन्ना के इतिहास' को अपने विमर्श में पुनर्जीवित करने का जोखिम उठा लिया। हमें समझना होगा कि राजनीति में इतिहास एक ज्ञान नहीं है, बल्कि गोलबंदी का अस्त्र है। अत- जो उसमें से अपने लिए सजग होकर चयन करता है एवं अत्यंत सावधानी से उन्हें राजनीतिक संवादों में बदलता है, वही उसका लाभ पाता है। नहीं तो उसे हानि भी हो सकती है। यह ठीक है कि स्मृतियां एवं इतिहास जोड़ने वाले होते हैं, किंतु कई बार वे भी विभाजक हो सकते हैं। इसका भी प्रत्यक्ष उदाहरण उत्तर प्रदेश में राजनीति एवं इतिहास के बनते अंतर्संबंधों में देखा जा सकता है। पाठ्य पुस्तकों एवं इतिहास के ग्रंथों में मिहिर भोज गुर्जर-प्रतिहास वंश के यशस्वी राजा के रूप में दर्ज हैं। इधर पाठ्य पुस्तक से निकल उनका इतिहास अस्मिता की राजनीति का हिस्सा बनने लगा है। उनकी मूर्तियां बनने लगी हैं। बड़े-बड़े नेताओं से मूर्तियों का उद्घाटन कराया जाने लगा है। लेकिन इन पर गुर्जर व राजपूत, दोनों ही समुदाय अपना-अपना दावा करने लगे हैं। इनके इतिहास के ईद-गिर्द हिंसा, टकराहट, एफआईआर एवं न्यायालय के मुकदमे दिखने लगे हैं। इसी तरह सुहेलदेव के इतिहास को लेकर भी उत्तर प्रदेश में पासी और राजभर समूह के अपने-अपने टकराते हुए दावे हैं। यह ठीक है कि भारतीय समाज में स्मृतियां प्रभावी हैं। यह भी ठीक है कि स्मृतियां अस्मिता-निर्माण का एक स्रोत बनकर भारत ही नहीं, कई अफ्रीकी एवं एशियाई देशों में उभरी हैं। किंतु इनका सबसे मुखर इस्तेमाल भारतीय चुनावी विमर्शों में ही देखने को मिलता है। इतिहास यदि वर्तमान को बेहतर बनाने के लिए उपयुक्त हो, तो बेहतर, नहीं तो इतिहास वर्तमान को समस्याग्रस्त ही करेगा। हमें यह समझना होगा कि इतिहास एवं समृतियां जब जीवन लोक में होती हैं, तब हमारी आत्मशक्ति होती हैं।

चीन ने कहा, आग से खेलेंगे तो जलेंगे

15 नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वर्चुअल मोड में बातचीत हुई. इसके बाद दोनों देशों ने इस पर प्रेस रिलीज जारी किए हैं. वाइट हाउस का बयान छोटा और सधा हुआ है. इसमें कहा गया है कि अमेरिका शिनजियांग, तिब्बत, हांगकांग में और आम तौर पर चीन के रवैये से चिंतित है. स्वतंत्र और खुले इंडो- पैसिफिक की अहमियत पर चर्चा हुई. अमेरिका अपने कामगारों की चीन के अनुचित व्यापार और आर्थिक तरीकों से रक्षा करने को प्रतिबद्ध है. ताइवान पर अमेरिका ने कहा कि पहले की ही तरह वन चाइना पॉलिसी पर टिका है लेकिन समझौतों के तहत एक तरफा यथास्थिति बदलने के खिलाफ है. राष्ट्ररति शी जिनपिंग ने ताइवान के सवाल पर नीतिगत स्थिति सामने रखी. कहा कि ताइवान स्ट्रेट में नए तनाव की लहर है जिसकी वजह ताइवान के अधिकारियों की स्वतंत्रता के एजेंडे के लिए अमेरिकी समर्थन की कोशिश है. साथ ही कुछ अमेरिकीयों की ताइवान को चीन को रोकने के लिए इस्तेमाल करने की मंशा है. ये खतरनाक है- वैसे ही जैसे आग से खेलना...जो भी आग से खेलता है, जलता है. राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि सभ्यताएं बड़ी और कई प्रकार की होती हैं, लोकतंत्र भी ऐसा ही है. लोकतंत्र का कोई एक खाका, चाबी नहीं और थोक उत्पादन नहीं होता. कोई देश लोकतांत्रिक है या नहीं ये उसके लोगों को ही तय करने दें. जो लोकतंत्र अपने जैसा नहीं उसे खारिज कर देना भी अलोकतांत्रिक है. परस्पर आदर के आधार पर चीन मानवाधिकारों पर बातचीत के लिए भी तैयार है लेकिन मानवाधिकार को आधार बनाकर दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखलंदाज़ी का विरोध करते हैं. चीन के लोगों ने हमेशा अमन को चाहा और अहमियत दी है. आक्रामकता या आधिपत्य जमाना उनके खून में नहीं. जब से चीन बना है उसने एक बार भी ना तो कोई युद्ध और ना ही कोई झड़प शुरू की है. चीन ने कभी किसी भी देश की एक इंच ज़मीन भी नहीं ली. तो ये सब चीन ने बातचीत में अमेरिका को कहा है. साथ ही ये भी जोड़ दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा को ज़रूरत से ज्यादा खींच कर चीन के व्यापार को दबाने की कोशिश ना करें, बीमारी (कोविड) से निबटने का तरीका विज्ञान है, इसका राजनीतिकरण करेंगे तो नुकसान ही होगा. शी जिनपिंग ने ये भी कह दिया कि उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति बाइडेन राजनीतिक नेतृत्व दिखाएंगे और अमेरिका की चीन नीति वापस विवेकपूर्ण और व्यवहारिक रास्ते पर लाएंगे. अब आप कुछ ही पहले का इतिहास देख लें तो चीन के इन बयानों पर आशचर्य भी होता है और ये भी समझ में आता है कि कैसे वो अपना पक्ष मनवाने पर तुला हुआ है.

दल बदलने वालों का नया ठिकाना बन रही है समाजवादी पार्टी, अखिलेश यादव का जोश हाई

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां शुरू हो चुकी हैं। हर पार्टी जीत का दावा कर रही है। सभी राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर अपने-अपने समर्थकों के साथ माहौल बनाने में जुटे हैं। हवा का रूख भांप कर कुछ नेता पाला भी बदल रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी 'मार' बहुजन समाज पार्टी (बसपा) पर देखने को मिल रही है। एक-एक कर बसपा के दिग्गज नेता पार्टी छोड़ते जा रहे हैं, लेकिन इसमें से अधिकांश नेताओं का नया ठौर-ठिकाना समाजवादी पार्टी ही बन रही है। इससे अखिलेश यादव एवं उनके कार्यकर्ताओं का जोश हाई है, वहीं बसपा सुप्रीमों मायावती बिफरी हुई हैं। वह समाजवादी नेताओं को अपने हिसाब से आईना दिखाते हुए यह समझाने में लगी हैं कि सपा उन बसपा नेताओं को गले लगा रही है जिनको उन्होंने उनकी हरकतों के चलते हाशिये पर डाल दिया था। कुछ नेताओं को तो पार्टी से बाहर का रास्ता तक दिखाया दिया गया था। जिस तरह से बसपा नेता पार्टी से किनारा कर रहे हैं, उससे बसपा के वोटर और दलित चिंतक भी हैरान-परेशान हैं। इनको लगता है कि ऐसा ही माहौल रहा तो बसपा के कोर वोटर समझे जाने वाला मतदाता भी नेताओं की तरह दूसरे दलों का दामन थाम सकते हैं। यह बात हवा में नहीं कही जा रही है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी ने दलित वोटरों को लुभाने के लिए रणनीति बनाकर उसको अमली जामा पहनाना भी शुरू कर दिया है। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा अपनी लंबित योजनाओं के शिलान्यास और घोषणाओं के जरिए लोगों तक पहुंचने में तो जुटी ही है। इसके अलावा उसके द्वारा दलित वोटरों को भी लुभाने के लिए दलित समाज के महापुरुषों का महिमामंडन करने के साथ उनके नाम पर सड़क और परियोजानाओं के नाम भी रखे जा रहे हैं। वहीं सपा, बसपा, कांग्रेस सहित अन्य दल जनसभाओं, प्रदर्शनों के साथ दलितों के बीच अपनी ताकत बढ़ाने में लगे हैं। इसीलिए दलित उत्पीड़न की छोटी से छोटी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर हाय-तौबा मचाई जा रही है। खैर, सियासत में दल बदल करना नई बात नहीं है, लेकिन एक

देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा अपनी लंबित योजनाओं के शिलान्यास और घोषणाओं के जरिए लोगों तक पहुंचने में तो जुटी ही है। इसके अलावा उसके द्वारा दलित वोटरों को भी लुभाने के लिए दलित समाज के महापुरुषों का महिमामंडन करने के साथ उनके नाम पर सड़क और परियोजानाओं के नाम भी रखे जा रहे हैं। वहीं सपा, बसपा, कांग्रेस सहित अन्य दल जनसभाओं, प्रदर्शनों के साथ दलितों के बीच अपनी ताकत बढ़ाने में लगे हैं। इसीलिए दलित उत्पीड़न की छोटी से छोटी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर हाय-तौबा मचाई जा रही है।

दल के ज्यादातर बड़े चेहरों का बागी हो जाना पार्टी के जनाधार के लिए भारी नुकसान है। कभी यूपी में सबसे ज्यादा सुरक्षित वोट बैंक वाली पार्टी बसपा कही जाती थी, लेकिन 2016 से बसपा में जो भगदड़ मची है, वो थमने का नाम नहीं ले रही है। बसपा से टूट के बाद बड़े नेताओं ने भाजपा, सपा, कांग्रेस में अपनी जगह बनाई है। बीते विधानसभा चुनाव में कई बड़े नेता भाजपा में शामिल हुए। बसपा में कई नेता पार्टी से अलग हुए हालांकि दलित वोट बैंक पर मायावती की पकड़ इतनी मजबूत रही कि पार्टी सब चेहरों से हमेशा भारी रही। अब ऐसा नहीं है, बसपा से पहली कतार के सभी नेताओं ने बगावत कर अपना रास्ता बना लिया। बहुजन समाज पार्टी से अलग होने वाले दिग्गज नेताओं के नामों की फेहरिस्त लंबी है। बीते सात सालों में ऐसे पार्टी नेताओं ने मायावती का साथ छोड़ा जिनके जाने से पार्टी का एक धड़ा पूरी तरह से टूट गया। कभी पार्टी में नंबर दो की हैसियत रखने वाले पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दकी, पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य, पूर्व मंत्री इंद्र जीत सरोज, पूर्व मंत्री केके गौतम, पूर्व मंत्री आरके चौधरी, पूर्व विधायक गुरु प्रसाद मौर्या, पूर्व विधायक प्रवीन पटेल, पूर्व विधायक दीपक पटेल, पूर्व मंत्री रामअचल राजभर, पूर्व मंत्री लालजी वर्मा, पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी, पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा ऐसे सैंकड़ों नाम हैं, जो पार्टी छोड़ गए। बसपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आरएस कुशवाहा ने बीते दिनों हाथी की सवारी छोड़कर साइकिल पर चलना मुफीद समझा। उन्होंने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। मुजफ्फरनगर से बहुजन समाज पार्टी के पूर्व सांसद कादिर राणा भी समाजवादी पार्टी की साइकिल पर सवार हो लिए हैं। इन नेताओं ने पार्टी छोड़ते हुए बसपा पर अपने मूल सिद्धांतों से समझौते का आरोप लगाया है। हालांकि बहुत दिनों बाद पार्टी से अलग होने वाले नेताओं ने मायावती पर पैसे की वसूली का आरोप नहीं लगाया। आरएस कुशवाहा बसपा ही नहीं, अपनी बिरादरी के बड़े चेहरे माने जाते थे। 30 साल तक बहुजन समाज पार्टी में काम करने के बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। आज की तारीख में बसपा में सतीश चन्द्र मिश्रा को छोड़कर पूरा मंच खाली है। बसपा से अलग हुए ओबीसी और दलित वोटों पर भाजपा और सपा बराबर नजर लगाए हैं। यूपी में ओबीसी और दलित वोट बैंक पर अपनी नजर जमाए भाजपा और संघ भी इस मुहिम में जुटे हैं कि कैसे दलित वोट अपने खेमे में किया जाए। सूत्रों की मानें तो संघ के पिछड़े चेहरों को मैदान में उतार दिया गया है जो गोष्ठियों और जनसंपर्क कर सरकार की योजनाएं समझा रहे हैं। प्रदेश में दलित वोट बैंक लगभग 20 से 22 फीसदी है, जिसको साधने में भाजपा सफल हुई तो आने वाले चुनाव में एक बार फिर उसके लिए सत्ता आसान होगी। भाजपा का दावा रहा है की बीते चुनाव में ओबीसी और दलित वोट बड़े पैमाने में उनके खेमे में गए थे। बात समाजवादी पार्टी की कि जाए तो वह भी बसपा के कोर वोटबैंक पर निगाह लगाए हुए है। प्रयास यही है कि दलित वोटरों को किसी न किसी तरह अपने पाले में कर लिया जाए। इसके लिए सपा द्वारा नए सिरे से रणनीति बनाई गई है। इसकी शुरुआत सुरक्षित 85 सीटों से की गई है। इन सीटों पर बाबा साहब के सपनों को पूरा करने का संकल्प दिलाया जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी कभी कांशीराम के नजदीकी रहे और वर्तमान में सपा में आए पूर्व कैबिनेट मंत्री केके गौतम को सौंपी गई है। सपा की ओर से विभिन्न जातियों पर फोकस करते हुए यात्राएं निकाली जा चुकी हैं। सपा के रणनीतिकार दलित जातियों में बसपा का कोर वोट बैंक रहे जाटव बिरादरी को अपनी विजय यात्रा के लिए जरूरी मानते हैं क्योंकि दलित जातियों में पासी, सोनकर, धोबी आदि जातियां सपा और भाजपा दोनों के साथ रही हैं, लेकिन बसपा के लिए यह अच्छी खबर है कि करीब 12 फीसदी भागीदारी वाली जाटव बिरादरी अभी भी पूरी मजबूती से मायावती के साथ डटी है। उधर, समाजवादी पार्टी इसी वोट बैंक में सेंधमारी में फिराक में है। सपा चाहती है कि इस वोट बैंक के अपने पाले में आने से उसकी गठरी भारी होगी। इसी रणनीति के तहत जाटव बिरादरी के नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। पहले चरण में प्रदेश की 85 सुरक्षित सीटों पर फोकस किया गया है। इन सीटों की जिम्मेदारी पूर्व कैबिनेट मंत्री केके गौतम को सौंपी गई है। पूर्व मंत्री गौतम कभी बसपा के कैडर प्रशिक्षक रहे हैं। कांशीराम से लेकर मायावती के जमाने में भी उनकी संगठनात्मक हनक रही है। अब वह सपा के साथ हैं। उनके आने से पार्टी को दोहरा फायदा हो रहा है। एक तो वह जाटव बिरादरी से हैं। दूसरी तरफ वह बसपा के काडर रहे हैं। ऐसे में वह दलितों की नब्ज को भी अच्छे से समझते हैं। वह बिना मायावती पर निशाना साधे बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के सपने को साकार करने का संकल्प दिला रहे हैं। वह यह भी समझाते हैं कि बदली परिस्थितियों में समाजवादी पार्टी को सत्ता में लाना क्यों जरूरी है? वह सीतापुर जिले के मिश्रिख, फर्रुखाबाद के कायमगंज, कन्नौज, हरदोई के सांडी, रायबरेली के बछरावां, प्रयागराज के कोराव, सोरांव, फतेहपुर के खागा आदि सुरक्षित सीटों पर सम्मेलन कर चुके हैं। हर क्षेत्र में सम्मेलन के बाद वह अपनी टीम के साथ जाटव बिरादरी के कार्यकर्ताओं के घर जाकर चौपाल लगा रहे हैं। इस चौपाल में भी सपा के लिए जाटव बिरादरी का साथ मांगा जा रहा है। फिलहाल यह कसरत कितनी कारगर होगी, यह तो समय बताएगा।

रोडवेज़ बनाम रन-वे : यूपी की बसों और डिपो को विकास का इंतज़ार

रन-वे के दौर में रोड-वेज़ की बात. दास्सों कंपनी के जहाज़ों के सामने डिपो की वीरता का बखान बेहद ज़रूरी है. सर्वप्रथम डिपो की परिभाषा. डिपो उस एयरपोर्ट को कहते हैं जहां पर ज़मीन पर उड़नेवाली वाली बसें निकलती हैं और वापस आती हैं. यहां पर हर दिन लाखों यात्री बस से उतरते हैं, बस में चढ़ते हैं. बड़े बड़े एयरपोर्ट बिक गए लेकिन डिपो नहीं बिका है. उत्तर प्रदेश के डिपो की कहानी सुनाने का मौका नहीं मिलता अगर आज कई ज़िलों के डिपो से बसों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम हेतु रवाना नहीं किया गया होता. इन सभी बसों के आगे बैनर लगे हैं. इन्हें कोड नंबर भी दिया गया है. इन सभी में गांव गांव से लोग लाए गए हैं. लोग भी और लाभार्थी भी. सुल्तानपुर की तरफ पहुंच रही इन बसों के कारण को कवर कर रहे थे क्योंकि जहां से ये बसें लाई गईं हैं वहां के यात्री सड़कों पर भटक रहे थे. ये तो कार्यक्रम में लाए गए लोगों की दास्तां है, इनके कारण जो कहीं नहीं पहुंच सके उनकी दास्तां अब आगे देखिए. अगर आपसे कहा जाए कि रोडवेज़ यानी सरकारी बसों पर एक ललित निबंध लिखें तो आप लट-पटा जाएंगे. मुमकिन है कि आप इन बसों को कोसने लग जाइएगा. अगर आप इन बसों में नियमित चलने वाले हैं तो कई शिकायतों के बाद भी इन्हीं के आने-जाने के इंतज़ार का अद्भुत रस आपके भीतर प्रवाहित होता ही होगा. और अगर आप इन बसों में नहीं चलते हैं तो यह भी मुमकिन है कि अपनी कार को लेकर इन बसों से चिढ़े रहते होंगे, डरे रहते होंगे. इन्हें ओवरटेक करते समय अपनी अपनी पसंद के ईष्ट को याद करते हैं कि जल्दी से इन्हें पार कर जाएं, पता नहीं कब ये बसें इधर-उधर मुड़ जाएं. मेरी राय में यह सब आपके मन की दुविधा और दुर्भावना है. भले ही आप राजनीति में लौह पुरुष को आदर्श मानते हों लेकिन लोहे के जैसी रोडवेज़ की इन बसों को देखते ही घबरा जाते हैं. इन बसों में प्रयुक्त लौह अयस्क की मात्रा के कारण ही आप रास्ता देने के लिए रास्ते में रास्ता खोजने लगते हैं. रोडवेज़ की बसों की खड़खड़ाहट से आपकी कार की कमोल त्वचा ठिठुर जाती है और हॉर्न बजाने से पहले कार साइड हो जाती है. हर वक्त चमचमाती गाड़ियों को देखने की नज़र का जबसे विकास हुआ है उन तमाम नज़रों में ये बसें पिछड़ी नज़र आती हैं. राष्ट्रीय सैंपल सर्वे के अनुसार भारत में 66 प्रतिशत लोगों बसों से यात्रा करना पसंद करते हैं. बसें भी यात्रियों को खूब पसंद करती हैं तभी तो टूटी फूटी हालत में भी उन्हें ढोती रहती हैं. इन बसों के यात्रियों के मन में यह बस राज्य व्यवस्था का जीवित साहित्य है. इनकी फर्श बता रही है कि मानव आज भी यात्री हैं. बारिश और सर्दी के दिनों में खिड़कियों के होने का पता चलता है. अगर किसी यात्री के भाग्य में बिना शीशे वाली खिड़की मिल गई तो फिर उसकी रक्षा न तो मफलर कर सकता है और न छाता. इन बसों का गियर निजी मामला नहीं है बल्कि इनके बदले जाने की सूचना बस के हर यात्री को मिल जाती है चाहे वो कहीं बैठा हो. जब चालक स्टियरिंग घुमाता है तो हर यात्री के भीतर पौराणिक कथाएं जीवंत हो जाती हैं जैसे किसी ने अपनी उंगली से धरती को घुमा दिया है और इसी के साथ हम हम कलयुग से सतयुग की तरफ प्रस्थान करते हैं. रोडवेज़ की बसों में सफर कर रहे हैं. रोडवेज़ की बसों के उल्लेखनीय योगदान की चर्चा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि ये बसें न होतीं तो आज यूपी की राजनीति में लड़ाकू विमानों के राजनीतिक योगदान को देखने के लिए हज़ारों या लाखों कैसे पहुंच पाते. यूपी के अखबारों में छपी चंद ख़बरों से पता चलता है कि बसों को इन दिनों प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों में लोगों को लाने के लिए लगाया जा रहा है. आप धीरज से सुनिएगा क्योंकि मैं धीरज से पढ़ने वाला हूं. सुकून में दिखे कार्यकर्ता, प्रशासन पर भीड़ जुटाने का जिम्मा. अमर उजाला के अश्विनी सिंह की यह ख़बर कमाल की है. इस खबर के अनुसार बीजेपी के कार्यकर्ता सुकून में हैं और प्रशासन बीस हज़ार लोगों को भेजने का टारगेट पूरा कर रहा है. खबर में लिखा है कि अंबेडकर नगर ज़िले के सभी ब्लाक में 396 बसें भेजी गईं हैं जिनसे सरकारी कार्यक्रमों के लाभार्थी लाए जाएंगे और भीड़ भी. 15 नवंबर के दैनिक भास्कर की यह खबर है कि पीएम की रैली के लिए रोडवेज की 170 बसें सुल्तानपुर रवाना. प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में दो लाख लोगों को लाने का लक्ष्य रखा गया है और इसके लिए 2000 बसें लगाई जाएंगी. हिन्दुस्तान में छपी इस खबर के अनुसार पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन समारोह में लोग शामिल हो संके इसलिए कन्नौज डिपो की 18बसें सुल्तानपुर और अयोध्या भेजी गई हैं. 14 नवंबर के हिन्दुस्तान की खबर है कि सुल्तनानपुर में भाजपा की रैली में बरेली रोडवेज की बसें गई हैं जिससे यात्री परेशान हैं

चित्रकूट में प्रियंका गांधी : महिलाओं में जोश भरते हुए बोलीं- सुनो द्रोपदी शस्त्र उठा लो अब गोविंद ना आएंगे

चित्रकूट । कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी जनता का दिल जीतने बुधवार को धर्मनगरी पहुंचीं। प्रियंका ने स्वामी मत्स्यगजेंद्रनाथ मंदिर में पूजन कर सभी का अभिवादन किया। मंदिर में पूजन के बाद प्रियंका मंदाकिनी किनारे बने मंच पर पहुंची।

प्रियंका ने महिलाओं में भरा जोश

अपने संबोधन में प्रियंका ने कहा कि प्रदेश की स्थिति बहुत खराब है। खाद की लाइन में खड़े-खड़े कई लोगों ने जान गंवाई। कोरोना काल में भाजपा सरकार फ्लॉप रही। महिलाओं में जोश भरते हुए प्रियंका ने कहा कि- बहुत हुआ इंतजार अब, सुनो द्रोपदी शस्त्र उठालो अब गोविंद ना आएंगे। औरों से कब तक आस लगाओगी। कैसी रक्षा मांग रही हो दुशासन दरबारों से। महिलाओं को एक जुट होकर राजनीति में अपना हक मांगना चाहिए। कांग्रेस पार्टी 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देगी। उन्होंने अपना प्रतिज्ञा पत्र महिलाओं को पढ़कर सुनाया। कहा कि किसानों का पूरा कर्जा माफ किया जाएगा।

हिंसा खत्म करने के लिए महिलाओं को आगे आना होगा

प्रियंका ने कहा कि आज की राजनीति में बहुत नफरत फैला दी गई है। लखीमपुर कांड में एक केंद्रीय मंत्री के बेटे ने किसानों को मारा है। सरकार भी मंत्री को बचाने का काम कर रही है। राजनीति में हिंसा खत्म करने के लिए महिलाओं को आगे आना होगा।

महिलाओं ने सुनाई संघर्ष की कहानी

प्रियंका ने महिलाओं के साथ संवाद किया। प्रियंका के सामने स्वयं सहायता समूह चलाने वाली बिठारी गांव की गिरजा देवी और आंगनबाड़ी कार्यकर्ती मिथिलेश देवी ने अपने संघर्ष की कहानी बताई।

यह भी कहा कि भाजपा शासनकाल में उनके कामों की कोई वैल्यू नहीं हो रही है। उनका मानदेय भी नहीं बढ़ाया जा रहा है। बताया कि कोरोना काल में भी स्वास्थ्य विभाग और सरकार ने उनसे हर दिन समाज के बीच में जाकर काम कराने को कहा गया। काम के दौरान जरूरी सामग्री खुद लेकर जानी पड़ी और कोई खर्च भी नहीं मिला।

महराजगंज में स्कूल जा रहे दो बच्चों समेत तीन का दिनदहाड़े अपहरण, सनसनी

महराजगंज। महराजगंज के कोल्हुई थाना क्षेत्र के मदर मरियम स्कूल पर बच्चों को पढ़ने के लिए कार से छोड़ने जा रहे दूसरे पति व दो बच्चों का कुछ लोगों ने असलहे के बल पर बुधावार की सुबह साढ़े आठ बजे के करीब अपहरण कर लिया। दो गाड़ियों से आए 12 की संख्या में बदमाश तीनों को लेकर नौगढ़ की तरफ लेकर फरार हो गए। दिन दहाड़े हुई इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बच्चों की मां तरन्नुम अहमद ने गोरखपुर निवासी तलाकशुदा पति सउद अहमद पर अपहरण का आरोप लगाते हुए पुलिस से गुहार लगाई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पड़ोसी सिद्धार्थनगर पुलिस को भी अलर्ट कर दिया गया है।

यह है मामला-पुलिस को दिए गए तहरीर में पीड़िता तरन्नुम अहमद ने

बताया कि पांच वर्ष पूर्व उसका पहले पति से तलाक हो चुका है। अब वह अपने मायके कोल्हुई में गोरखपुर निवासी दूसरे पति समद फराज के साथ रहती है। बुधवार को उसके दूसरे पति समद बच्चों मु. अहमद व बेटी श्रीद्धा फातिमा को स्कूल छोड़ने कार से जा रहे थे ।

अभी वह घर से चंदनपुर स्कूल के पास पहुंचे ही थे कि पहला पति अपने समर्थकों के साथ गाड़ी को ओवरटेक कर रोक लिया, और असलहे के बल पर दोनों बच्चों व दूसरे पति समद को अपने साथ लाए दो गाड़ियों में लेकर फरार हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई । गोरखपुर आरोपित के घर भेजी गई पुलिस-अपहरण की घटना होने के बाद महराजगंज, सिद्धार्थनगर और गोरखपुर पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है । पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने बताया कि पुलिस की एक टीम को आरोपित के गोरखपुर स्थित मकान पर भी भेजा गया है । उसके व उसके साथियों की तलाश के लिए सर्विलांस और साइबर सेल की टीम को भी जांच एम लगाया गया है । आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर शीघ्र ही गिरफ्तारी की जाएगी। पारिवारिक विवाद से जुड़ा मामला है। आरोपितों की लोकेशन नौगढ़ के तरफ मिली है।

पीडीडीयू जंक्शन के पास मालगाड़ी के आठ वैगन बेपटरी, डाउन लाइन में परिचालन बाधित

चंदौली। पीडीडीयू नगर जंक्शन स्थित यार्ड में बुधवार सुबह छह बजकर 27 मिनट पर मंडल के इलाहाबाद लाइन पर जीवनाथपुर स्टेशन के बीच गेट संख्या - 112- सी के पास चरू 675/14, 16, 18 पर ब्लाक हट के व एनसीडब्ल्यू के बीच गाड़ी संख्या- डीएन/सीईडी पावर नम्बर 33245 (लोडेड कन्टेनर) का आठ वैगन पटरी से पलट गया। इस दौरान लाइन को तोड़ते हुए खेत में गिरने से आवागमन में दिक्कत शुरू हो गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार पीडीडीयू जंक्शन के पास मालगाड़ी की बोगियां पलटने से रेल संचालन में कोई बाधा नहीं आई है। सभी गाडियों को वाराणसी की ओर से होकर संचालित किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार दुर्घटना के कारण डाउन लाइन का परिचालन बंद हो गया है। मौके पर वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त, एडीआरएम, वरीय मंडल परिचालन डीडीयू सभी घटना स्थल पर मौजूद रहे और यातायात बहाली के लिए सक्रिय रहे। बताया कि गुजरात के राजकोट से सियालदह के पास काशीपुर स्टेशन यह ट्रेन जा रही थी। वहीं हादसे के बाद सभी गाड़ियों को व्यासनगर से रूट बदलकर बनारस की तरफ से संचालित किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार पूरे कंटेनर में टाइल्स लदी हुई हैं।

बनारस हाट एयर बैलून राइड का बन सकता है हब, सुबह से काशी के आकाश में ऊंची उड़ान

वाराणसी। धार्मिक व सांस्कृतिक राजधानी काशी पर्यटकों को सदैव लुभाती रही है। काशी की संस्कृति के संग गंगा घाट, महात्मा बुद्ध की कर्मभूमि सारनाथ समेत अन्य पर्यटन स्थल को देखने के लिए दुनिया से प्रति वर्ष हजारों पर्यटक यहां आते हैं। अब पर्यटक आसमान से भी काशी की सुंदरता निहार सकेंगे। यह उम्मीद 17 सुबह से शुरू हो रहे अंतरराष्ट्रीय बैलून फेस्टिवल से जगी है। वहीं बुधवार की सुबह से बनारस के आसमान में रंग बिरंगे भारी भरकम गुब्बारों में उड़ने के लिए लोगों में खूब उत्साह नजर आया। सुबह धुंधलके में लोगों ने बैलून में उड़ान भरकर सुबहे बनारस का नजारा लिया। कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने कहा कि वेंडर काशी में हाट एयर बैलून राइड को लेकर खासा उत्साह दिखा रहे हैं। साथ ही इस सेवा के लिए स्थायी स्टेशन स्थापन की चाहत है। पर्यटन को बढ़ावा देने को लेकर खासा संभावनाएं भी जता रहे हैं। वेंडरों का कहना है कि यह प्रदेश का बहुत बड़ा हब बन सकता है। जयपुर में यह सेवा सफल है। पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। भागदौड़ के इस दौर में सभी कुल पल शांति से गुजारना चाहते हैं। हाट एयर बैलून राइड से बेहतर कुछ नहीं हो सकता है। यह एडवेंचर भी है। युवाओं में यह बहुत पापुलर हो चुका है। कमिश्नर ने कहा कि वेंडरों के उत्साह को देखते हुए इस दिशा में आगे कदम बढ़ाया जाएगा। देव दीपावली के बाद इस पर कुछ ठोस निर्णय हो सकता है। जमीन से एक हजार फीट की ऊंचाई पर सफर ~ हाट एयर बैलून राइड जमीन से एक हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भरता है। इसकी उड़ान हवा की दिशा पर निर्भर करता है। लगभग एक घंटे तक यह आसमान रह सकता है। किसी एक स्थल पर इसे उतारा नहीं जा सकता है। यह हवा के मूवमेंट पर निर्भर करता है। यही एडवेंचर भी है। आसमान से आप पूरी काशी को निहारेंगे।

विहिप के पूर्व संरक्षक अशोक सिंहल की पुण्य तिथि पर कर्मभूमि में नमन

प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक रहे अशोक सिंहल की छठीं पुण्यतिथि उनकी कर्मभूमि यानी प्रयागराज में मनाई जा रही है। इस अवसर पर आज बुधवार को संगमनगरी के लोगों ने उन्हें नमन किया। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन से लेकर राष्ट्र जागरण के लिए चलने वाली सभी मुहिम में वह अग्रणी भूमिका निभाते थे। जगह-जगह होने वाले आयोजनों में उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर चर्चा की गई। तमाम वक्ताओं ने उन्हें हिंदू जागरण का अग्रदूत बताया। कहा कि जाति, वर्ग और भाषाई आधार पर बंटे हिंदू समाज को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने की कार्ययोजना अशोक सिंहल ने ही बनाई थी। विहिप के प्रांतीय कार्यालय केसर भवन में श्रद्धांजलि सभा की गई। सुंदरकांड का भी आयोजन किया गया। इसमें जिले भर के विहिप कार्यकर्ता शामिल हुए। अन्य संगठनों के सदस्य भी श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए केसर भवन आ रहे हैं। यहां अपराह्न दो बजे से प्रसाद वितरण शुरू होगा। इसमें संघ विचार परिवार के पदाधिकारी व सदस्य शामिल होंगे। संगठन के प्रवक्ता अश्वनी मिश्र

ने बताया कि आयोजन की तैयारी मंगलवार शाम से शुरू हो गई थी। उधर, अरुंधती वशिष्ठ अनुसंधान पीठ, महावीर भवन हाशिमपुर रोड पर भी उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। शाम चार बजे के बाद लोक जीवन में भारतीय चेतना विषय पर व्याख्यान का भी आयोजन किया गया है। मुख्य वक्ता पद्म श्री सम्मान से सम्मानित डा. कपिल तिवारी होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के सदस्य प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा करेंगे। अरुंधती वशिष्ठ अनुसंधान पीठ के राष्ट्रीय संयोजक चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि विहिप भारतीय जनमानस को जगाने में जुटी है। अशोक सिंहल ने अपने जीवनकाल में राष्ट्रीय चेतना का संचार किया। हिंदू समाज को संगठित करने में जुटे रहे। उन्हें सांस्कृतिक महाजागरण का पुरोधा कहना गलत न होगा। उस अभियान को अब भी जारी रखा गया है। वह कहते थे कि यह विषय बार-बार आता है कि हमारी पहचान क्या है। वास्तव में हमारे भटकाव का मुख्य कारण यही है कि हमें हमारी पहचान का और यहां रहने वाले समाज की पहचान का सही बोध नहीं हो पा रहा है। भारत की पहचान संसार के सामने ठीक करना यह हमारी सांस्कृतिक स्वतंत्रता का प्रथम लक्ष्य है।

गोरखपुर में 39 बदमाश जिला बदर किए गए, 203 के शस्त्र लाइसेंस निलंबित

गोरखपुर। विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। पुलिस की रिपोर्ट पर जिलाधिकारी न्यायालय से आपराधिक कृत्यों में लिप्त 39 बदमाशों को जिला बदर किया गया है। 203 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं और गैंगेस्टर में निरुद्ध 21 लोगों की चल-अचल संपत्ति जब्त की गई है। जब्त संपत्ति की निगरानी के लिए तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को प्रशासक बनाया गया है। विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर जिला प्रशासन ने शुरू की सख्ती-विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न हो सके, इसके लिए पूरे जिले में ऐसे लोगों को चिह्नित किया जा रहा है, जिनसे शांति-व्यवस्था को खतरा हो सकता है। अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की रिपोर्ट के बाद डीएम ने की कार्रवाई-पुलिस की रिपोर्ट के बाद डीएम कोर्ट ने आपराधिक मामलों में संलिप्त पाए जाने एवं शस्त्र का दुरुपयोग करने पर बड़े पैमाने पर लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। जिले में शराब की तस्करी करने वाले एवं

गोवंश की तस्करी एवं गोवध में संलिप्त लोगों पर भी कार्रवाई की जा रही है। तस्करी में लिप्त 22 वाहन को राज्य सरकार के पक्ष में जब्त किया गया है। इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। शांति व्यवस्था में खलल डालने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले की कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए अपराधियों पर कार्रवाई की गई है। अधिकारियों को भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। जिन बदमाशों को जिला बदर किया गया है, उनपर नजर रखी जाएगी। आदेश का पालन न करने की दशा में कार्रवाई होगी। स्थानीय पुलिस को भी इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। अभी और भी बदमाशों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

नीट परीक्षा में धांधली में लिप्त फरार दो आरोपितों पर 20-20 हजार का इनाम

वाराणसी। राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा (नीट) में धांधली का प्रयास करने वाले साल्वर गिरोह के दो आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए उन पर 20 - 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस आयुक्त ए. सतीश गणेश ने बताया कि लखनऊ के डा. अफरोज और त्रिपुरा के मृत्युंजय देबनाथ पर इनाम घोषित किया गया है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गई हैं। दोनों आरोपितों के खिलाफ पूर्व में कोर्ट से गैर जमानती वारंट भी जारी किया गया है। दोनों अग्रिम जमानत लेने के प्रयास में थे। इससे पहले ही पुलिस ने दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट प्राप्त कर लिया था। उधर, पुलिस आयुक्त ने इस प्रकरण की प्रगति की समीक्षा की और विवेचना में तेजी लाने के निर्देश दिए। विवेचना प्रभावी और पारदर्शी तरीके से जल्द पूरी कर आरोपितों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाए। पुलिस आयुक्त ने बताया कि साल्वर गिरोह के सरगना नीलेश उर्फ पीके के अलावा आजमगढ़ के मुंतजिर, लखनऊ के अफरोज, पालपारा साउथ त्रिपुरा के दिव्य ज्योति नाग, त्रिपुरा के मृत्युंजय देब नाथ, बेंगलुरु के आशुतोष राव उर्फ अंश के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी है। चार अभ्यर्थियों ने दर्ज कराए बयान, कराई वीडियोग्राफी पुलिस आयुक्त ने बताया कि साल्वर गिरोह के संपर्क में आए जिन 16 अभ्यर्थियों को जवाब देने के लिए नोटिस जारी किया गया था, उन सभी का बयान रिकार्ड होने के बाद उनके संबंध में आगे निर्णय लिया जाएगा। इस बीच मंगलवार को चार अभ्यर्थी अपना बयान दर्ज कराने विवेचक के पास पहुंचे। इनमें दो पटना के हैं। उनके बयान की वीडियोग्राफी कराई गई। इनके फिंगर प्रिंट भी लिए गए। उन्हें परीक्षण के लिए लखनऊ स्थित स्टेट फिंगर प्रिंट ब्यूरो भेजा जाएगा। बता दें नीट परीक्षा के साल्वर गैंग के संपर्क में आए 16 अभ्यर्थियों को जवाब देने के लिए पत्र भेजा गया था। जवाब नहीं देने पर कोर्ट के जरिए अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। नोटिस के दायरे में आए अभ्यर्थियों में सबसे अधिक त्रिपुरा के आठ अभ्यर्थी हैं। 12 सितंबर को हुआ था साजिश का राजफाश ~ सारनाथ स्थित एक स्कूल में विगत 12 सितंबर को नीट का आयोजन किया गया था। परीक्षा में त्रिपुरा की अभ्यर्थी हिना विश्वास की जगह परीक्षा दे रही बीएचयू की बीडीएस की छात्र जूली कुमारी व परीक्षा केंद्र पर मौजूद उसकी मां बबिता देवी को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के एमबीबीएस का छात्र ओसामा शाहिद और जूली के भाई अभय सहित चार अन्य आरोपित गिरफ्तार किए गए थे। फिलहाल सभी आरोपित जेल में बंद हैं। पुलिस को गिरोह के सरगना पीके उर्फ नीलेश सहित अन्य आरोपितों की तलाश है।

गरीब जरूरतमंद मरीजों का इलाज आसान कर रही पीएम जन आरोग्य योजना, जानें कैसे

प्रयागराज। आयुष्मान भारत जनआरोग्य योजना उन मरीजों के लिये फायदेमंद साबित हो रही है जो बड़े अस्पतालों में महंगा इलाज कराने में समर्थ नहीं हैं। इस योजना के तहत अब तक 25000 लोगों का मुफ्त इलाज हो चुका है। योजना से जुड़े जनपद प्रयागराज में कुल 164 अस्पताल हैं। इनमें 22 सरकारी व 142 निजी अस्पताल हैं। इन अस्पतालों में 23 सितंबर 2018 से 10 नवंबर 2021 तक 24 करोड़ रुपये से अधिक तक का निश्शुल्क इलाज लाभार्थियों का हुआ है। स्वास्थ्य विभाग इस राशि का भुगतान संबंधित अस्पतालों को कर भी चुका है। गंभीर बीमारियों के मरीजों को सर्वाधिक मिल रहा लाभ-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से अब तक लाभ पाने वालों में उनकी संख्या सर्वाधिक है जो जानलेवा बीमारियों का सामना कर रहे थे। इस योजना के तहत जिले में अब तक 25000 मरीजों का इलाज हो चुका है। एसीएमओ व आयुष्मान भारत योजना के प्रयागराज में नोडल अधिकारी डाक्टर राकेश चंद्र पांडेय ने बताया कि विभाग निरंतर लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के प्रयास में जुटा हुआ है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार कैंप व अन्य माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। बताया कि कुल 13 लाख 50 हजार 350 (13,50350) लोग आयुष्मान योजना के पात्र लाभार्थी हैं। इनमें से 3 लाख 49 हजार 758 (3,49758) लोगों को आयुष्मान कार्ड प्राप्त हो चुका है। यह लाभार्थी देश भर में आयुष्मान भारत योजना के संबद्ध सरकारी या निजी अस्पताल में पांच लाख रूपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। 80 हजार 49 अंत्योदय कार्ड धारक-नोडल अधिकारी डाक्टर राकेश चंद्र पांडेय ने बताया कि शासन के निर्देश पर सभी अंत्योदय कार्ड धारक परिवार को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाएगा। जनपद में करीब 80 हजार 49 अंत्योदय कार्ड धारक हैं। इसके लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के खाद्य एवं रसद विभाग में तैनात कोटेदार को अंत्योदय पंजीकृत कार्ड धारकों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का कार्य दिया गया है। जानें, कैसे बनवाएं आयुष्मान कार्ड-जिनके पास प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री की ओर से योजना संबंधी पत्र आया है या वह जो अंत्योदय कार्ड धारक हैं तो अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

सूर्यास्त के बाद भी होगा पोस्टमार्टम तो आम जन को मिलेगी सुविधा, स्वास्थ्य मंत्री के ट्वीट से जगी आस

प्रयागराज। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को ट्वीट किया कि अंग्रेजों के समय की व्यवस्था खत्म, अब 24 घंटे हो सकेगा पोस्टमार्टम । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के विचार को आगे बढ़ाते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि जिन अस्पतालों में रात को भी पोस्टमार्टम करने की सुविधा है, वह अब सूर्यास्त के बाद भी पोस्टमार्टम कर सकेंगे। इस बदलाव के लिखित आदेश का प्रयागराज के स्वास्थ्य विभाग को इंतजार है। आदेश आने के बाद ही उस पर अमल होगा। स्वास्थ्य मंत्री के ट्वीट से लोगों में आस जगी है। लोगों का कहना है कि अगर ऐसी व्यवस्था शुरू हो गई तो आम जन को सुविधा मिलेगी। दूर-दूर से आने वालों के मरीजों के निधन पर

सुबह तक उन्हें परेशान नहीं होना पड़ेगा। तत्काल रात में ही पोस्टमार्टम हो सकेगा। फिलहाल मंगलवार दिन भर में आठ शवों का पोस्टमार्टम हुआ। शाम के बाद कोई शव नहीं लाया गया। इसलिए पोस्टमार्टम नहीं हुआ। सीएमओ डा. नानक सरन ने बताया कि 24 घंटे पोस्टमार्टम का आदेश पुराना है। चूंकि दिन की रोशनी में पोस्टमार्टम ठीक से हो पाता है। इसलिए अधिकतर पोस्टमार्टम दिन में ही किए जाते हैं। नियमित सुबह आठ से पांच बजे तक यह प्रक्रिया चलती है। विशेष परिस्थितियों में रात में पोस्टमार्टम सीएमओ और डीएम के आदेश पर किया जाता है। रात में पोस्टमार्टम करने के लिए अतिरिक्त लाइट की व्यवस्था करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि हत्या, आत्महत्या, दुष्कर्म, क्षत-विक्षत शरीर और संदिग्ध श्रेणियों के मामले के पोस्टमार्टम दिन में करने होते हैं।

यूपी के कृषि मंत्री का निर्देश, किसानों को इस माह के अंत तक फसल क्षतिपूर्ति का करें भुगतान

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को हुई क्षति के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्षतिपूर्ति का भुगतान इसी माह के अंत तक भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में बीमित 1.24 लाख किसानों को 74.35 करोड़ का भुगतान होना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत बीमा कंपनियों को राज्यांश के रूप में 283 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है। इसलिए उन्हें फसल क्षतिपूर्ति का भुगतान करने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। मंत्री शाही मंगलवार को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना व पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा की समीक्षा करते हुए कहा कि जिलों में अधिसूचित फसलों पर क्राप कटिंग प्रयोग प्राथमिकता पर कराएं। बीमा कंपनियों की ओर से किए गए क्षति का आकलन का वेरीफिकेशन जिला कृषि उप निदेशक से कराएं। मंत्री ने फास्फेटिक उर्वरकों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि अक्टूबर में 4.02 लाख टन के सापेक्ष 4.10 लाख टन की बिक्री हुई है। ऐसे ही नवंबर में 6.06 लाख टन के सापेक्ष अब तक 2.84 लाख टन की बिक्री हो चुकी है। प्रदेश में 3.79 लाख टन फास्फेटिक डीएपी व एनपीके आदि व 63 हजार टन सुपर फास्फेट खाद उपलब्ध है। शाही ने कहा कि सहकारी समितियों के गोदामों में 89 हजार टन डीएपी उपलब्ध है। 131 उर्वरकों की फास्फेटिक खाद की रैक 71 जिलों में पहुंच चुकी है ओर 60 रैक अगले दो दिन में जिलों में पहुंचेगी। केंद्र सरकार की ओर से 30 नवंबर तक तीन लाख टन फास्फेटिक खाद की आपूर्ति की जाएगी। मंत्री ने कहा कि किसानों की खाद से संबंधित समस्या को सुनने व उनके निस्तारण के लिए सहकारी क्षेत्र में पीसीएफ व कृषि निदेशालय के साथ हर जिले में कंट्रोल रूम स्थापित कराकर नंबर का प्रचार-प्रसार किया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि खाद बिक्री केंद्रों पर नोटिस बोर्ड लगाया जाए, उस पर उपलब्ध स्टाक की मात्रा और बिक्री मूल्य का स्पष्ट उल्लेख किया जाए। जिलाधिकारी अपने जिलों में इसकी निगरानी कराएं कि कोई खाद विक्रेता तय मूल्य से अधिक दाम पर उसे न बेचे। यहां अपर मुख्य सचिव डा. देवेश चतुर्वेदी, प्रबंध निदेशक पीसीएफ डा. मासूम अली सरवर, विशेष सचिव बृजराज यादव, संयुक्त निदेशक कृषि अनिल कुमार पाठक आदि मौजूद थे।

गोरखपुर में लगातार बढ़ रहा प्रदूषण, सांस लेने में हो रही तकलीफ

गोरखपुर। दीपावली के बाद से लगातार शहर व उसके इर्द-गिर्द का वायु प्रदूषण बढ़ा हुआ है। तापमान में गिरावट व वातावरण में नमी के चलते वाहनों व चिमनियों का धुआं पर नहीं उठ पा रहा है। प्रदूषण से सिर्फ शहर ही नहीं, बल्कि आस-पास की भी हवा खराब होने लगी है। इसके चलते लोगों को सांस लेने में भी तकलीफ हो रही है। गिरते तापमान व नमी के चलते ऊपर नहीं उठ पा रहा है धुआं-बीते चार नवंबर से शहर व उसके आस-पास की हवा में लगातार पीएम 2.5 व पीएम 10 (धूल के कणों की मात्रा) लगातार बढ़ रही है। चार नवंबर से जिले के तापमान में भी लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इसके साथ ही साथ वातावरण में नमी बढ़ी है। हवा की अधिकतम गति भी 10 किलोमीटर से कम

है। ऐसे में वायु शुद्धता सूचकांक(एक्युआई) का लेवल लगातार बढने् से मौसम व पर्यावरण के जानकारों का मानना है कि तापमान गिरने से वाहनों व चिमनियों से निकलने वाला धुआं व धूल के कण ऊपर नहीं उठ पा रहा है। इससे लोगों को कठिनाई हो रही है। ऐसे में लोगों को अपनी सेहत को लेकर सावधानी अपनानी होगी।

परीक्षा के दिन ही जारी होगा आंसर शीट, शाम तक जंच जाएंगी कापियां

गोरखपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने प्रथम चरण की बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जल्द घोषित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए परीक्षा के दिन ही कापियों का मूल्यांकन कराने का निर्णय लिया है। इसके तहत बोर्ड परीक्षा के दिन ही पेपर समाप्त होने के साथ ही दोपहर 1.30 बजे तक परीक्षा केंद्रों आंसर शीट जारी कर देगा। जिसके आधार पर स्कूल शाम तक ओएमआर शीट का मूल्यांकन कराकर चार बजे तक बोर्ड की वेबसाइट पर नंबर अपलोड कर देंगे। मूल्यांकन कर शाम चार बजे तक बोर्ड की पोर्टल पर अपलोड करने होंगे नंबर-नंबर अपलोड करने के बाद सभी परीक्षा केंद्र ओएमआर शीट एकत्र कर डाक के जरिए बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय को भेज देंगे। ऐसे में जैसे ही परीक्षा समाप्त होगी सीबीएसई 10 वीं व 12वीं के अंक जारी कर देगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जो आंसर शीट जारी करेगा वह सिर्फ परीक्षा केंद्रों के लिए होगा। जो सीबीएसई की वेबसाइट ओईसीएमएस (आनलाइन एग्जामिनेशन सेंटर मैनेजमेंट सिस्टम) पर उपलब्ध होगा, ताकि आंसर शीट सिर्फ परीक्षा केंद्रों को ही मिल सकें। इसके लिए बोर्ड केंद्रों को पहले ही पासवर्ड जारी कर चुका है। 23 तक पूरी करनी होगी प्रैक्टिकल की प्रक्रिया-सीबीएसई ने सभी स्कूलों से 23 दिसंबर तक प्रैक्टिकल पूर्ण कराने निर्देश दिए हैं। प्रैक्टिकल शुचितापूर्ण संपन्न कराने के लिए बोर्ड ने सभी स्कूलों को अलग से गाइडलाइन जारी किया है। ताकि किसी तरह की कोई संशय की स्थिति पैदा न हो। सीबीएसई ने परीक्षा के दिन ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर उसके नंबर पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। मूल्यांकन में किसी तरह की कोई परेशान उत्पन्न न हो इसके लिए बोर्ड परीक्षा के दिन ही दोपहर में संबंधित पेपर का आंसर शीट भी जारी कर देगा। इसकी जानकारी परीक्षा केंद्रों को दे दी गई है।

दुष्कर्म आरोपित सीडब्ल्यूसी का पूर्व अध्यक्ष गिरफ्तार, बेटी के नाम पर झांसा देकर महिला से किया था कुकृत्य

प्रयागराज। दुष्कर्म के आरोप में लंबे समय समय से फरार चल रहा बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) का पूर्व अध्यक्ष कमलेश सिंह यादव आखिर पुलिस की पकड़ में आ ही गया। उसे प्रयागराज की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फूलपुर निवासी कमलेश यादव के खिलाफ बीते माह कौशांबी की एक महिला ने कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। सीडब्ल्यूसी के पूर्व अध्यक्ष ने महिला को झांसा देकर दुष्कर्म किया था। उसकी पुलिस तलाश कर रही थी। बेटी को पति से वापस दिलाने के नाम पर दुष्कर्म किया- थाने में केस दर्ज कराने वाली महिला ने आरोप लगाया था कि मासूम बेटी को अपने पति से वापस दिलाने का झांसा देकर सीडब्ल्यूसी के पूर्व अध्यक्ष कमलेश सिंह यादव ने दुष्कर्म किया। उसे सिविल लाइंस, झूंसी और कोतवाली के बहादुरगंज स्थित एक मकान में जाकर दुष्कर्म किया गया। इसके बाद भी महिला को उसकी बेटी वापस नही मिली। अलबत्ता दुष्कर्म का विरोध करने पर कमलेश ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने गुपचुप तरीके से कमलेश यादव को गिरफ्तार किया-पीड़िता का यह भी आरोप था कि मुकदमा दर्ज कराने को लेकर कोतवाली पुलिस उसको 10 दिन तक टहलाती रही फिर उसने अधिकारियों के चौखट पर न्याय की गुहार लगाई। अधिकारियों के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। फिलहाल कोतवाली पुलिस ने कमलेश यादव को गुपचुप तरीके से गिरफ्तार किया है। भाजपा नेता को गोली मारने वालों तक पुलिस नहीं पहुंच पाई-फाफामऊ थाना क्षेत्र के लेहरा गांव में आठ नवंबर की रात शौच के लिए जा रहे भाजपा किसान मोर्चा गंगापार के जिला उपाध्यक्ष अजय शर्मा (35) पुत्र राजकुमार शर्मा पर गोलियां बरसाई गई थीं। उनको पांच गोली लगी थी। उन पर हमला करने वाले कौन थे, क्या अदावत थी। इसका पता अभी तक नहीं चल सका है। फाफामऊ पुलिस के साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम को भी लगाया गया है। इसके अलावा सर्विलांस की भी टीम काम कर रही है। सर्विलांस टीम घटना स्थल के आसपास कितने मोबाइल नंबर एक्टिव थे। किस मोबाइल नंबर से बातचीत हो रही थी सभी को ट्रेस कर लोगों से प्रतिदिन पूछताछ कर रही है। हालांकि सात दिन से अधिक का समय बीत चुका है। पुलिस हमलावरों तक पहुंच नहीं पाई है। वहीं गोली से घायल अजय शर्मा को डाक्टरों ने अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया है। सीओ सोरांव सुधीर कुमार ने बताया कि अजय शर्मा पर गोली चलाने वालों की तलाश पुलिस की कई टीम कर रही है और जल्द ही मामले का राजफाश हो जाएगा।

आज 13वें दिन भी नहीं बदले तेल के दाम, जानें कितनी है आपके शहर में पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियों की ओर से आज तेहरवें दिन भी पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 12 दिन के बाद भी पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव न होने से उपभोक्ताओं को काफी राहत मिल रही है। बुधवार को आम आदमी को राहत देते हुए तेल के दामों में बड़ी गिरावट की गई थी। इससे पहले कई राज्यों में डीजल के दाम 100 रुपये से ऊपर पहुंच चुके थे। देश में रोजाना बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दाम आम आदमी की आमदनी पर असर डाल रहे थे। दिल्ली में पेट्रोल का दाम 103.97 रुपये जबकि डीजल का दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 109.98 रुपये व डीजल की कीमत 94.14 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 104.67 रुपये जबकि डीजल का दाम 89.79 रुपये लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 101.40 रुपये लीटर है तो डीजल 91.43 रुपये लीटर है। बता दें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 रुपये पार हो चुका है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत सबसे अधिक है। पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, आपको अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा। बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है।

सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं। डीलर पेट्रोल पंप चलाने वाले लोग हैं। वे खुद को खुदरा कीमतों पर उपभोक्ताओं के अंत में करों और अपने स्वयं के मार्जिन जोड़ने के बाद पेट्रोल बेचते हैं।

सोना हुआ सस्ता, चांदी के भी भाव गिरे

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में आज बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

ताजा अपडेट के अनुसार आज 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 49061 रुपये हो गई है। जोकि एक दिन पहले मंगलवार को 49,553 रुपये थी। यानी कल के मुकाबले आज सोना 492 रुपये सस्ता हुआ है। वहीं, चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। बता दें कि IBJA द्वारा जारी किए गए रेट देशभर में सर्वमान्य है। हालांकि, इस वेबसाइट पर दिए गए रेट में जीएसटी शामिल नहीं किया गया है। सोना खरीदते-बेचते समय आप IBJA के रेट का हवाला दे सकते हैं।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक ibja देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करेंट रेट लेकर इसका औसत मूल्य बताता है। सोने-चांदी का करेंट रेट या यूं कहें हाजिर भाव अलग-अलग जगहों पर अलग हो सकते हैं पर इनकी कीमतों में थोड़ा अंतर होता है।

एंजेल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंव करेंसी) अनुज गुप्ता का कहना है कि सोना अगले एक साल में 57 हजार से 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। उनका कहना है कि लंबी अवधि में सोने में निवेश फायदे का सौदा है। हालांकि, उनका यह भी कहना है कि निवेश के पहले पूरी पड़ताल जरूर करें।

गिरावट के साथ बाजार की शुरुआत, सेंसेक्स 251 अंक लुढ़का, निफ्टी भी लाल निशान पर

नई दिल्ली । सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। कारोबार के शुरु होने पर बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 200 अंक गिरकर खुला, तो वहीं एनएसई के निफ्टी ने भी लाल निशान पर शुरुआत की। बीते कारोबारी दिन दोनों इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए थे। आज कारोबार शुरू होने पर सेंसेक्स 251.15 अंक या 0.42 फीसदी गिरकर 60,071.22 के स्तर पर खुला। निफ्टी पिछले कारोबारी दिन के बंद के दौरान 18 हजार के स्तर से फिसल गया था और आज भी 64.60 अंक या 0.36 फीसदी की गिरावट के साथ 17,934.60 के स्तर पर खुला। बीते कारोबारी दिन मंगलवार को कारोबार खत्म होने पर बीएसई का सेंसेक्स 396.34 अंक या 0.65 फीसदी गिरावट के साथ 60,322.37 के स्तर पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई का निफ्टी 18000 के स्तर से नीचे आकर 110.25 अंक या 0.61 फीसदी फिसलकर 17,799.20 के स्तर पर आकर बंद हुआ था।

आईपीओ के लिए नियमों को सख्त करने की तैयारी, सेबी ने किया यह बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । अगर आप आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में निवेश करते हैं या फिर पैसा लगाने का मन बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। दरअसल, आईपीओ के लिए पहले से निर्धारित नियमों में बदलाव होने वाला है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने इस संबंध में एक बड़ा ऐलान किया है। बाजार नियामक सेबी ने आईपीओ के लिए नियमों को सख्त करने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने एंकर निवेशकों के लिए लंबे समय तक लॉक-इन करने का भी सुझाव दिया है। बाजार नियामक सेबी ने कहा है कि एंकर निवेशकों को आवंटित शेयरों की संख्या में से कम से कम आधे में 30 दिनों से ऊपर 90 दिनों या उससे अधिक का लॉक-इन होना चाहिए। सेबी ने अधिग्रहण और अनिर्दिष्ट रणनीतिक निवेश के लिए अधिकतम 35फीसदी आय को सीमित करने का प्रस्ताव रखा है। नियामक ने प्रस्ताव दिया है कि बाजार से पैसा जुटाने का लक्ष्य रखने वाली कंपनी को केवल एक उद्देश्य के रूप में 'भविष्य में अधिग्रहण के लिए' बताने के बजाय फंड उगाहने के बारे में अधिक स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। इस प्रस्ताव के जरिए सेबी दरअसल, इनऑर्गेनिक ग्रोथ की फंडिंग के लिए कंपनियों द्वारा आईपीओ के माध्यम से जुटाई जा सकने वाली राशि को सीमित करना चाहता है।

जानें नेटवर्क और नॉन-नेटवर्क हॉस्पिटलाइजेशन का फर्क जो आपकी करेगा मदद

नई दिल्ली । भारत ही नहीं विश्व के सभी नागरिक बीते 2 साल से अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क हुए हैं और कोरोनाकाल के समय ऐसा होना जरूरी भी रहा. स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को हल्के में लेना भारतीयों की आदत है लेकिन अब धीरे-धीरे इसको लेकर जागरुकता बढ़ रही है. लिहाजा हेल्थ इंश्योरेंस की मांग भी बढ़ी है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि हेल्थ इंश्योरेंस में भी कई तरह के क्लॉज होते हैं और इसमें सबसे बड़ा फर्क नेटवर्क और गैर नेटवर्क हॉस्पिटल्स के बीच को लेकर होता है. यहां हम इसी के बारे में बताएंगे जिनसे आपको बेहद मदद मिलेगी. इंश्योरेंस कंपनी के नेटवर्क में जितने ज्यादा अस्पताल शामिल होंगे उतना ही आपको फायदा होगा लेकिन इमरजेंसी में अगर ऐसे किसी हॉस्पिटल में जाना पड़े जो कंपनी के नेटवर्क लिस्ट में ना हो तो आपको कैश खर्च करना पड़ सकता है. इसीलिए आपको नेटवर्क और नॉन-नेटवर्क हॉस्पिटल के बीच खर्चे का अंतर जानना चाहिए.

पहले जानें नेटवर्क हॉस्पिटलाइजेशन

नेटवर्क हॉस्पिटलाइजेशन के तहत जो हॉस्पिटल बीमा कंपनी के पैनल में शामिल होते हैं और उन्हीं में से किसी में भर्ती होने या ट्रीटमेंट कराने पर कैशलेस मैडिक्लेम होता है. इसके लिए टीपीए को बस फॉर्म जमा करिए और कैशलेस क्लेम मंजूर होने पर पेशेंट का इलाज भी जारी रहता है और आपकी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी इलाज के सभी पेमेंट देती है. इसके लिए पेशेंट को बिल या और कोई दस्तावेज नहीं जमा करना होता है और वेटिंग पीरीयड से भी आराम मिलता है. हालांकि अगर आप ऐसे इलाज को करा रहे हैं जो आपकी हेल्थ पॉलिसी के तहत कवर नहीं है तो आपको वो खर्च चुकाने होंगे.

गैर या नॉन-नेटवर्क हॉस्पिटलाइजेशन

अगर आकस्मिक बीमारी या इमरजेंसी में पेशेंट ऐसे हॉस्पिटल में एडमिट होता है जो इंश्योरेंस कंपनी के नेटवर्क लिस्ट में नहीं है तो बीमा कराने वाले व्यक्ति को पहले खुद सारा पैसा चुकाना होता है और पैसा बाद में रीइंबर्समेंट के तहत मिलता है. हालांकि ये प्रोसेस काफी लंबा होता है और बीमाधारक को पहले सभी जरूरी डॉक्यूमेंट और रिपोर्ट को इंश्योरेंस कंपनी के पास जमा करना होता है. इस प्रोसेस में 10-15 दिन लग जाते हैं क्योंकि इंश्योरेंस कंपनी सभी डॉक्यूमेंट्स और रिपोर्ट्स की जांच करेगी और मंजूरी मिलने के बाद पॉलिसीधारक को पैसे लौटाएगी.

ध्यान रखने वाली बात

आपको हेल्थ इंश्योरेंस कराते समय कैशलेस फैसिलिटी को ही चुनना चाहिए जिससे आपको इलाज कराने से पहले ही पैसा जमा न करना पड़े. अगर आपने कैशलेस ट्रीटमेंट नहीं लिया है तो नेटवर्क में आने वाले हॉस्पिटल में भी इलाज करने पर सभी बिल और दस्तावेज सबमिट कराने पड़ते हैं.

टेक कंपनियों पर अधिक निगरानी चाहता है सेबी, जानें क्यों किया कंसल्टेशन पेपर जारी

नई दिल्ली । नए जमाने की टेक्नोलॉजी कंपनियां अधिग्रहण के लिए फंड का किस तरीके से इस्तेमाल कर रही हैं इस बारे में पूंजी बाजार नियामक सेबी और निगरानी रखना चाहता है। इसके लिए सेबी ने एक कंसल्टेशन पेपर जारी कर लोगों से राय मांगी है। सेबी ने इस कंसल्टेशन पेपर के जरिए इस पर भी राय देने को कहा है कि क्या फंड के इस्तेमाल को लेकर अधिक डिस्क्लोजर की जरूरत है या फिर बाजार नियामक को एंकर निवेशकों को अधिक समय तक लॉक करने की आवश्यकता है। इससे पहले सेबी ने 28 अक्तूबर को एक कंसल्टेशन पेपर जारी किया था, जिसमें ईएसजी (एनवायरनमेंट, सस्टेनबिलिटी और गवर्नेंस) म्यूचुअल फंड के नियमों को लेकर कई प्रस्ताव शामिल थे। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि ईएसजी थीम वाले म्यूचुअल फंड स्कीमें अपने वादे पर टिकी रहें। ईएसजी म्यूचुअल फंड स्कीम के तहत फंड मैनेजर उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जो एनवायरनमेंट, सस्टेनबिलिटी और गवर्नेंस से जुड़े उंचे मानकों को पूरा करती है। कई म्यूचुअल फंड कंपनियां इस थीम पर आधारित फंड भी ऑफर करती हैं। सेबी ने यह भी प्रस्ताव दिया था कि सभी ईएसजी स्कीमों को अपने उद्देश्य और नीति को स्पष्ट शब्दों में परिभाषित करना चाहिए।

इंडिगो के विमान में सफर करना होगा महंगा, अब यह नया चार्ज वसूलने की तैयारी में एयरलाइन

नई दिल्ली । एशिया की सबसे बड़ी बजट एयरलाइंस इंडिगो अब अपने यात्रियों को झटका देने का मन बना रही है। इसके तहत कंपनी यात्रियों से एक नया चार्ज बसूलने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो अब यात्रियों से चेक-इन सामान के लिए पैसे वसूलने की योजना बना रही है। इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड द्वारा संचालित इंडिगो एयरलाइंस के सीईओ रोनोजॉय दत्ता का कहना है कि अभी हम इस बारे में सरकार से बात कर रहे हैं। किसी भी तरह का फैसला लेने से पहले हम सब सामान्य करना चाहते हैं। गौरतलब है कि गो एयरलाइंस इंडिया लिमिटेड भी अपने यात्रियों से टिकट के अलावा बैगेज चार्ज वसूलने की तैयारी कर रही है और अब इस सूची में इंडिगो का नाम भी आ गया है। रोनोजॉय दत्ता ने इंडिगो के पूर्व योजना के मुताबिक संस्थागत निवेशकों को शेयर बिक्री के माध्यम से धन जुटाने की संभावना से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कोविड से पहले की तरह घरेलू एयरलाइंस को अक्तूबर में 100 प्रतिशत क्षमता के साथ उड़ान भरने की इजाजत दी है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 30 नवंबर तक रोक जारी है। हमारा राजस्व वापस आ रहा है इसलिए हमें धन जुटाने की फिलहाल जरूरत नहीं है। कोरोना महामारी के कारण अन्य क्षेत्रों की तरह ही विमानन उद्योग को बहुत नुकसान उठाना पड़ा था। मगर अब अब भारत विमानन क्षेत्र में तेजी से रिकवरी के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में कंपनियां यात्रा के दामों में इजाफा भी कर सकती हैं।

सोने में निवेश : गोल्ड ईटीएफ में निवेश करके आप भी कमा सकते हैं बेहतर रिटर्न, छोटी पूंजी से कर सकते हैं शुरुआत

नई दिल्ली। नवंबर महीने में अब तक सोने की कीमत लगभग 2,000 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुकी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बढ़ती महंगाई के कारण सोने में आगे भी तेजी जारी रहेगी। इसी के चलते निवेशक सोने में पैसा लगा रहे हैं। निवेशकों ने गोल्ड ETF ने इस साल अक्टूबर में 304 करोड़ रुपए का निवेश किया। इन दिनों अगर आप भी सोने में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो आप भी गोल्ड ETF में निवेश कर सकते हैं। यह एक ओपन एंडेड म्यूचुअल फंड होता है, जो सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर आधारित होता है। यह गोल्ड में इन्वेस्टमेंट के साथ स्टॉक में इन्वेस्टमेंट की फ्लेक्सिबिलिटी देता है। गोल्ड ETF की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह BSE और NSE पर की जा सकती है। हालांकि इसमें आपको सोना नहीं मिलता। आप जब इससे निकलना चाहें तब आपको उस समय के सोने के भाव के बराबर पैसा मिल जाएगा। डिजिटल गोल्ड खरीदने (निवेश) पर भी सोने की तरह ही 3%

GST देना होता है। वहीं इसे बेचने पर लगने वाला टैक्स भी फिजीकल गोल्ड (सोना) की तरह ही होता है। अगर आपने सोना खरीदने के 3 साल के अंदर बेचा है तो इसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन माना जाता है। इस बिक्री से होने वाले फायदे पर आपके इनकम टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स लगता है। वहीं अगर सोने को 3 साल के बाद बेचा है तो इसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन माना जाता है। इस पर 20.8फीसदी टैक्स देना होता है। गोल्ड ETF खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसमें हस्श्व पर उपलब्ध गोल्ड ETF के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी। आपके डीमैट अकाउंट में ऑर्डर लगाने के दो दिन बाद गोल्ड ETF आपके अकाउंट में डिपॉजिट हो जाते हैं। ट्रेडिंग खाते के जरिए ही गोल्ड ETF को बेचा जाता है। पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट और ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के संस्थापक व सीईओ पंकज मठपाल कहते हैं कि बढ़ती महंगाई और कई देशों में फिर से बढ़ते कोरोना के मामलों के कारण आने वाले समय में सोने को सपोर्ट मिलेगा। इससे आने वाले एक साल में सोना फिर 55 हजार तक जा सकता है। इसीलिए अगर आप अभी सोने में निवेश का प्लान बना रहे हैं तो अभी निवेश कर सकते हैं। रूंगटा सिक्योरिटीज के सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर हर्षवर्धन रूंगटा कहते हैं भले ही आपको सोने में निवेश करना पसंद हो तब भी आपको इसमें सीमित निवेश ही करना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार कुल पोर्टफोलियो का सिर्फ 10 से 15फीसदी ही सोने में निवेश करना चाहिए। किसी संकट के दौर में सोने में निवेश आपके पोर्टफोलियो को स्थिरता दे सकता है, लेकिन लंबी अवधि में यह आपके पोर्टफोलियो के रिटर्न को कम कर सकता है। स्पेन के क्वाड्रिगा फंड का अनुमान है कि अगले 3 से 5 सालों में इसकी कीमत 3,000 से 5000 डॉलर प्रति आउंस यानी करीब 78,690 से 1,31,140 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती है।

अर्थव्यवस्था : फिच ने बरकरार रखी भारत की सॉवरेन रेटिंग

नई दिल्ली। रेटिंग एजेंसी फिच ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बीबीबी(-) पर बरकरार रखा है। एजेंसी ने कहा कि आगे कुछ समय तक भारतीय अर्थव्यवस्था पर जोखिम का स्तर कम रहेगा।?तेज सुधारों से चालू वित्तवर्ष में जीडीपी 8.7 फीसदी की दर से विकास करेगी।?

रत्न-आभूषण निर्यात 45 फीसदी बढ़कर 31,241 करोड़ रहा

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद ने मंगलवार को बताया कि अक्तूबर में उद्योग का निर्यात 45.2त्न बढ़कर 31,241 करोड़ रुपये रहा। परिषद के चेयरमैन कोलिन शाह ने बताया कि दिवाली से पहले मांग बढ़ने से विनिर्माण में तेजी आई। अमेरिका सहित प्रमुख आयातक देशों से 16त्न ज्यादा ऑर्डर मिले। आगे भी मांग बनी रहने की उम्मीद है और 2021-22 में 41.75 अरब डॉलर निर्यात कर सकते हैं।

अक्तूबर में 13 अरब डॉलर का निजी निवेश

अक्तूबर में निजी इक्विटी निवेश 12.9 अरब डॉलर रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 71त्न ज्यादा है। इससे पहले सितंबर में 5.2 अरब डॉलर का निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल निवेश था।

इंडियन ओवरसीज बैंक को 646 करोड़ मुनाफा

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक को अक्तूबर तिमाही में 646 करोड़ का शुद्ध लाभ हुआ। हालांकि, एनपीए बढ़ने से बैंक के मुनाफे में कमी आई। 2020-21 में बैंक का सकल एनपीए 16,323 करोड़ रहा।

चिंताजनक -44 हजार टन खाद्य तेल का कम आयात फिर भी 45,375 करोड़ ज्यादा चुकाए

नई दिल्ली। पाम सहित अन्य खाद्य तेलों की कीमतों में आए भारी-भरकम उछाल की वजह से पिछले विपणन वर्ष में भारत का आयात बिल 63 फीसदी बढ़कर 1.17 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सीईए के मुताबिक, खाद्य तेल विपणन वर्ष 2020-21 (नवंबर-अक्तूबर) में कुल 131.31 लाख टन खाद्य तेल का आयात हुआ। यह 2019-20 के 131.75 लाख टन से 44 हजार टन कम रहा। बावजूद इसके भारत को 1.17 लाख करोड़ रुपये चुकाने पड़े, जो पिछले साल आयात पर खर्च हुए 71,625 करोड़ से 45,375 करोड़ रुपये कम हैं। संगठन ने कहा कि सरकार ने घरेलू बाजार में कीमतें थामने के लिए पिछले दिनों आयात शुल्क में बदलाव किया था। इस वजह से भी पिछले कुछ महीने आयात पर असर पड़ा। हालांकि, अब तेजी आ रही और रिफाइंड तेल का आयात 6.86 लाख टन बढ़ा है। बीते विपणन वर्ष में कुल वनस्पति तेल का आयात भी 2019-20 के समान रहा और महज 6 हजार टन का उछाल दिखा। इस दौरान जहां खाद्य तेलों की आवक में कमी आई, वहीं अखाद्य तेल का आयात 50,650 टन बढ़ गया है। 1 नवंबर को देश में कुल खाद्य तेल का भंडार 17.05 लाख टन रहा, एक अक्तूबर के मुकाबले तीन लाख टन कम है।

एक झटके में बनाया अमीर, फिर कर दिया कंगाल, अनजान क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के समय ये बातें रखें ध्यान

नई दिल्ली । क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। इस आभाषी मुद्रा में निवेश का इस कदर बढ़ना, दरअसल इससे मिलने वाले तेज रिटर्न के कारण है। लेकिन इस बीच कई ऐसी अनजान क्रिप्टोकरेंसी भी सुर्खियों में आई हैं, जिन्होंने एक दिन में ही निवेशकों को आम से खास बना दिया और कुछ ही घंटों में उन्हें फिर कंगाल बना दिया। इनमें सबसे ऊपर स्क्विड और एलपीटी का नाम आता है। भले ही इन्हें पहले कोई ज्यादा न जानता हो, लेकिन एक झटके में निवेशकों को कंगाल बनाने के बाद इन पर जमकर चर्चा हो रही है। आइए जानते हैं कुछ ऐसी ही करेंसी के बारे में जिन्होंने 24 घंटे में ही लोगों का बड़ी कमाई कराई।

1- इथेरियम मेटा (ईटीएचएम)

कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार एकदम से अमीर बनाने वाली क्रिप्टोकरेंसी की सूची में आज ताजा नाम इथेरियम मेटा (ईटीएचएम) का जुड़ा है। यह बीते 24 घंटों में 2.35 लाख प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। ये डिजिटल टोकन कुछ ही घंटों में 2,37,000 प्रतिशत तक चढ़ गया। इस टोकन की कीमत इस दौरान केवल 0.00000005033 डॉलर से 0.0001194 डॉलर तक पहुंच गई।

2- हस्कीएक्स मीमक्वाइन

एकदम से अमीर बनाने वाली क्रिप्टोकरेंसी की सूची में अब एक और नाम जुड़ गया है। ये है हस्कीएक्स। हस्कीएक्स एक नया मीमकॉइन है और इस क्रिप्टो कॉइन ने महज 24 घंटों के भीतर ही निवेशकों को लगभग 67,000 प्रतिशत रिटर्न दिया है। इस डिजिटल टोकन का बाजार पूंजीकरण 1.5 अरब डॉलर हो गया है। ये टोकन 24 घंटों में ही 0.000000008738 डॉलर से बढ़कर 0.000001485 डॉलर पर पहुंच गया।

3- कोकोस्वैप

कोकोस्वैप नाम की एक और अनजान क्रिप्टोकरेंसी भी हाल ही में उस समय सुर्खियों में आ गई। इसने भी निवेशकों को 24 घंटे के भीतर फर्श से अर्श पर पहुंचाने का काम किया था। सिर्फ एक दिन में इस डिजिटल मुद्रा ने करीब 76,200 फीसदी का रिटर्न दिया। क्रिप्टो बाजार की नई खिलाड़ी कोको स्वैप का भाव उस दिन 0.009999 डॉलर, 24 घंटे में ही 7.63 डॉलर के शिखर पर जा पहुंचा था। इसका मार्केट कैप लगभग 2 अरब डॉलर है।

4- स्क्विड क्रिप्टो

बीते महीने लॉन्च होने के बाद ही स्क्विड क्रिप्टो में इस कदर तेजी आई कि बहुत अधिक तेजी आई थी। 20 अक्तूबर को लॉन्च होने के बाद ही इसमें 1,00,000 प्रतिशत का उछाल आया। यह तेजी यहीं नहीं थमी और कुछ दिन बाद ही इस क्रिप्टोकरेंसी में 2.30 लाख फीसदी की तेजी आ गई। मगर फिर इसमें 99.99 फीसदी तक गिरावट आई और इसका दाम शून्य के करीब पहुंच गया।

5- एलपीटी

क्रिप्टोकरेंसी के बाजार में भले इस एलपीटी का नाम बीच में कहीं छिपा हुआ हो, लेकिन आज यह भी चर्चा में है क्योंकि एकदम से उछाल भरने के बाद महज 24 घंटों में ही इस क्रिप्टोकरेंसी में 96 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई, जो इसमें निवेश करने वालों के लिए एक बड़ा झटका है। इसका दाम एक झटके में ही 1,49,445 से घटकर 4,840 रुपये रह गया।

अजीबो-गरीब चाल के लिए मशहूर माइक्रो टोकन

क्रिप्टोकरेंसी बहुत कम समय में तेज उछाल के लिए जानी जाती हैं। इनमें माइक्रो टोकन अपनी अजीबो-गरीब चाल के लिए मशहूर हो रहे हैं। इस तरह के टोकन कम मार्केट कैपिटल और बेहद कम लिक्विडिटी के होते हुए भी केवल एक या दो दिनों में अल्ट्रा-मल्टीबैगर रिटर्न दे सकते हैं। हालांकि सभी निवेशक ऐसे टोकन से पैसा नहीं कमा सकते। क्योंकि इनमें पहले से अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। स्क्विड गेम्स-आधारित स्क्विड और कोकोस्वैप इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

निवेश से पहले सहूलियत बरतना जरूरी

क्रिप्टो विशेषज्ञों की मानें तो एक झटके में हजारों फीसदी रिटर्न देने वाली इन करेंसी में निवेश से पहले बेहद सहूलियत बरतने की जरूरत है, नहीं तो पल में अमीर बनाने के बाद ये तुरंत ही कंगाल भी बना सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अनजान क्रिप्टोकरेंसी या कहें कम पहचान वाली क्रिप्टोकरेंसी का कुछ ही घंटों में हजारों प्रतिशत चढ़ना और फिर एकदम से गिरना इन दिनों डिजिटल करेंसी मार्केट में एक नया ट्रेंड बन गया है। इसके साथ ही यह ट्रेंड क्रिप्टो ट्रेडिंग से जुड़े जोखिम और अस्थिरता की ओर भी इशारा करता है।

क्रिप्टो से जुड़े जोखिम उजागर कर रहा ट्रेंड

क्रिप्टोकरेंसी में पैसा लगाने वालों के लिए इस तरह के कम पहचान वाले क्रिप्टो क्वाइन लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हाल ही में स्क्विड गेम, शीबा इनु और कोकोस्वैप ने ऐसा ही किया है। अब इस सूची में और भी कई अनजान नाम जुड़ गए हैं, जैसे कि हस्कीएक्स मीमक्वाइन, इथेरियम मेटा (ईटीएचएम) और एलपीटी है।

बड़े ब्रांड की क्रिप्टो में निवेश बेहतर

विशेषज्ञों की मानें तो हमेशा एक ब्रांडेड क्रिप्टोक्वाइन में निवेश करना चाहिए। क्रिप्टो बाजार में आज कई छोटे क्वाइन भी मौजूद हैं, लेकिन ये कब गायब हो जाएं कोई पता नहीं। हाल ही में रातोंरात चमकने वाली कई क्रिप्टोकरेंसी ने कुछ ही घंटों में निवेशकों को कंगाल बनाकर यह बात साबित की है। इसके बाद ये क्रिप्टो कहां गायब हो गईं कोई पता नहीं। इसलिए उसी क्रिप्टो में निवेश करना फायदेमंद है जिसका डेटा ऑनलाइन मौजूद है और जिनकी बैलेंसशीट ऑनलाइन है।

अमीरी में अमेरिका से आगे निकला चीन, 20 साल में इतनी बढ़ गई दौलत

नई दिल्ली । दुनिया की दूसरी ताकतवर अर्थव्यवस्था चीन ने अमीरी के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। मैनेजमेंट कंसल्टिंग कंपनी मैकिन्से एंड कंपनी की शोध शाखा की एक नई रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की कुल संपत्ति में चीन की हिस्सेदारी करीब एक तिहाई है। 20 साल में कितनी बढ़ी दौलत रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन के पास साल 2000 में सिर्फ 7 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति थी। 2020 में चीन की संपत्ति बढ़कर 120 ट्रिलियन डॉलर हो गई। इस लिहाज से चीन ने 20 साल में 113 ट्रिलियन डॉलर की छलांग लगाई है। अमेरिका की कितनी बढ़ी दौलत- इसी अवधि के दौरान, अमेरिका ने अपनी कुल संपत्ति में दोगुने से अधिक की तेजी देखी है। अमेरिका की कुल संपत्ति 90 ट्रिलियन डॉलर है। रिपोर्ट की मानें तो साल 2000 में दुनिया की कुल संपत्ति 156 लाख करोड़ डॉलर थी, जो 2020 में बढ़कर 514 लाख करोड़ डॉलर हो गई। इस लिहाज से 2 दशक में दुनिया की संपत्ति तीन गुना हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका और चीन दोनों में, दो-तिहाई से अधिक धन सबसे अमीर 10 प्रतिशत परिवारों के पास है, और उनका हिस्सा बढ़ रहा है। आपको बता दें कि दुनिया के कुल 10 देशों की बैलेंस शीट के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई है। ये देश- मेक्सिको, चीन, अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं।

एक नजर

टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन का एडम जाम्पा को मिला इनाम, रैंकिंग में टॉप-3 में पहुंचे

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने पिछले सप्ताह ही पहली बार आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप पर कब्जा जमाया है। इस खिताबी जीत में उनके युवा स्पिनर एडम जाम्पा का अहम योगदान रहा। जाम्पा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए टूर्नामेंट में 13 विकेट चटकाए और अपने उस प्रदर्शन की बदौलत अब वह आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग में गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप तीन में पहुंच गए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2021 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा की रैंकिंग में बादशाहत कायम है और वह पहले नंबर पर विराजमान है। हसरंगा के बाद दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। जाम्पा भी अब दो स्थानों का सुधार करके तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह चौथे नंबर पर खिसक गए हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान भी एक पायदान नीचे गिरकर पांचवें नंबर पर आ गए हैं। टॉप पांच में एक भी तेज गेंदबाज शामिल नहीं हैं वहीं, ताजा टी-20 रैंकिंग में एक भी भारतीय गेंदबाज टॉप-10 में शामिल नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड दो स्थानों की छलांग लगाकर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। हेजलवुड ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उन्होंने टूर्नामेंट में 11 विकेट चटकाए थे। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान को स्थान नीचे लुढ़ककर सातवें नंबर पर खिसक गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्टजे एक पायदान नीचे गिरकर आठवें नंबर पर खिसक गए हैं। न्यूजीलैंड के टिम साउदी और इंग्लैंड के क्रिस जॉर्डन क्रमश- नौवें और दसवें नंबर पर कायम है।

पाकिस्तान ने अभ्यास मैच के दौरान बांग्लादेश की जमीन में लगाया अपना झंडा, मचा बवाल

ढाका। तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले एक अभ्यास सत्र के दौरान मीरपुर मैदान पर अपना झंडा लगाने के पाकिस्तान क्रिकेट टीम के फैसले से यहां बड़ा विवाद पैदा हो गया और बांग्लादेश के कई प्रशंसकों ने इसे देश की आजादी के स्वर्ण जयंती समारोहों से पहले राजनीतिक कदम बताया है। एक प्रशंसक ने फेसबुक पर लिखा ,'' कई देश कई बार बांग्लादेश आये हैं और अनेक मैच खेले हैं लेकिन किसी ने भी अभ्यास सत्र में अपने देश का झंडा जमीन पर नहीं गाड़ा। ऐसा क्यो किया गया। वे क्या साबित करना चाहते हैं।'' पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मामले को तूल पकड़ता देख सफाई में कहा कि पिछले दो महीने से वे टीम के अभ्यास के दौरान देश का झंडा जमीन में गाड़कर खेल रहे हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पाकिस्तान को चैंपियन्स ट्रॉफी की मेजबानी मिलने से रमीज बेहद खुश

कराची पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 2025 चैंपियन्स ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान को देने से बेहद खुश हैं। इस टूर्नामेंट के साथ देश में दो दशक से भी अधिक समय बाद बड़ी वैश्विक प्रतियोगिता की वापसी होगी। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान के दौरे रद्द करने के दो महीने से भी कम समय में पीसीबी को यह अच्छी खबर मिली है। रमीज ने आईसीसी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता खेल के लिए पाकिस्तान के जुनून को दिखाएगी। उन्होंने कहा, ''आईसीसी के अपने एलीट टूर्नामेंटों में से एक का मेजबान देश पाकिस्तान को चुनने से मैं बेहद खुश हूं। बड़ी वैश्विक प्रतियोगिता का आवंटन पाकिस्तान को करके आईसीसी ने हमारे प्रबंधन और संचालन क्षमता तथा कौशल पर पूरा भरोसा जताया है।'' भारत और श्रीलंका के साथ 1996 विश्व कप की सह मेजबानी करने वाला पाकिस्तान 2009 में लाहौर में श्रीलंका की टीम बस पर आतंकी हमले के बाद देश में काफी अंतरराष्ट्रीय मैचों के आयोजन नहीं कर पाया है। चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन पिछली बार 2017 में ब्रिटेन में हुआ था और तब पाकिस्तान ने फाइनल में भारत को हराकर खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट की आईसीसी कैलेंडर में आठ साल बाद वापसी होगी।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, विलियमसन के बाद स्टार गेंदबाज भी टी20 सीरीज से हुआ बाहर

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जेमिसन ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से हटने का फैसला किया है. जेमिसन आगामी टेस्ट सीरीज पर फोकस करना चाहते हैं. जेमिसन इस तरह कप्तान केन विलियमसन की श्रेणी में शामिल हो गये हैं जिन्होंने 25 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए टी20 मैचों से हटने का फैसला किया था. टेस्ट सीरीज नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की पहली सीरीज होगी. कोच गैरी स्टीड ने कहा, ''हमने केन और काइल से बातचीत करने के बाद फैसला किया कि वे टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे. वे दोनों टेस्ट मैचों की तैयारी करेंगे और मुझे लगता है कि आप पाएंगे कि टेस्ट टीम में शामिल कुछ अन्य खिलाड़ी भी पूरी सीरीज में नहीं खेलेंगे. यह पांच दिन के अंदर तीन टी20 मैचों का आयोजन और तीन विभिन्न शहरों की यात्रा करने के कारण संतुलन स्थापित करने का समय है. यह बहुत व्यस्त समय है.'' न्यूजीलैंड ने इस साल जुलाई में इंग्लैंड के साउथैम्पटन में भारत को आठ विकेट से हराकर पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती थी. भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को 3 टी20 मैचों की सीरीज का पहला मैच जयपुर में खेला जाएगा. इस सीरीज में भारत की तरफ से विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी जैसे बड़े खिलाड़ी भी नहीं खेल रहे हैं. रोहित शर्मा के हाथों भारतीय टी20 टीम की कमान होगी तो राहुल द्रविड़ टीम के मुख्य कोच होंगे.

सनराइजर्स हैदराबाद टीम से ड्राप किए जाने पर डेविड वार्नर ने पहली बार दिया ये बयान

नई दिल्ली । सितंबर में इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) फ्रेंचाइजी द्वारा ड्राप किए जाने से नवंबर में टी 20 विश्व कप में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीतने तक सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के लिए एक रोलरकोस्टर की सवारी रही है। कुछ मैचों में अपने और टीम के खराब प्रदर्शन के कारण आइपीएल में उनसे कप्तानी छीन ली गई और यूएई के लेग में उनको टीम से भी ड्राप कर दिया गया, लेकिन अब उन्होंने आस्ट्रेलिया को पहला टी20 विश्व कप जिताने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा उन्होंने पहली बार आइपीएल 2021 के यूएई चरण में ड्राप किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। आस्ट्रेलियाई टीम के धुरंधर बल्लेबाज डेविड वार्नर ने इकोनमिक टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, जब आपको उस टीम से बाहर कर दिया जाता है, जिसे आप बिना किसी वास्तविक दोष के सालों से सबसे ज्यादा प्यार करते आरे हैं और बिना कारण बताए कप्तानी छीन ली जाती है, तो इससे दर्द होता है। साथ ही कोई शिकायत नहीं है। भारत में प्रशंसक हमेशा मेरे लिए रहे हैं और यह उनके लिए है कि आप खेलते हैं। हम मनोरंजन के लिए खेलते हैं। हम उत्कृष्टता के लिए आगे बढ़ने के लिए खेलते हैं। लंबे समय तक टीम की कप्तानी करने वाले वार्नर ने सनराइजर्स हैदराबाद को लेकर आगे कहा, आइपीएल टीम में जगह नहीं मिलने का कारण जो भी रहा हो, मैं आपको बता सकता हूं कि मैंने अब तक का सबसे कठिन प्रशिक्षण लिया था। मैंने एक भी दिन नहीं छोड़ा। मैं नेट्स में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था और सब कुछ ठीक होने में बस कुछ ही समय था। तो हां, जब यह दर्द मिला तो मुझे पता था कि मेरे पास एक और मौका होगा डेविड वार्नर ने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद को आइपीएल खिताब दिलाया था, लेकिन आइपीएल 2021 के यूएई लेग में केवल दो मैचों के बाद उनको टीम से ड्राप कर दिया गया। हैरान करने वाली बात ये रही कि वे टीम के साथ भी कुछ मैचों में नजर नहीं आए, लेकिन वे नेट्स में काफी मेहनत करते रहे, जिसका फल उनको टी20 विश्व कप में मिला और उन्होंने तीन अर्धशतकों के साथ टूर्नामेंट में 289 रन बनाए। सेमीफाइनल और फाइनल मैच में उन्होंने 100 से ज्यादा रन बनाए, जिसके कारण कंगारू टीम को जीत मिली।

रोहित शर्मा और टीम इंडिया ने जीत के साथ किया धमाकेदार आगाज, न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया

जयपुर । रोहित शर्मा ने टी20 सीरीज में टीम इंडिया को अच्छी शुरुआत दिलाई है. टीम ने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया. कप्तान रोहित ने मैच में शानदार पारी खेली. उन्होंने 48 रन बनाए. इसके अलावा सूर्यकुमार यादव ने 62 रन की आक्रामक पारी खेली. मैच में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 164 रन बनाए. मार्टिन गप्टिल और मार्क चैपमैन ने अर्धशतक लगाया. जवाब में टीम इंडिया ने लक्ष्य को 19.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया. सीरीज का दूसरा मुकाबला 19 नवंबर को रांची में खेला जाएगा. लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने अच्छी शुरुआत की. टीम ने पहले 5 ओवर में बिना विकेट के 50 रन बना लिए थे. इसके बाद केएल राहुल 15 रन बनाकर बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मिचेल सैंटनर की गेंद पर आउट हुए. इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा 48 रन बनाकर आउट हुए. उन्होंने 36 गेंद का सामना किया. 5 चौके और 2 छक्के जड़े. उन्होंने दूसरे विकेट के लिए सूर्यकुमार यादव के साथ 59 रन जोड़े. रोहित का विकेट बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को मिला. सूर्यकुमार यादव (62) ने आक्रामक पारी खेलकर मैच को एकतरफा कर दिया है. सूर्यकुमार की यह टी20 इंटरनेशनल की सबसे बड़ी पारी है. उन्होंने तीसरा अर्धशतक भी लगाया. उन्होंने 40 गेंद का सामना किया. 6 चौके और 3 छक्के लगाए. उन्हें बोल्ट ने बोल्ड किया. श्रेयस अय्यर 5 और वेंकटेश अय्यर 4 रन बनाकर आउट हुए. टीम को अंतिम ओवर में 10 रन बनाने थे. डेरिल मिचेल के ओवर में अय्यर ने चौका जड़ा. उन्होंने 2 वाइड गेंद भी डाली. ऋषभ पंत (17*) और अक्षर पटेल (1*) नाबाद लौटे.

पंत ने चौथी गेंद पर चौका लगाकर जीत दिलाई. पंत ने 17 गेंद पर 17 रन बनाए. हालांकि मैच में न्यूजीलैंड ने खराब फील्डिंग की. उन्होंने सूर्यकुमार यादव का कैच भी छोड़ा. इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया. मार्टिन गुप्टिल और मार्क चैपमैन के अर्धशतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने 164 रन बनाए. गुप्टिल ने 42 गेंद में 70 और चैपमैन ने 50 गेंद में 63 रन की पारी खेली. एक समय पर लग रहा था कि न्यूजीलैंड टीम 180 पार का स्कोर बनाएगी, लेकिन आर अश्विन ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर रनगति पर अंकुश लगाया.

अश्विन ने चार ओवर में 23 रन देकर और भुवनेश्वर कुमार ने 24 रन देकर 2-2 विकेट लिए. मैच से वेंकटेश अय्यर को इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला. हालांकि उन्हें मैच में गेंदबाजी नहीं मिली. उन्हें हार्दिक पंड्या के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है. टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था.

आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कोच छोड़ सकते हैं अपना पद, पूर्व कप्तान ने किया खुलासा

सिडनी। (वेब वार्ता) आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने साल 2021 में लगातार खराब प्रदर्शन करने के बाद टी20 विश्व कप का खिताब जीत सबको चौंकाया। टूर्नामेंट में उतरने से पहले टीम को पिछली कुल 5 टीमों ने सीरीज में हराया था। पांच बार की वनडे विश्व चैंपियन टीम से खिताब जीतन की उम्मीद कम लोग लगा रहे थे। टीम के कोच जस्टिन लैंगर ने अनुभवी खिलाड़ियों से दमदार प्रदर्शन निकलवाया। आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड की टीम के खिलाफ फाइनल में 8 विकेट की बड़ी जीत दर्ज की।

पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम ने 4 विकेट पर 172 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में आस्ट्रेलिया की टीम ने आल राउंडर मिचेल मार्श की नबाद 77 रन की पारी के दम पर 18.5 ओवर में जीत हासिल की। टूर्नामेंट में जीत हासिलकर टीम ने पहली टी20 ट्राफी उठाई। खबर है कि इस बड़ी जीत के बाद कोच लैंगर टीम को अलविदा कहने का मन बना रहे हैं। पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि हाल में टी-20 विश्व कप का खिताब हासिल करने के बाद अगर आस्ट्रेलिया एशेज जीत लेता है तो मुख्य कोच जस्टिन लैंगर अपना पद छोड़ देंगे। क्लार्क ने कहा, वह चाहते थे कि आस्ट्रेलिया दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बने। अगर हम एशेज भी जीत जाते हैं तो फिर वह उन सब चीजों को हासिल कर लेंगे जिसके लिए उन्होंने यह पद संभाला था और जितना मैं उन्हें जानता हूं वह गलत कारणों के लिए कोच नहीं बने रहेंगे। सैंड पेपर विवाद के बाद लैंगर ने डैरेन लेहमन के कोच पद से इस्तीफा देने के बाद टीम की कमान संभाली थी। कोच बनने के बाद से उन्होंने टीम को संभाला और नए तरीके से सीरीज दर सीरीज टीम को दुनिया में सम्मान वापस हासिल करने के लिए तैयार किया। 2021 में लैंगर ने टीम को टी20 का पहला खिताब दिलाया और अब वह अपने लक्ष्य को हासिल कर चुके हैं।

मैच जीतने और टीम बनाने के बीच संतुलन बनाने की जरूरत : द्रविड़

जयपुर । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को बखूबी पता है कि आयुवर्ग की टीमों और जीत के प्रति आसक्त अंतरराष्ट्रीय टीम को मार्गदर्शन देने में बहुत फर्क है और वह हर मैच जीतने तथा भविष्य के लिये टीम बनाने में संतुलन स्थापित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा ,'' अलग अलग टीमों की कोचिंग एक तरह से नहीं कर सकते। कोचिंग के कुछ सिद्धांत कभी नहीं बदलेंगे लेकिन हर टीम की चुनौतियां अलग होती है और जरूरतें अलग होती है।'' द्रविड़ ने कहा ,'' आप यह नहीं कह सकते हैं कि अंडर 19 स्तर पर की गई हर बात यहां भी करेंगे। मैं इस तरह से नहीं करूंगा। मेरे लिये यह सीखने और खिलाड़ियों को जानने का मौका है।'' उन्होंने कहा ,'' सहयोगी स्टाफ के रूप में आपकी जिम्मेदारी यह है कि खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा सकें। मैं इसी तरह से देखता हूं।'' एनसीए प्रमुख के तौर पर युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके द्रविड़ ने कहा कि जूनियर स्तर पर अंतिम लक्ष्य जीत नहीं होता है

लेकिन सीनियर स्तर पर टीम से हर मैच जीतने की अपेक्षा रहती है। उन्होंने कहा ,'' संतुलन बनाना जरूरी है। हमें हर मैच जीतने का लक्ष्य रखना है लेकिन दीर्घकालिन लक्ष्य की अनदेखी भी नहीं करनी है। यह बात बबल में रहने की थकान और मौजूदा हालात पर भी लागू होती है। हम खिलाड़ियों के भविष्य और दीर्घकालिन कैरियर के बारे में सोचेंगे लेकिन अल्पकालिन लक्ष्यों के लिये उनकी भलाई की अनदेखी नहीं होगी।'' नये कोच ने कहा कि जीतना अहम है लेकिन भविष्य के लिये मजबूत टीम तैयार करने पर भी नजर होगी। उन्होंने कहा ,'' दोनों का मिश्रण जरूरी है। अभी जीतना है और भविष्य पर भी नजर रखना है। आने वाले बड़े टूर्नामेंटों की भी तैयारी करनी है। भविष्य के लिये सोचना मेरा काम है और किसी भी टीम की कोचिंग करूं, वह नहीं बदलेगा।''कार्यभार प्रबंधन के बारे में द्रविड़ ने कहा कि अलग अलग प्रारूपों के लिये अलग अलग टीमों पर विचार नहीं हो रहा है लेकिन सभी प्रारूप खेलने वाले खिलाड़ियों को उचित विश्राम दिया जायेगा। उन्होंने न्यूजीलैंड के केन विलियमसन का उदाहरण दिया जिन्हें टेस्ट श्रृंखला के लिये तरोताजा रखने के मकसद से भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला में आराम दिया गया है।भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान विराट कोहली को भी टी20 श्रृंखला में आराम दिया गया है। द्रविड़ ने कहा ,'' इतना ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है। खिलाड़ियों का प्रबंधन जरूरी है। फुटबॉल में भी खिलाड़ी हर मैच नहीं खेल पाते। विश्व क्रिकेट में हर टीम के सामने यह चुनौती है और हमें कार्यभार प्रबंधन देखना होगा।

अगर मैं न्यूजीलैंड का सपोर्टर होता, तो अपने पैसे वापस मांग लेता, कीवी टीम पर भड़के गंभीर

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के प्रदर्शन की आलोचना की है. फाइनल में कीवी टीम को ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से करारी शिकस्त दी. कीवी टीम ने कप्तान केन विलियमसन के आतिशी 85 रनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के सामने 173 रनों का लक्ष्य रखा था. ऑस्ट्रेलिया ने सात गेंद शेष रहते ही दो विकेट खोकर इस लक्ष्य का हासिल कर लिया. फाइनल में न्यूजीलैंड के सभी गेंदबाज फिसड्डी साबित हुए. गौतम गंभीर ने टाइम्स ऑफ इंडिया के अपने कॉलम में लिखा, भारत के बाद (टी20 विश्व कप के लिए) मेरी पसंदीदा टीम न्यूजीलैंड थी. लेकिन उनको इस तरह से खेलते हुए देख अच्छा नहीं लगा. न्यूजीलैंड की टीम ऐसी है जो प्लानिंग करने में पूरी तरह यकीन रखती है. वहां खिलाड़ियों के महत्वपूर्ण रोल पहले से ही तय होते हैं और वे उनको उसी तरीके से बारीकी के साथ मैदान में उतारते हैं. अगर मैं न्यूजीलैंड का समर्थक होता, तो दूसरे हाफ में अपने टिकट के पैसों की वापसी की डिमांड भी करता. उनका प्रदर्शन फाइनल के

योग्य नहीं था. अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार आईपीएल चैंपियन बनाने वाले गंभीर ने कहा, उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाए थे.

अक्सर इस तरह के स्कोर का बचाव करना उतना कठिन नहीं होता है क्योंकि न्यूजीलैंड के पास तो बहुत अच्छा बॉलिंग अटैक है. लेकिन वे इस तरह की टीम नहीं दिखाई दे रहे थे जिसने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को और इससे पहले ग्रुप स्टेज में भारत को हराया था. फाइनल में ट्रेंट बोल्ट एकमात्र ऐसे गेंदबाज रहे जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को परेशानी में डाला. उन्होंने एरॉन फिंच और डेविड वॉर्नर (53) का विकेट झटका लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिला. वॉर्नर के अलावा मैन ऑफ द मैच मिचेल मार्श ने भी कीवी गेंदबाजों को जमकर धोया. गंभीर के अनुसार कीवी टीम के पास मिचेल मार्श के खिलाफ कोई प्लान ही नहीं था. उन्होंने कहा, ÷यह समझना बड़ा मुश्किल है कि न्यूजीलैंड ने मार्श को इतनी शार्ट और गलत लाइन पर गेंदबाजी क्यों की. मार्श पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया से खेलते हैं और वहां पर वाका क्रिकेट ग्राउंड पर खेलते हुए बड़े हुए हैं. ऐसे में उन्होंने शॉट पुल लगाना सबसे पहली चीजों में सीखा होगा फिर भी कीवी गेंदबाजों ने मार्श को वहीं पर गेंदबाजी की. तीसरे ओवर में बोल्ट ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान फिंच को आउट कर दिया था और कीवी टीम के पास दबाव बनाने का अच्छा मौका था. हालांकि तीसरे नंबर पर उतरे मार्श ने चौथे ओवर में एडम मिल्ने को पहली गेंद पर ही छक्का जड़ा और अगली दो गेंदों में पर चौका मार दिया. इससे न्यूजीलैंड की टीम प्रेशर में आ गई. मार्श ने 50 गेंदों में छह चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 77 रनों की पारी खेली.

बीसीसीआई को होगी 1500 करोड़ रुपये की बचत, आईसीसी ने दी बड़ी राहत-रिपोर्ट

नई दिल्ली । आईसीसी 2024 से 2031 के बीच 8 बड़े इवेंट का आयोजन करने जा रहा है. भारत को 3 आईसीसी टूर्नामेंट की जिम्मेदारी दी गई है. भारत में 2026 का टी20 वर्ल्ड कप, 2029 की चैंपियंस ट्रॉफी और 2031 का वनडे वर्ल्ड कप होगा. इन तीन बड़े टूर्नामेंट के लिए बीसीसीआई को आईसीसी से बड़ी राहत मिली है. आईसीसी हर टूर्नामेंट के लिए भारत सरकार को 10 फीसदी टैक्स देने पर राजी हो गई. आईसीसी के इस कदम से बीसीसीआई को 1500 करोड़ रुपये (200 मिलियन डॉलर) की बचत होगी. बीसीसीआई पहले से ही 2016 टी20 वर्ल्ड कप और 2023 वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए 750 करोड़ रुपये का नुकसान उठाने के लिए तैयार है. यह नुकसान और अधिक हो सकता था अगर टी20 विश्व कप 2021 को भारत से बाहर यूएई में स्थानांतरित नहीं किया जाता. टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई को छोड़कर दूसरे देशों के क्रिकेट बोर्ड को अपनी-अपनी सरकार से टैक्स छूट का लाभ मिलता है. बीसीसीआई को टैक्स छूटने नहीं मिलने से भारी नुकसान हो

रहा है. बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, हर दूसरे क्रिकेट बोर्ड को उनकी सरकार से टैक्स में छूट मिलती है. लेकिन बीसीसीआई यह उम्मीद नहीं कर सकता कि केंद्र सरकार हमारे लिए अपने कानूनों में बदलाव करेगी. इसलिए, सभी सदस्यों ने महसूस किया कि आईसीसी को नुकसान उठाना चाहिए. वैसे भी, बीसीसीआई भारत में कार्यक्रमों की मेजबानी करके सबसे अधिक राजस्व उत्पन्न करता है. भारतीय बोर्ड को आईसीसी के रेवेन्यू पूल से कोई कटौती नहीं झेलनी पड़ेगी. बीसीसीआई को टैक्स विभाग के खिलाफ बड़ी जीत मिली है. इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्युनल ने बीसीसीआई की इस दलील को सही ठहराया है कि भले ही वह आईपीएल के जरिए कमाई कर रहा है लेकिन इसका मकसद क्रिकेट को बढ़ावा देना है. इसलिए इस टूर्नामेंट से हुई आमदनी इनकम टैक्स छूट के दायरे में आती है. बता दें कि टैक्स डिपार्टमेंट ने 2016-17 में बीसीसीआई को नोटिस जारी किए थे. इन नोटिस में बीसीसीआई से पूछा गया था कि आईपीएल से होने वाली कमाई पर इनकम टैक्स कानून की धारा 12 ए के तहत मिलने वाली छूट क्यों नहीं हटाई जानी चाहिए. टैक्स डिपार्टमेंट के इस नोटिस के खिलाफ बीसीसीआई ने इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्युनल का दरवाजा खटखटाया था.

सौरव गांगुली को आईसीसी में मिली बड़ी जिम्मेदारी, क्रिकेट कमेटी के बने अध्यक्ष, कुंबले का स्थान लेंगे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष सौरव गांगुली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। दरअसल, आईसीसी पुरुष क्रिकेट समिति के चेयरमैन के तौर पर सौरव गांगुली की नियुक्ति हुई है। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली अपने साथी खिलाड़ी रहे अनिल कुंबले की जगह लेंगे। अनिल कुंबले इस पद पर 9 साल तक बने रहे। अनिल कुबंले तीन बार तीन-तीन साल की अधिकतम समयसीमा तक जिम्मेदारी संभालने के बाद इस पद से हट गये। कुंबले के 9 साल पूरे होने पर गांगुली को इस क्रिकेट समिति के अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। गांगुली इस समिति में पहले पर्यवेक्षक के तौर पर शामिल थे। लेकिन अब उन्हें प्रमोट कर दिया गया है। आपको बता दें कि क्रिकेट की यह समिति खेल के परिस्थितियों और नियमों की देखरेख करती है। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने एक विज्ञप्ति में कहा कि मुझे आईसीसी पुरूष क्रिकेट समिति के चेयरमैन पद पर सौरव का स्वागत कर प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के तौर पर और फिर प्रशासक के रूप में उनके अनुभव से हमें भविष्य में क्रिकेट फैसले लेने में मदद मिलेगी। ग्रेग बार्कले ने यह भी कहा कि मैं अनिल का भी पिछले नौ वर्षों में उनकी नेतृत्व करने की शानदार काबिलियत के लिये शुक्रिया करना चाहूंगा जिसमें डीआरएस का नियमित और निरंतर इस्तेमाल करके और संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन से निपटने के लिये मजबूत प्रक्रिया अपनाकर अंतराष्ट्रीय मैच में सुधार करना शामिल है। आपकों बता दें कि गांगुली भारत के सबसे सफलतम कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में 113 टेस्ट मैच खेले हैं जिनमें 7212 रन बनाए हैं। उन्होंने 311 वनडे मैच भी खेले हैं जिसमें 11363 रन बनाए हैं।

खिलाड़ी के नाकाम रहने पर भी हम उसे आत्मविश्वास देते हैं : रोहित

जयपुर । भारत के नये टी20 कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों में सुरक्षा का भाव भरना उनकी प्राथमिकता होगी और कुछ मैचों में नाकाम रहने पर भी वह अपने खिलाड़ियों का हाथ नहीं छोड़ेंगे। भारतीय कप्तान के तौर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले रोहित ने कहा कि वह और कोच राहुल द्रविड़ खिलाड़ियों को निर्भीक क्रिकेट खेलने के लिये प्रेरित करेंगे और अपेक्षित नतीजे नहीं आने पर भी उनमें आत्मविश्वास भरेंगे। उन्होंने कहा ,'' टी20 क्रिकेट का यह अहम पहलू है कि खिलाड़ियों को मैदान पर जाकर मौकों का फायदा उठाना होता है। जोखिम लेना होता है जो कभी कारगर साबित होता है और कभी नहीं।''रोहित ने कहा ,'' ऐसे ही समय पर हम दोनों की बड़ी भूमिका होगी। हमें खिलाड़ियों को बेखौफ खेलने का आत्मविश्वास देना है। इस तरह के प्रारूप में यह जरूरी है और यह जरूरी नहीं कि हमेशा सफलता ही मिले। यह इतना छोटा प्रारूप है कि चुनौतियां बिखरी पड़ी होती है और दबाव हमेशा रहता है।'' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अपनी भूमिका का पता होना चाहिये और तय रणनीति से उसे भटकना नहीं चाहिये। खिलाड़ी के नाकाम रहने पर क्या होगा, यह पूछने पर उन्होंने कहा ,'' विफल रहने पर उसे आत्मविश्वास देने की जरूरत है कि उस पर आपको पूरा भरोसा है।जब तक वे अपना योगदान देने की कोशिश करते रहेंगे, हमें कोई दिक्कत नहीं है।'' रोहित ने कहा कि खिलाड़ी मशीन नहीं हैं और उन्हें तरोताजा होने की जरूरत है लेकिन भारतीय ड्रेसिंग रूम में प्रवेश करने पर यह मायने नहीं रखता कि सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में या आईपीएल में उनका प्रदर्शन कैसा रहा।

उन्होंने कहा ,'' भारत ने इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। हम आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत सके लेकिन एक टीम के रूप में अच्छा खेले।'' उन्होंने कहा ,'' हम टी20 विश्व कप के बाद नये सिरे से शुरूआत कर रहे हैं। हमारे पास कुछ नये सुझाव और विचार हैं। देखते हैं कि आगे प्रदर्शन कैसा रहता है। हमारी नजर हर खिलाड़ी पर है और इस प्रारूप में एक कामयाब टीम बनने के लिये जो कुछ करना होगा, हम करेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भारती ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, सराय पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार भारती, मो0 : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/08863)

विक्की-कटरीना की शादी : कभी अकेले, कभी विक्की कौशल के साथ नए घर के डेकोरेशन पर नजर रख रही हैं कटरीना कैफ, शादी के बाद नए घर में शिफ्ट होगा कपल

कटरीना कैफ और विक्की कौशल की पर्सनल लाइफ को लेकर इन दिनों कई खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि दोनों 7-9 दिसंबर के बीच शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। अब दोनों को लेकर एक और खबर सामने आई है जिसमें कहा जा रहा है कि दोनों के नए-नवेले घर में इंटीरियर डेकोरेशन का काम जोर-शोर से चल रहा है जहां से दोनों शादी के बाद शिफ्ट होने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक, कभी कटरीना अकेले तो कभी विक्की के साथ अपने नए अपार्टमेंट पर चल रहे काम को देखने आती रहती हैं जो दोनों ने कुछ दिनों पहले ही मिलकर खरीदा है। अभी डेकोरेशन का काम तेजी से चल रहा है और शादी के बाद दोनों तुरंत इस घर में शिफ्ट हो जाएंगे। खास बात ये है कि कटरीना और विक्की को जो अपार्टमेंट पसंद आया है, वो उसी बिल्डिंग में है जहां अनुष्का शर्मा और विराट कोहली भी रहते हैं। इस तरह विक्की-कटरीना की अगर शादी की खबरें सच हैं तो शादी के बाद दोनों यहीं शिफ्ट हो सकते हैं और अनुष्का-विराट उनके पड़ोसी बन जाएंगे। ताजा अपडेट के मुताबिक, कटरीना ने शादी के जोड़े से लेकर विभिन्न फंक्शन में पहने जाने वाले आउटफिट्स की ट्रायल भी शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, कैट आउटफिट्स की फिटिंग और ट्रायल अपने दोस्त के घर पर कर रही हैं। वो मीडिया की नजरों से बचने के लिए ऐसा कर रही हैं ताकि उनके घर के बाहर मीडिया का कोई जमावड़ा ना लगे। कटरीना जानती हैं कि वेडिंग से जुड़ी कोई ना कोई जानकारी मीडिया में सामने आती जा रही है इसलिए उन्होंने अपनी ब्राइडल टीम को अलर्ट रहने के लिए भी कहा है। हर छोटी जानकारी के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है जहां पर शादी से जुड़ी बातें और आउटफिट इमेजेस भी शेयर की जा रही हैं। खबरों के अनुसार, विक्की और कटरीना सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा की सिक्स सेंस बरवाड़ा फोर्ट होटल में शादी रचाएंगे। सारे फंक्शन 7 से 12 दिसंबर के बीच होगा। इसके लिए होटल की बुकिंग हो चुकी है। बस, इसकी औपचारिक घोषणा होनी बाकी है। होटल ने भी इस VIP शादी के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। शादी समारोह छोटा ही होगा। बावजूद इसके कई बड़े सितारों के फंक्शन में आने की पूरी संभावना है। यह भी जानकारी मिली है कि शादी का मुख्य कार्यक्रम जनाना महल में होगा। शादी समारोह में सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी निजी गार्ड संभालेंगे।

एक्ट्रेस के साथ लूटपाट : बाइक सवारों ने छिना सलमा आगा का पर्स, एक्ट्रेस ने पुलिस पर एफआईआर दर्ज करने में देरी का लगाया आरोप

वेटरन बॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर सलमा आगा मुंबई में लूटपाट की शिकार हो गईं। मुंबई में कुछ बाइक सवार बदमाशों ने सलमा का हैंडबैग छीन लिया। बैग में उनका मोबाइल, कुछ पैसे, चाबियां और अन्य जरूरी सामान था। पुलिस के अनुसार सलमा आगा ने उन्हें बताया कि वह शनिवार को ऑटो से वर्सोवा स्थित अपने बंगले से एक केमिस्ट शॉप पर जा रही थीं। तभी 2 लोग तेजी से बाइक पर आए और उनका बैग छिन कर भाग गए। सलमा घटना के तुरंत बाद वर्सोवा पुलिस स्टेशन पहुंच कर शिकायत की मगर उनका दावा है कि पुलिस ने स्नढ्ढक्र दर्ज करने से साफ इनकार कर दिया। सलमा ने मीडिया को बताया, बैग में 2 मोबाइल फोन, कुछ कैश और कुछ अन्य जरूरी सामान थे। घटना के बाद में तुरंत पुलिस स्टेशन पहुंची जहां एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एफआईआर दर्ज होने में कम से कम 3 घंटे लगेंगे। जिसके बाद मेरा केस अब आज यानी मंगलवार को रजिस्टर हो सका है जबकि मैंने मुंबई पुलिस को घटना के बारे में ट्वीट कर बताया था। सलमा ने आगे बताया, मोहल्ले में इस तरह की यह कोई ऐसी पहली वारदात नहीं है, इससे पहले भी लूटपाट की कई घटनाएं हो चुकी हैं। लुटेरों के पास महंगी बाइक थी और घटनास्थल के पास पुलिस की नाकेबंदी भी थी। मामले में एफआईआर दर्ज होने में देरी का कारण पूछने पर वर्सोवा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा, हम घटना के ही दिन एफआईआर दर्ज करते हैं मगर एक्ट्रेस ने कहा कि उनके पास टाइम नहीं है और वह बाद में आएंगी। हमने उनसे कॉन्टेक्ट किया लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। जब भी वह पुलिस स्टेशन आएंगी तो हम एफआईआर दर्ज कर लेंगे।

मुश्किलों में जय भीम : फिल्म के बढ़ते विरोध के बाद सूर्या के चेन्नई स्थित घर पर पुलिसकर्मी तैनात, वन्नियार संगम ने मांगे 5 करोड़

एक्टर सूर्या की नई फिल्म जय भीम कई विवादों में आ गई है। वन्नियार समुदाय का कहना है कि फिल्म में उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया गया है। इसी के चलते वन्नियार संगम के प्रदेश अध्यक्ष ने एक्टर सूर्या, अमेजन प्राइम और फिल्म के डायरेक्टर टीजे ज्ञानवेल को लीगल नोटिस भेजा है। इसके बाद सूर्या के चेन्नई स्थित घर पर पुलिस की सुरक्षा प्रदान की गई है। वन्नियार संगम ने लीगल नोटिस भेजने के साथ कहा है कि फिल्म से जुड़े सभी लोग माफी मांगे और एक हफ्ते के भीतर मुआवजे के रूप में पांच करोड़ रुपये देने की भी मांग की है। फिल्म के कुछ सीन्स पर लोगों ने आपत्ति जताई है उसके बाद से सूर्या को फोन पर लगातार धमकी दे रहे हैं। इसके बाद से उनके घर के बाहर पुलिस तैनात हो गई है। फिलहाल चेन्नई के टी नगर स्थित उनके घर के बाहर हथियारों के साथ पांच पुलिसकर्मी उनकी सुरक्षा में तैनात हैं। टीजे ज्ञानवेल की कोर्ट रूम ड्रामा में जाति आधारित भेदभाव की लड़ाई है। इसमें इरुलर समुदाय की जनजाति के बारे में दिखाया गया है कि कैसे पुलिस हिरासत में उन्हें यातनाएं दी जाती थीं। जय भीम में हिंदी भाषी लोगों को भी एक ऐसे सीन से परेशानी हुई जिसमें फिल्म के एक्टर प्रकाश राज को हिंदी में बोलने के लिए एक आदमी को थप्पड़ मारते दिखाया गया है। नोटिस में एक सीन का भी जिक्र किया गया है, जहां अग्नि कुंडम एक कैलेंडर पर दिखाई देता है। बता दें, अग्नि कुंडम वन्नियारों का प्रतीक है। नोटिस में यह दावा किया गया है कि मेकर्स ने जानबूझकर कैलेंडर रखा था। साथ ही कहा है कि, राजकन्नू को प्रताड़ित करने वाले पुलिसकर्मी के कैरेक्टर को जानबूझकर वन्नियार जाति का दिखाया गया है। सूर्या ने बयान जारी कर कहा है कि, मेरी फिल्म और मेरा किसी भी व्यक्ति या समुदाय का अपमान करने का कोई इरादा नहीं था। इसके बाद सूर्या के फैंस ने जय भीम की टीम को सोशल मीडिया पर सपोर्ट करना शुरू कर दिया और ट्विटर पर # WeStandWithSuriya ट्रेंड करने लगा।

स्टाइलिश ब्रालेट और शॉर्ट्स पहने आई नजर, तस्वीरें देख फैंस ने कहा, स्मोकिंग हॉट

मलाइका अरोड़ा को मुंबई में बुधवार को जिम के बाहर स्पॉट किया गया है इस मौके पर उन्होंने ब्रॉलेट और शॉर्ट्स पहन रखे थे उन्होंने सफेद कलर की स्टाइलिश ब्रालेट पहन रखी थी इसमें वह बहुत खूबसूरत नजर आ रही थी मलाइका अरोड़ा के बाल खुले हुए थे उन्होंने ब्लैक कलर का मास्क लगा रखा था वह कैमरे की ओर देखकर पोज भी कर रही थी मलाइका अरोड़ा फिटनेस फ्रीक मानी जाती है वह अपने फिटनेस को लेकर काफी पैशनेट है इसके अलावा वह अपने फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती है मलाइका अरोड़ा का वार्डरोब कपड़ों से भरा हुआ है 17 नवंबर को मलाइका अरोड़ा को योगा स्टूडियो के बाहर स्पॉट किया गया है इसमें वह वर्कआउट आउटफिट में नजर आई है इसमें कंफर्ट और ग्लैमर का भी मिक्सचर नजर आया मलाइका अरोड़ा ने वाइट कलर की ब्रालेट पहन रखी है इसके अलावा उन्होंने शॉर्ट्स पहन रखी है उन्होंने इस मास्क लगा रखा था और वह काफी खूबसूरत लग रही है मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है मलाइका अरोड़ा इन दिनों अर्जुन कपूर को डेट कर रही हैं दोनों अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते है, जिन्हें फैंस काफी पसंद करते है मलाइका अरोड़ा फिल्म एक्ट्रेस है मलाइका अरोड़ा ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया है मलाइका अरोड़ा अर्जुन कपूर ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है दोनों की तस्वीरों और वीडियो को काफी पसंद किया जाता है। मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड एक्ट्रेस है उनकी शादी सलमान खान के भाई अरबाज खान से हुई थी हालांकि बाद में दोनों का तलाक हो गया मलाइका अरोड़ा इसके बाद अर्जुन कपूर को पसंद करने लगी है मलाइका अरोड़ा इन दिनों टीवी पर एक रियलिटी शो को भी जज कर रही है जोकि काफी पसंद किया जाता है

कोरोना वैक्सीन पर मुस्लिमों की झिझक दूर करने मैदान में उतरे सलमान, सभी से टीकाकरण कराने का आग्रह किया

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान कोविड 19 टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने सभी से कोरोनावायरस के खिलाफ टीका लगवाने और देश को ष्टह्लङ्कढ्ढष्ठ 19 से मुक्त करवाने के लिए मदद देने का आग्रह किया है। एक ताजा वीडियो में संदेश जारी करते हुए सलमान खान ने अपने फैंस को संबोधित किया और टीका लगवाने के लिए कहा हैं। अभिनेता का कहना है कि सरकार सभी को टीका लगवाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और इसलिए देश में लोगों को इसके बारे में अफवाहें नहीं फैलानी चाहिए। उन्होंने लोगों से आगे आने और टीका लगवाने और वायरस के प्रसार को रोकने में योगदान देने का अनुरोध किया। सलमान खान वीडियो में कहते हैं पिछले लगभग दो वर्षों में, कोरोना ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। एक के बाद एक कोरोना की लहरे आयी हैं। इस बार हमने सीखा है कि वायरस के प्रसार को रोकने के लिए टीका ही एकमात्र उपाय है। इस लिए सरकार देश में हर व्यक्ति का टीकाकरण करने की पूरी कोशिश कर रही है, टीकाकरण के खिलाफ कई अफवाहें और प्रतिरोध हैं। इससे लोगों के मन में आशंका पैदा हो रही है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण मैं लोगों से अफवाह न फैलाने की अपील करना चाहता हूं। दूसरा, हमें यह समझना होगा कि टीका लगवाने से आप न केवल अपनी बल्कि अपने परिवार, समाज और देश की भी मदद कर रहे हैं। मैं हाथ जोड़कर आप सभी से अनुरोध करता हूं कि आप जल्द से जल्द कोरोना का टीका लगवाएं। मास्क पहनें, नियमित रूप से हाथ धोएं और सामाजिक दूरी बनाए रखें। आओ और देश को कोरोना मुक्त बनाने में योगदान दें। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में कोरोना वायरस रोधी टीके लगवाने में हिचकिचाहट है, और सरकार बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की मदद लेगी ताकि लोगों को टीका लगवाने के लिए राजी किया जा सके। टोपे ने यहां पत्रकारों से कहा कि टीके लगाने की संख्या के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में टीकाकरण की गति कम है। उन्होंने कहा, ''मुस्लिम बहुल इलाकों में अब भी कुछ हिचकिचाहट है। हमने मुस्लिम समुदाय को टीका लगवाने के लिए राजी करने के वास्ते सलमान खान और धार्मिक नेताओं की मदद लेने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा, ''धार्मिक नेताओं और फिल्म अभिनेताओं का बहुत प्रभाव होता है और लोग उन्हें सुनते हैं।'' मंत्री ने कहा कि राज्य में अब तक 10.25 करोड़ से अधिक टीके की खुराक दी जा चुकी है, और नवंबर के अंत तक सभी पात्र व्यक्तियों को कम से कम पहली खुराक मिल जाएगी। कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका के बारे में, टोपे ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार महामारी का चक्र सात महीने का होता है, लेकिन बड़े पैमाने पर टीकाकरण के कारण, अगली लहर गंभीर नहीं होगी। उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए और टीका लगवाना चाहिए।

कांग्रेस का कंगना पर वार

महाराष्ट्र कांग्रेस का फैसला, महात्मा गांधी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए एक्ट्रेस के खिलाफ लेंगे लीगल एक्शन

एक्ट्रेस और पद्मश्री अवॉर्ड विजेता कंगना रनोट की महात्मा गांधी के खिलाफ किए गए बयान पर संज्ञान लेते हुए महाराष्ट्र कांग्रेस ने उनके खिलाफ लीगल एक्शन का फैसला किया है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने पुष्टि की है कि कांग्रेस कंगना के खिलाफ मुंबई पुलिस में एक ऑफिशयली शिकायत दर्ज करेगी। नाना पटोले ने कहा, महाराष्ट्र कांग्रेस कंगना रनोट के महात्मा गांधी के खिलाफ दिए गए मानहानिकारक बयान के लिए कानूनी कार्रवाई करेगी। कांग्रेस उनके खिलाफ मुंबई पुलिस में एक शिकायत दर्ज करेगी।÷ यह एक्शन तब लिया जा रहा है जब कंगना का एक बयान सामने आया जिसमें वे महात्मा गांधी के लिए यह कह रही थीं वे नेताजी और भगत सिंह के सपोर्ट में कभी थे ही नहीं। हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कंगना ने लिखा था, या तो आप गांधी के फैन हो सकते हैं या नेताजी के सपोर्टर, लेकिन आप दोनों नहीं हो सकते... चुनें और फैसला करें। उन्होंने न्यूज पेपर की कटिंग भी शेयर की थी। इसके बाद उन्होंने भीख में मिली आजादी के बयान पर अपना पक्ष एक बार और रखा था। जिसमें महात्मा गांधी को निशाना बनाया गया था।

शादी के बाद बीवी संग पहली बार दिखे राजकुमार राव, देखें- भाभी जी सुनकर पत्रलेखा का रिएक्शन

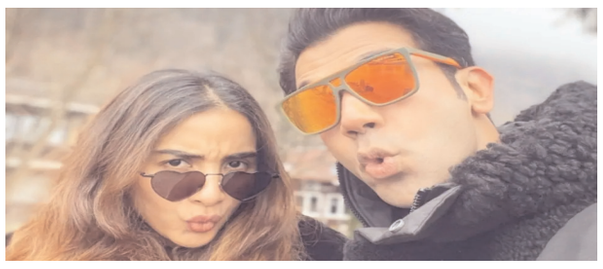

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव में हाल ही में अपनी लॉन्ग टर्म गर्लफ्रेंड पत्रलेखा से शादी कर ली है। इन दोनों की वेडिंग सेरेमनी खूब चर्चओं में रही। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी राजकुमार और पत्रलेखा की वेडिंग फोटोज जबरदस्त वायरल होती दिखाई दीं। वहीं, अब शादी के बाद हाल ही में ये न्यूलीवेड कपल पहली बार पब्लिक एपीयरेंस देते दिखाई दिए, दोनों के ही चेहरे पर चेहरे पर शादी का ग्लो साफ नजर आया। इस दौरान पैपराजी ने पत्रलेखा को जब भाभी जी कहकर बुलाया तो एक्ट्रेस का रिएक्शन देखने लायक था। दरअसल, हाल ही में राजकुमार राव और पत्रलेखा मुंबई वापस लौटे हैं। इस दौरान पैपराजी ने नए दूल्हा-दुल्हन को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया। एयरपोर्ट पर राजकुमार राव ऑल व्हाइट आउटफिट में नजर आए और पत्रलेखा ने लाल साड़ी पहन रखी थी। इस दौरान ये नया-नवेला कपल बेहद खूबसूरत नजर आ रहा था। दोनों ने एयरपोर्ट पर रोमांटिक अंदाज में एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आए। इसके अलावा राजकुमार राव और पत्रलेखा ने रुककर पैपराजी को पोज भी दिए। वहीं, एयरपोर्ट से राजकुमार राव और पत्रलेखा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रहा है। जिसमें पैप्स फोटो खींचने के दौरान पत्रलेखा को भाभी जी कहकर बुलाते हैं। पहली बार पैप्स से भाभी जी सुनकर पत्रलेखा चौंक गईं और हंसते हुए राजकुमार से कहती दिखीं कि पैप्स ने उन्हें भाभी जी कहा। ये सुनकर राजकुमार भी हंस पड़े। इसके बाद ये दोनों गाड़ी में बैठकर चले गए।

उर्फी जावेद ने ब्रालेट पर छोटी क्रॉप टॉप और स्कर्ट पहनकर लचकाई कमर, फैंस ने कहा, शानदार बेली डांस

उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है इसमें उन्हें ब्रालेट पर छोटी क्रॉप टॉप और स्कर्ट पहनकर बेली डांस करते हुए देखा जा सकता है वह इस वीडियो में कमर लचका रही है उनका यह वीडियो वायरल हो गया है इसे अब तक 13000 से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है उर्फी जावेद ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, मैंने उनसे कहा कि अभी इंतजार करिए इसके साथ उन्होंने इसमें कई हैशटैग भी लगाए है उर्फी के इस वीडियो को कई लोग पसंद कर रहे है वीडियो में उर्फी जावेद ने मेकअप कर रखा है उनके बाल बंधे हुए हैं उन्होंने लिपस्टिक लगा रखी है इसके अलावा झुमके पहन रखे है उनके झुमके काफी खूबसूरत लग रहे हैं उन्होंने ब्लैक ब्रालेट के ऊपर शॉर्ट क्रॉप टॉप पहन रखा है और वह सेल्फी वीडियो शूट करते हुए डांस कर रही हैं इसमें वह अपनी कमर लचका रही है, जिसे देखकर फैंस दीवाने हुए जा रहे हैं इस वीडियो पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं कई फैंस ने ने वीडियो पर नाइस और हॉट डांस भी कमेंट किया है वहीं एक फैन ने शानदार बेली डांस भी कमेंट किया है उर्फी जावेद बिग बॉस ओटीटी में नजर आ चुकी हैं वह सोशल मीडिया पर बहुत फेमस है वह अपने डांस और वीडियो को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं इसके अलावा उर्फी जावेद अपने कपड़ों को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं उर्फी जावेद की सोशल मीडिया पर बड़ी फैन फॉलोइंग है। उर्फी जावेद फिल्म एक्ट्रेस बनना चाहती है उर्फी जावेद की राखी सावंत के साथ बहुत अच्छी दोस्ती है दोनों को कई अवसर पर साथ देखा गया है उर्फी जावेद को राखी सावंत काफी प्रोत्साहित भी करती हैं उर्फी जावेद की वीडियो और फोटो पर लेकर फैंस काफी एक्साइटेड रहते हैं हाल ही में उर्फी जावेद ने टिप टिप बरसा पानी गाने पर डांस किया था, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया है वीडियो में उर्फी ने पीले कलर की साड़ी और ब्लाउज पहन रखा है इसके अलावा उन्होंने ज्वेलरी भी पहन रखी थी इसमें वह काफी खूबसूरत लग रही थी उन्होंने टिप टिप बरसा गाने पर रील बनाया था, जिसे काफी पसंद किया गया था।

कोलकाता कोर्ट का फैसला : टीएमसी सांसद नुसरत जहां और निखिल जैन की बोडरम तुर्की में हुई शादी अवैध है

कोलकाता कोर्ट ने टीएमसी सांसद-एक्ट्रेस नुसरत जहां और निखिल जैन की शादी को अवैध करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस कपल की कानूनन शादी हुई ही नहीं थी। इस साल 9 जून को टीएमसी सांसद नुसरत जहां ने भी एक बयान जारी करके कहा था कि निखिल के साथ उनकी शादी तुर्की कानून के मुताबिक हुई थी और इसलिए वह भारत में मान्य नहीं है। शादी को अमान्य घोषित करते हुए कोलकाता की अदालत ने कहा, यह घोषित किया जाता है कि 19 जून 2019 को बोडरम तुर्की में वादी और प्रतिवादी के बीच हुआ कथित विवाह कानूनी रूप से वैध नहीं है। इस प्रकार मुकदमा का निपटारा किया जाता है। नुसरत ने पति निखिल पर आरोप लगाया था कि उसका सामान, जैसे पारिवारिक जेवर और अन्य

संपत्ति, अवैध रूप से वापस रखी गई है। उसने यह भी आरोप लगाया कि उसकी जानकारी के बिना कई अकाउंट्स से उसके धन का दुरुपयोग किया गया था। इससे पहले निखिल जैन ने नुसरत जहां ने द्वारा भारत में अपनी शादी को अमान्य कहे जाने के बाद शादी को रद्द करने की अर्जी दी थी। निखिल ने कहा था कि उन्होंने नुसरत से कई बार शादी को रजिस्टर्ड कराने का अनुरोध किया, लेकिन नुसरत ने हर बार टाल दिया। नौ सूत्री बयान में, उन्होंने नुसरत के उन आरोपों का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने अवैध रूप से उनका सामान रखने और पैसों का गलत तरीके से रखने का आरोप लगाया था। इससे पहले निखिल जैन ने अलग होने की खबरों की पुष्टि की थी। निखिल ने कहा, मैं वास्तव में उनकी कही गई किसी भी बात पर टिप्पणी नहीं करना चाहता क्योंकि मामला अदालत में विचाराधीन है। मैंने कोलकाता में एक दीवानी मुकदमा दायर किया है और जब तक यह अदालत में है, तब तक मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। मैंने कोलकाता में शादी रद्द करने के लिए अर्जी दी है, हम पिछले साल नवंबर से अलग हो गए हैं। नुसरत जहां और निखिल जैन ने कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद 19 जून 2019 को शादी के बंधन में बंधे थे। उन्होंने तुर्की में एक अंतरंग समारोह में शादी की और बाद में कोलकाता में एक

फैन के खास टैटू से इंप्रेस हुए बाहुबली प्रभास, दे डाला एक महंगा लक्जरी गिफ्ट

साउथ सिनेमा के जाने-माने स्टार और बाहुबली फेम एक्टर प्रभास की फैन फॉलोइंग के बारे में कौन नहीं जानता। इन दिनों वो अपनी आपनी आने वाली फिल्मों को लेकर काफी बिजी हैं। वहीं, प्रभास भले ही सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव ना रहते हों लेकिन वो अपने फैंस को स्पेशल फील कराने का तरीका खोज ही लेते हैं। हाल ही में प्रभास ऐसे ही कारणों से सुर्खियों में आ गए हैं। प्रभास ने अपने एक फैन को एक ऐसा गिफ्ट दिया है, जिसके बारे में जानकर आप भी चौंक जाएंगे। एयरपोर्ट और कई ईवेंट्स पर तो प्रभास को फैंस के साथ सेल्फी लेते तो कई बार देखा गया है। वहीं, हाल ही में प्रभास की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही है, जिसमें प्रभास अपने एक फैन के साथ पोज दिखाई दे रहे हैं। ये शख्स प्रभास का इतना बड़ा फैन है कि उसने अपने सिर पर एक्टर का नाम लिखवा रखा है। प्रभास अपने फैन के इस जेस्चर

को लेकर भावुक हो गए। ग्रेटअंधाडॉटकॉम की रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास ने इस फैन को अपने घर पर बुलाया और उसके साथ बातचीत की। इस रिपोर्ट के मुताबिक एक्टर ने अपने एक खास फैन को एक लक्जरी घड़ी गिफ्ट की है। हालांकि, इस घड़ी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ सकी है। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास अपनी आने वाली फिल्म राधे श्याम में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े के साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दोनों की कैमिस्ट्री फैंस को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म को 14 जनवरी 2022 को रिलीज किया आएगा।